www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, सोमवार,16 अक्टूबर, 2023 | वर्ष-16 | अंक -191 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

आतंकवाद शांति में बाधक : ओम बिरला 02

- राजधानी के गांव वासियों को नहीं बनने देंगे... 03
- संजय सिंह से पूछताछ का रवैया हास्यप्रद : रीना गुप्ता 03
- इजरायल व हमास जंग में अब तक 3500 से ज्यादा... 07
- सीपीईसी के तहत राजमार्ग समझौते पर पाक व चीन... 07

भाग्यश्री इस साल अयोध्या की रामलीला का बनेंगी हिस्सा 10

सार संक्षेप

केदारनाथ धाम में हुई सीजन की पहली बर्फबारी

केदारनाथ। बारिश का मौसम खत्म होते ही उत्तराखंड में मौसम करवट बदलने लगा है। पहाड़ों पर जहां बर्फबारी शुरू हो गई है, तो मैदानी इलाकों में सुबह-शाम ठंड पड़ने लगी है। चारधाम में भी अब बर्फबारी होने लगी है। केदारनाथ धाम में रविवार को सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। बर्फबारी से भले ही ठंड बढ़ गई, लेकिन केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। बर्फबारी का श्रद्धालुओं ने खूब लुत्फ उठाया।

राजौरी में बारूदी सुरंग विस्फोट में सैनिक घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास रविवार को एक बारूदी सुरंग विस्फोट में एक सैनिक घायल हो गया। नौशेरा सेक्टर के कलसियान इलाके में नियंत्रण रेखा के पास बारूदी सुरंग विस्फोट में गुरचरण सिंह नामक एक सैनिक घायल हो गया। सैनिक सिख लाइट इन्फैंट्री का है। सूत्रों ने कहा, उन्हें नौशेरा में प्राथमिक उपचार दिया गया और फिर उधमपुर शहर में सेना के कमांड अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

कैंपस के अंदर बाइक दुर्घटना में जेएनयू छात्र की मौत

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में रविवार तड़के एक बाइक दुर्घटना में 22 वर्षीय एक छात्र की मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार उसका दोस्त घायल हो गया। बाइक दो पैदल छात्रों से टकरा गई थी। वे दोनों भी घायल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना उस समय हुई जब केटीएम बाइक, जिस पर मृतक और उसका दोस्त यात्रा कर रहे थे, दो पैदल यात्रियों से टकरा गई।

श्रीलंका नौसेना ने तमिलनाडु के 27 मछुआरों को पकड़ा

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना ने रामेश्वरम और थंगाचीमादम से 27 मछुआरों को गिरफ्तार किया है, जबकि मछुआरों की पांच मैकेनिकल नौकाएं भी जब्त की हैं। चार नावों में रामेश्वरम घाट से कम से कम 23 मछुआरे और एक नाव में चार मछुआरे थंगाचीमादम से समुद्र में उतरे थे।

बिहार के कैमूर में वैन पलटी, 25 लोग घायल

पटना। बिहार के कैमूर जिले में रविवार को एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 25 लोग घायल हो गए। हादसे में घायल हुए लोग अघौरा थाना क्षेत्र के गांव गमकलां के निवासी हैं। ये सभी शारदीय नवरात्रि के पहले दिन मां मुंडेश्वरी देवी मंदिर में पूजा करने जा रहे थे।

कांग्रेस की 3 राज्यों के लिए पहली सूची जारी

पार्टी ने मध्य प्रदेश से 144, छत्तीसगढ़ 30 और तेलंगाना से 55 प्रत्याशी किए घोषित

- कमलनाथ छिंदवाड़ा व भूपेश बघेल पाटन से लड़ेंगे चुनाव
- शिवराज के खिलाफ बुधनी से विक्रम मस्ताल को उतारा
- उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को अंबिकापुर से प्रत्याशी बनाया

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में अगले महीने से होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 229 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। इनमें मध्यप्रदेश से 144, छत्तीसगढ़ से 30 और तेलंगाना से 55 उम्मीदवारों के नाम हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को पार्टी ने छिंदवाड़ा से टिकट दिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के खिलाफ बुधनी से विक्रम मस्ताल को उतारा गया है। मस्ताल ने 2008 में आई रामायण में हनुमान का किरदार निभाया था। डॉ. गोविंद सिंह को लहार विधानसभा सीट से तथा दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह को राघौगढ़ विधानसभा सीट से मैदान में उतारा गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उनकी परम्परागत सीट पाटन से और उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को अंबिकापुर से प्रत्याशी बनाया गया है। ताम्रध्वज साहू को दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है।

तेलंगाना में कांग्रेस ने 119 सदस्यीय विधानसभा के लिए 55 उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की है। डॉ. कोटा नीलिमा को सनथ नगर विधानसभा क्षेत्र से, जुपल्ली कृष्ण राव को कोल्लापुर से, पार्टी के विधायक दल के नेता भट्टी विक्रमार्क मल्लू को मधुर (एससी) आरक्षित सीट से मैदान में उतारा गया है।

मप्र में 19 महिलाओं के नाम

मध्य प्रदेश की पहली सूची में 19 महिलाओं के नाम हैं। इस तरह कांग्रेस ने लगभग 12 प्रतिशत् महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही पार्टी ने छत्तीसगढ़ चार महिलाओं को अपना उम्मीदवार बनाया है जिनमें डौंडीलोहारा(सु) से अनिला भेड़िया , खैरागढ़ से यशोदा वर्मा , डोंगरगढ(सु) से श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल और भानुप्रतापपुर (सु) से सावित्री मंडावी चुनाव लड़ेंगी।

मप्र की सूची कई चौंकाने वाले नाम

कांग्रेस की सूची में कई नाम चौंकाने वाले हैं तो वहीं कुछ उम्मीदवारों की सीट भी बदली गई है। इस सूची में कुछ नए चेहरों के नाम हैं जिनमें दतिया से अवधेश नायक, बिजावर से चरण सिंह यादव, बमोरी से ऋषि अग्रवाल, मेहगांव से राहुल भदोरिया। इसके अलावा एक बड़ा नाम केपी सिंह का है जो अब तक पिछोर से विधायक रहे हैं। वह इस बार शिवपुरी से उम्मीदवार बनाए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में 2 चरणों में होंगे चुनाव

चुनाव आयोग ने 9 अक्टूबर को 5 राज्यों में मतदान के तारीख की घोषणा की थी। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर तो छत्तीसगढ़ में 2 चरणों में 7 और 17 नवंबर को वोटिंग होगी। राजस्थान में 25 नवंबर, मिजोरम में 7 नवंबर और तेलंगाना में 30 नवंबर को चुनाव होंगे। पांचों राज्यों में 3 दिसंबर को नतीजे आएंगे।

रमन सिंह के खिलाफ गिरीश देवांगन प्रत्याशी

कांग्रेस ने राजनांदगांव सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के खिलाफ गिरीश देवांगन को चुनाव मैदान में उतारा है। पहली सूची के मुताबिक कांग्रेस ने छह नए चेहरों पर दांव लगाया है वहीं छह विधायक टिकट से वंचित किए गए हैं।

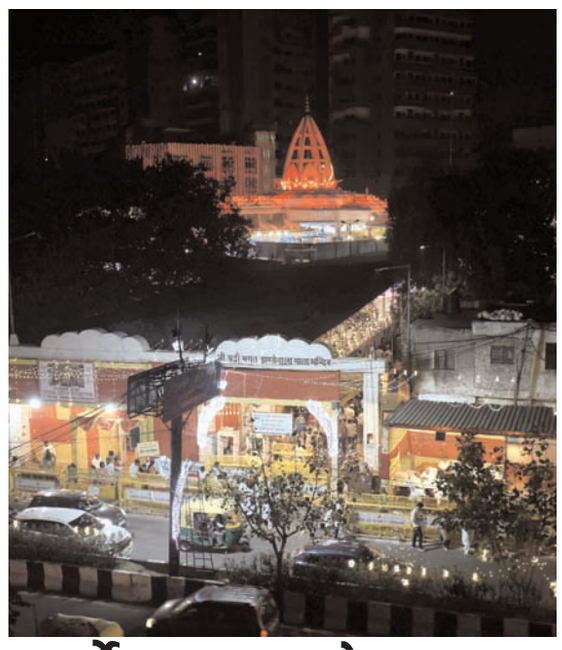

हर्षोल्लास के साथ नवरात्र शुरू

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। नौ दिवसीय नवरात्र उत्सव रविवार को शुरू हो गया। कालकाजी मंदिर सहित राष्ट्रीय राजधानी के कई प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही भारी भीड़ देखी गई। नवरात्र के पहले दिन पूजा-अर्चना करने के लिए मंदिरों के बाहर सैकड़ों भक्तों की कतारें लगी रहीं। पूजा-अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से निपटने के लिए शहर भर के मंदिरों में पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। नवरात्र के उत्सव में देवी दुर्गा और उनके नौ रूपों की पूजा शामिल है। यह त्योहार पूरे देश में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। अगले नौ दिनों में भक्त देवी दुर्गा की पूजा करते हैं और उपवास रखते हैं।

पहले दिन मंदिरों में उमड़ी भीड़

दिल्ली-एनसीआर में फिर लगे भूकंप के झटके

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली-एनसीआर में रविवार दोपहर बाद भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप केंद्र ने बताया कि स्थानीय समय के अनुसार दोपहर बाद

- रिक्टर पैमाने पर 3.1 मापी गई तीव्रता

लगभग 4:08 बजे भूकंप आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.1 मापी गई। इसका केंद्र हरियाणा के फरीदाबाद में था जो दिल्ली की सीमा से सटा हुआ है। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके आते ही लोग अपने घरों और कार्यालयों से भागकर बाहर निकल गए। लोगों

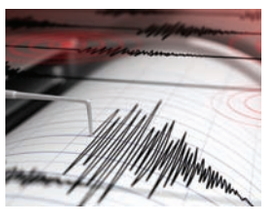

ने बताया कि उन्होंने भूकंप के तेज झटके महसूस किए। कुछ दिन पहले भी राष्ट्रीय राजधानी, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भूकंप आया था। उस समय भूकंप का केंद्र नेपाल था।

दो हफ्ते में तीसरी बार लगे झटके

दो हफ्ते में ये तीसरी बार दिल्ली में झटके महसूस किए गए हैं। इससे पहले तीन अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई स्थानों पर भूकंप के झटके महसूस हुए थे। दो अक्टूबर को भी दिल्ली-हरियाणा में झटके लगे थे। दो हफ्ते पहले एक दिन में दो बार हिली थी धरती 3 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान समेत मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में दोपहर 2.25 और 2.53 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए।

रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.6 रही। इसका केंद्र नेपाल के बझांग जिले में था। इसी दिन नेपाल में एक घंटे में चार भूकंप आए थे।

इजरायल से दो और उड़ानें दिल्ली पहुंचीं

ऑपरेशन अजय

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। युद्धग्रस्त इजरायल में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने के 'ऑपरेशन अजय' के तहत रविवार सुबह दो और उड़ानें राष्ट्रीय राजधानी में उतरीं। एक में 197 और दूसरी में 274 यात्री थे। तेल अवीव से 197 यात्रियों के साथ तीसरी उड़ान तड़के

- एक में 197 और दूसरी में 274 यात्री थे सवार

करीब चार बजे यहां आईजीआई हवाई अड्डे पर पहुंची। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने आगमन पर तिरंगे के साथ भारतीय नागरिकों का स्वागत किया। इजरायल से 274 भारतीय नागरिकों को लेकर चौथी उड़ान सुबह करीब सात बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंची। इससे पहले ऑपरेशन अजय के तहत 212 लोगों के साथ गुरुवार को एक उड़ान दिल्ली पहुंची थी जबकि दूसरी शनिवार को 235 भारतीय नागरिकों को इजरायल से लेकर आई थी। इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष के बीच विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि सरकार का मुख्य ध्यान वहां फंसे 18 हजार

भारतीयों को वापस लाना है। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान उन भारतीयों को वापस लाने पर है जो इजराइल से बाहर आना चाहते हैं। वहां छात्रों सहित 18 हजार भारतीय हैं। सरकार ने युद्धग्रस्त इजराइल से भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए 'ऑपरेशन अजय' शुरू किया है।

गाजा के अस्पतालों में बुनियादी चीजों की कमी

तेल अवीव। हमास-इजरायल जंग के बीच गाजा के डॉक्टरों ने कहा है कि अस्पतालों में ईंधन और बुनियादी चीजों की कमी के कारण हजारों लोग मर सकते हैं। पिछले हफ्ते हमास के हमले के बाद से इजरायल उत्तरी गाजा में जवाबी कार्रवाई कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, आने वाले दो दिनों के भीतर गाजा के अस्पतालों में जनरेटर ईंधन खत्म होने की आशंका है, जिससे हजारों मरीजों की जान खतरे में पड़ जाएगी। हमास के हमले के बाद इजरायल की तरफ से 40 किमी लंबे क्षेत्र को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। इस वजह से गाजा का एकमात्र पावर प्लांट ईंधन की कमी के कारण बंद हो गया।

- इलाज के बिना हो सकती है हजारों लोगों की मौत

भारतीय सेना के शीर्ष कमांडर्स का सम्मेलन आज से

बॉर्डर की चुनौतियों व अपनी क्षमता की समीक्षा करेगी सेना

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना चीन और पाकिस्तान से लगे अपने बॉर्डर की सुरक्षा चुनौतियों और फोर्स की क्षमता दक्षता समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों की समीक्षा करने जा रही है। यह समीक्षा सोमवार से शुरू की जाएगी। सोमवार से भारतीय सेना के शीर्ष कमांडर्स का पांच दिवसीय सम्मेलन शुरू होने जा रहा है। आर्मी कमांडर्स की यह कॉन्फ्रेंस सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की अध्यक्षता में हो रही है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 18 अक्तूबर को सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सेना की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, सेना के कमांडरों के सम्मेलन का आयोजन 20 अक्टूबर तक नई दिल्ली में निर्धारित है। यह शीर्ष-स्तरीय द्विवार्षिक कार्यक्रम वैचारिक आधार पर विचार-विमर्श के लिए भारतीय सेना को महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों की सुविधा प्रदान करने का एक संस्थागत मंच है। इस वर्ष लाए गए नए प्रारूप को जारी रखते हुए, आगामी निर्धारित, सेना कमांडरों का सम्मेलन भी हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रथम दिवस सेना कमांडर और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी वर्चुअल रूप से मिलेंगे, तत्पश्चात शेष विचार-विमर्श कार्य भौतिक प्रारूप में आयोजित किए जाएंगे।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की अध्यक्षता में हो रही है कांफ्रेंस

सुरक्षा परिदृश्यों पर होगा विचार-विमर्श

इस अवसर पर रक्षा सेना प्रमुख जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी आयोजित सभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अजय कुमार सूद भी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने पर एक संभाषण देंगे। भारतीय सेना की परिचालन तैयारियों की समीक्षा करने के अलावा वर्तमान व उभरते सुरक्षा परिदृश्यों पर शीर्ष नेतृत्व विचार-विमर्श करेगा।

मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाओं में 15 की मौत

छत्रपति संभाजीनगर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे पर रविवार को तेज रफ्तार ट्रक, बस और एक निजी कार से हुई दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र के विपक्षी नेताओं और अन्य लोगों ने दुर्घटना में यात्रियों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए देने की घोषणा की, जबकि शिंदे ने इस त्रासदी में मारे गए लोगों के लिए 5 लाख रुपए मुआवजे और सभी घायलों के लिए पूर्ण मुफ्त इलाज की घोषणा की। एक अधिकारी ने बताया कि पहली दुर्घटना देर रात करीब 1.15 बजे हुई जब एक यात्री मिनी बस तीर्थयात्रा के बाद बुलढाणा से छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) होते हुए नासिक जा रही थी। अधिकारी ने कहा कि बस बुलढाणा से छत्रपति संभाजीनगर आ रही थी और राजमार्ग के किनारे कुछ देर के लिए रुकी थी, अचानक ट्रक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में कम से कम 12 यात्रियों की मौत हो गई।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक, मुआवजे की घोषणा

पीएमएलए मामले में ईडी की कार्रवाई

पूर्व एनसीपी कोषाध्यक्ष से जुड़ी 315 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीपी के पूर्व कोषाध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सदस्य ईश्वरलाल शंकरलाल जैन और उनके बेटे मनीष ईश्वरलाल जैन लालवानी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ईडी ने राजमल लखीचंद ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड, आर एल गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और मनराज ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड की 315.6 करोड़ रुपए की 70 अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। वित्तीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत राजमल लखीचंद ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड, आर एल गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और मनराज ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य के बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने महाराष्ट्र के जलगांव, मुंबई, ठाणे और सिल्लोड और गुजरात के कच्छ सहित अन्य क्षेत्रों में स्थित 70 अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया है।

राजनीति बहुजन समाज पार्टी के खिसकते जनाधार पर चंद्रशेखर की नजर

बसपा को टक्कर देकर सियासी जमीन पाने में जुटी आजाद समाज पार्टी

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के खिसक रहे जनाधार को देखते हुए आजाद समाज पार्टी अपने को नए विकल्प के तौर पर पेश करने में जुटी है। इसी कारण पार्टी ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में दो राज्यों , राजस्थान और मध्यप्रदेश में अपने प्रत्याशी उतारकर इसकी शुरुआत कर दी है। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सभी दल अपने-अपने हिसाब से जातीय समीकरण दुरुस्त करने में जुट गए हैं। सर्वाधिक 80 सीटों वाले यूपी में जातीय राजनीति आज भी काफी असरकारी है। इसे देखते हुए ही सियासी पार्टियों ने जातीय प्रभाव रखने वाले क्षेत्रीय दलों को अपने साथ रखा है। जहां तक बसपा का सवाल है, वो लोकसभा के चुनावी मैदान में अकेले उतरने का एलान कर चुकी है। 2012 में सत्ता से बेदखल होने के बाद चुनावी प्रदर्शन में बसपा का ग्राफ लगातार गिर रहा है। मायावती भी सियासी जमीन पर बहुत ज्यादा सक्रिय नजर नहीं आ रही हैं।

2022 चुनाव के बाद मायावती ने कोई रैली नहीं की

2022 के चुनाव के बाद उन्होंने कोई भी रैली नहीं की है। इतना ही नहीं बसपा प्रमुख ने प्रदेश के किसी भी जिले का दौरा भी नहीं किया है, जिससे पार्टी के कोर वोटबैंक दलित समुदाय के छिटकने की बातें सामने आई है। यही वजह है कि आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद न केवल कांशीराम की सियासी विरासत के सहारे दलितों के दिल में जगह बनाने, बल्कि बसपा के सिकुड़ने से खाली हो रही सियासी जमीन को अपने पाले में लाने में जुटे हैं। उनकी इस मेहनत के बाद दलित वोट, खासकर जाटव, किसके पक्ष में आते हैं, यह राजस्थान और मध्यप्रदेश के चुनाव परिणामों से स्पष्ट हो जाएगा। संविधान संरक्षण मंच के मुखिया और दलित विषयों के जानकर गौतम राणे सागर ने बताया कि बसपा की स्वीकार्यता का ग्राफ गिर रहा है। जिनके दम पर बसपा बनी थी, उन्होंने मनसा वाचा कर्मणा का मूल मंत्र दिया था। परिणाम देखें तो बसपा के कर्मों में किस तरह से जंग लग गई है सभी जान रहे हैं।

- राजस्थान व मध्यप्रदेश में अपने प्रत्याशी उतारकर इसकी शुरुआत की

देश

उवाच

राज्य सरकार और ठेकेदार दोनों मिलकर राज्य को लूट रहे हैं। कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन राज्य सरकार का कमीशन वसूली केंद्र बन गया है। गांव से लेकर विधानसभा तक भ्रष्टाचार देखने को मिलता है और खुलेआम चल रहा है।

-बसवराज बोम्मई,कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.0	21.0
मुंबई	32.0	29.0
कोलकाता	30.0	24.0
चेन्नई	29.0	27.0

आतंकवाद शांति में बाधक : ओम बिरला

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारत आतंकवाद के सभी स्वरूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है। वैश्विक शांति और समृद्धि का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद शांति और विकास में बाधक है और आतंक से सभी स्रोतों को सामूहिक संकल्पशक्ति से परास्त करना होगा। लोकसभा अध्यक्ष ने आगे कहा कि पी-20 शिखर सम्मेलन में 48 संसदीय निकायों के प्रमुखों ने माना है कि सर्वोच्च विधायी संस्था होने के नाते संसदों की संप्रभुता होती है और उनमें दूसरे देशों के आंतरिक मामलों के बारे में चर्चा नहीं की जा सकती है। ओम बिरला ने यहां पी-20 के सफल आयोजन को लेकर योगदान करने वाले सभी पक्षों के प्रति आभार ज्ञापन के लिए बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल पर यह बात बताई। उन्होंने कहा हमारा स्पष्ट मत है और इसे सबने एक मत से माना है कि संसद सर्वोच्च विधायी संस्था होती है। किसी भी देश के आंतरिक मामलों को लेकर कभी किसी अन्य देश की संसद में चर्चा नहीं हो सकती है। तुर्की की संसद के पीठासीन अधिकारी के साथ द्विपक्षीय मुलाकात में मेहमान नेता द्वारा तुर्की में अस्थिरता फैलाने वाले तत्वों को भारत की शह के आरोप के बारे में पूछे जाने पर बिरला ने कहा कि सरकार का स्पष्ट मत है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इसे कई बार स्पष्ट किया है। हम आतंकवाद, आतंकवादी गतिविधियां, आतंकवादियों को प्रश्रय दिए जाने के सख्त खिलाफ हैं और ऐसी गतिविधियों का भारत में कहीं कोई स्थान नहीं है। आतंकवाद चाहे जाति के नाम पर हो या धर्म के नाम पर, भारत उसके किसी भी पक्ष या स्वरूप को कतई कोई समर्थन नहीं देता है। लोकसभा अध्यक्ष ने इससे पहले अपने वक्तव्य में कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारियों का यह नौवां पी-20 शिखर सम्मेलन सबसे कामयाब रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की जी 20 अध्यक्षता की थीम के अनुरूप, 9वें पी 20 शिखर सम्मेलन का विषय 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के लिए संसदें' था। पी 20 शिखर सम्मेलन में जी 20 सदस्य देशों और आमंत्रित देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली पी-20 शिखर सम्मेलन शिष्टमंडलों की भागीदारी के मामले में अब तक का सबसे सफल पी 20 शिखर सम्मेलन था।

■ **पी-20 के सफल आयोजन को लेकर योगदान करने वाले सभी पक्षों के प्रति जताया आभार**

संसद में दूसरे देश के आंतरिक मामलों पर चर्चा नहीं हो सकती : ओम बिरला

सम्मेलन में 436 प्रतिनिधियों ने लिया भाग

बिरला ने कहा कि नई दिल्ली में आयोजित जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ को जी-20 के सदस्य के रूप में शामिल किए जाने के बाद पैन-अफ्रीकी संसद ने पहली बार पी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया। जी-20 और आमंत्रित देशों की संसदों के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों के अलावा 48 संसद सदस्यों ने इस शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस शिखर सम्मेलन में जी-20 और आमंत्रित देशों के कुल 436 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बिरला ने कहा कि सम्मेलन में भारत की पहल पर महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को प्रोत्साहित करने पर सहमति बनी। सम्मेलन में वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय संसदों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व काफी कम होने पर चिंता व्यक्त की गई। इस संदर्भ में सितंबर 2023 में भारत की संसद द्वारा महिला आरक्षण विधेयक 2023 को अंगीकार किए जाने का सभी देशों ने न सिर्फ स्वागत किया बल्कि उसकी भूरि-भूरि प्रशंसा भी की। आतंकवाद तथा उसके कारण मानवता को पहुंच रही पीड़ा के प्रति सभी देश चिंतित नजर आए।

सभी देशों ने जेनोफोबिया, नस्लवाद और असहिष्णुता के अन्य रूपों के आधार पर या धर्म अथवा आस्था के नाम पर आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की तथा विधायी, बजटीय और निरीक्षण कार्यों के आलोक में आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद से निपटने में भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की। पी 20 शिखर सम्मेलन में निम्नलिखित चार विषयों एसडीजी में तेजी लाना, सतत ऊर्जा परावर्तन, लैंगिक समानता से महिलाओं के नेतृत्व में विकास की ओर तथा सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से लोगों के जीवन में परिवर्तन पर चार सत्रों में सार्थक चर्चा और विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

एआई आज के समय की आवश्यकता है : लोस अध्यक्ष

ओम बिरला ने कहा कि एआई आज के समय की आवश्यकता है, लेकिन इसके संदर्भ में चिंताएं भी जताई जा रही हैं। इसको देखते हुए सभी देशों ने उत्तरदायित्वपूर्ण एआई विकास और डेटा सुरक्षा से संबंधित आयामों पर अनिवार्य रूप से ध्यान दिये जाने की आवश्यकता पर बल दिया। विश्व में अवसरों के निर्माण और कौशल को बढ़ाते हुए आमजन के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में भी सभी देशों ने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही मानव तस्करी को रोकने तथा श्रम गतिशीलता और कानूनी प्रवासन तथा गतिशीलता भागीदारी के लिए एक सहयोगी ढांचा विकसित करने के महत्व में विश्वास किया।

मनोज सिन्हा ने पांच परिवारों को सौंपे जमीन के कागजात

जम्मू, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बांदीपोरा जिले में पांच बेघर परिवारों को जमीन के कागजात सौंपे। उपराज्यपाल ने कहा कि बेघर लोगों को घर मुहैया कराने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन को आगे बढ़ा जा रहा है। इस अवसर पर मनोज सिन्हा ने कई सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा भी की।

उन्होंने बांदीपोरा जिले के विभिन्न क्षेत्रों के पीआरआई सदस्यों और स्थानीय लोगों के कई प्रतिनिधिमंडलों के साथ बातचीत की और उनकी शिकायतें सुनीं और उन्हें सरकार की ओर से शीघ्र निवारण का आश्वासन दिया। बनयारी के स्थानीय निवासी अर्शीद अहमद ने कहा कि वे बांदीपोरा प्रशासन और एलजी मनोज सिन्हा के बहुत आभारी हैं कि उन्हें घरों के लिए जमीन के कागजात सौंपे गए हैं।

मप्र में कांग्रेस की 144 प्रत्याशियों की पहली सूची

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी गई। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को छिंदवाड़ा से प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी की इस पहली सूची में 144 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। अधिकतर मौजूदा विधायकों की सीटों को यथावत रखा गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ.गोविंद सिंह को लहार से, पूर्व मंत्री जीतू पटवारी को राऊ, लाखन सिंह यादव को भितरवार, जयवर्धन सिंह को राघौगढ़ और कमलेश्वर पटेल को सिंहावल से प्रत्याशी बनाया गया है। बुधनी विधानसभा सीट से पार्टी ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने पिछले दिनों कांग्रेस में शामिल हुए टीवी अभिनेता विक्रम मस्ताल को चुनावी मैदान में उतारा है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल चुरहट, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह अमरपाटन और डॉ.हिना कांवरे लांजी से प्रत्याशी बनाई गई हैं। पूर्व मंत्री बाला बच्चन राजपुर (अजा) से, लखन घनघोरिया जबलपुर पूर्व (अजजा), तरुण भनोत जबलपुर पश्चिम, ओंकार सिंह मरकाम डिंडोरी (अजा), सुखदेव पांसे मुलताई, प्रियव्रत सिंह खिलचीपुर, हुकुम सिंह कराड़ा शाजापुर, सज्जन सिंह वर्मा सोनकच्छ (अजा), डॉ. विजय लक्ष्मी सिंह साधौ महेश्वर (अजा), सचिन यादव कसारवद, उमंग सिंघार गंधवानी (अजजा) और सुरेंद्र सिंह बघेल कुक्षी (अजजा) से चुनावी मैदान में उतरेंगे। पार्टी ने भोपाल मध्य से मौजूदा विधायक आरिफ मसूद और नरेला से मनोज शुक्ला को प्रत्याशी बनाया है। वहीं इंदौर-एक से संजय शुक्ला, इंदौर-दो से चिंतामणि चौकसे चिंटू और इंदौर-चार से राजा मंधवानी चुनाव लड़ेंगे। चंदेरी से गोपाल सिंह चौहान, मुंगावली से राव यादवेंद्र यादव, सुरखी से नीरज शर्मा, देवरी से हर्ष यादव, नरयवायली (अजा) से सुरेंद्र चौधरी, बंडा से तरवर सिंह लोधी, टीकमगढ़ से यादवेंद्र सिंह, जतारा (अजा) से किरण अहिरवार, पृथ्वीपुर से नितेंद्र सिंह राठौर और खरगापुर से चंदा सिंह गौर को उम्मीदवार घोषित किया गया है। महाराजपुर से नीरज दीक्षित, चंदला (अजा) से हरप्रसाद अनुरागी, राजनगर से विक्रम सिंह नातीराजा, छतरपुर से आलोक चतुर्वेदी, बिजावर से चरण सिंह यादव, मलहरा से साधवी राम सिया भारती, पथरिया से राव ब्रजेंद्र सिंह और जबेरा से प्रताप सिंह लोधी प्रत्याशी होंगे। हटा (अजा) से प्रदीप खटीक, पवई से मुकेश नायक, गुन्नौर (अजा) से जीवन लाल सिद्धार्थ, चित्रकूट से नीलांशु चतुर्वेदी, रैगांव (अजा) से कल्पना वर्मा, सतना से सिद्धार्थ कुशवाह, नागौद से डॉ.रश्मि सिंह पटेल, अमरपाटन से राजेंद्र कुमार सिंह, त्योंथर से रामशंकर सिंह पटेल, मऊगंज से सुखेंद्र सिंह बना, मनगवां (अजा) से बबिता साकेत, गुढ़ से कपिध्वज सिंह, चुरहट से अजय सिंह और सिहावल से कमलेश्वर पटेल उम्मीदवार घोषित हुए हैं। चितरंगी (अजजा) से मानिक सिंह, सिंगरौली से रेणु सिंह, जैतपुर (अजजा) से उमा धुर्वे, अनूपपुर (अजजा) से रमेश सिंह, पुष्पराजगढ़ (अजजा) से फुंदेलाल मार्को, बड़वारा (अजजा) से विजय राघवेंद्र सिंह, पाटन से नीलेश अवस्थी, बरगी से संजय यादव, जबलपुर पूर्व (अजा) से लखन घनघोरिया, जबलपुर उत्तर से विनय सक्सेना और जबलपुर पश्चिम से तरुण भनोत प्रत्याशी रहेंगे। सिहोरा (अजजा) से एकता ठाकुर, शाहपुरा (अजजा) भूपेंद्र मरावी, डिंडोरी (अजजा) से ओंकार सिंह मरकाम, बिछिया (अजजा) से नारायण सिंह पट्टा, बैहर (अजजा) से संजय उइके, लांजी से हिना कांवरे, परसवाड़ा से मधु भगत, बालाघाट से अनुभा मुंजारे, कटंगी से बोध सिंह भगत, बरघाट (अजजा) से अर्जुन सिंह काकोड़िया, सिवनी से आनंद पंजवानी, केवलारी से रजनीश सिंह, लखनादौन (अजजा) से योगेंद्र सिंह बाबा, गोटेगांव (अजा) से शेखर चौधरी, नरसिंहपुर से लखन सिंह पटेल, तेंदूखेड़ा से संजय शर्मा, छिंदवाड़ा से कमलनाथ, मुलताई से सुखदेव पांसे, बैतूल से निलय डागा और घोड़ाडोंगरी (अजजा) से राहुल उइके उम्मीदवार बनाए गए हैं। भैंसदेही (अजजा) से धरमू सिंह सिरसाम, टिमनरी (अजजा) से अभिजीत सिंह, हरदा से रामकिशोर डोगने, उदयपुरा से देवेंद्र पटेल गदरवास, सिलवानी से देवेंद्र पटेल, विदिशा से शशांक भार्गव, गंजबासौदा से निशंक जैन, शमशाबाद से सिंधू विक्रम सिंह, बैरसिया (अजा) से जयश्री हरिकिरण, नरेला से मनोज शुक्ला, भोपाल मध्य से आरिफ मसूद, बुधनी से विक्रम मस्ताल, आष्टा (अजा) से कमल चौहान, सीहोर से शशांक सक्सेना, राजगढ़ से बापू सिंह तंवर, खिलचीपुर से प्रियव्रत सिंह, सुसनेर से भेरू सिंह बापू और आगर (अजा) से विपिन बानखेड़े प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। शाजापुर से हुकुम सिंह कराड़ा, कालापीपल से कुनाल चौधरी, सोनकच्छ (अजा) सज्जन सिंह वर्मा, हाटपिपल्या से राजवीर सिंह बघेल, मांधाता से उत्तम पाल सिंह, पंधाना (अजजा) से रूपाली बरे, भिकनगांव (अजजा) से झूमा सोलंकी, दतिया से अवधेश नायक, मुंगावली से राव यादवेंद्र सिंह, कटंगी से पूर्व बीजेपी सांसद बोध सिंह भगत और सुरखी से नीरज शर्मा। बड़वाह से नरेंद्र पटेल और महेश्वर (अजा) से डॉ.विजय लक्ष्मी साधौ, कसरावद से सचिन यादव और खरगोन से रवि जोशी प्रत्याशी हैं। भगवानपुरा (अजजा) से केदार डावर, राजपुर (अजजा) से बाला बच्चन, बड़वानी (अजजा) से राजन मंडलोई, अलीराजपुर (अजजा) से मुकेश पटेल, जोबट (अजजा) से सेना पटेल, झाबुआ (अजजा) से डॉ.विक्रांत भूरिया, थांदला (अजजा) से वीर सिंह भूरिया, पेटलावद (अजजा) वाल सिंह मेड़ा, सरदारपुर (अजजा) प्रताप ग्रेवाल, गंधवानी (अजजा) से उमंग सिंघार, कुक्षी (अजजा) सुरेंद्र सिंह बघेल, धरमपुरी (अजजा) पांचीलाल मेड़ा, देपालपुर (अजजा) से विशाल पटेल और इंदौर एक से संजय शुक्ला प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। इसके अलावा इंदौर दो से चिंतामणि चौकसे चिंटू, इंदौर चार से राजा मंधवानी, राऊ से जीतू पटवारी, सांवेर (अजा) से रीना बौरासी, नागदा से दिलीप सिंह गुर्जर, महिदपुर दिनेश जैन बॉस, तराना (अजा) महेश परमार, घट्टिया (अजा) से रामलाल मालवीय, उज्जैन उत्तर से माया राजेश त्रिवेदी, सैलाना (अजजा) से हर्ष विजय गेहलोत, आलोट (अजा) मनोज चावला, मंदसौर से विपिन जैन, सुवासरा से राकेश पाटीदार और मनासा से नरेंद्र नाहटा को चुनावी रण में उतारने का फैसला लिया गया है।

सार संक्षेप

मोदी ने महाराष्ट्र में हुई दुर्घटना पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में हुई दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने इस हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए मुआवजे की भी घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के निकट संबंधी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की है।

बिहार के कैमूर में वैन पलटी, 25 लोग घायल

पटना। बिहार के कैमूर जिले में रविवार को एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 25 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल हुए लोग अधौरा थाना क्षेत्र के गांव गमकलां के निवासी हैं। ये सभी शारदीय नवरात्रि के पहले दिन मां मुंडेश्वरी देवी मंदिर में पूजा करने जा रहे थे। यह हादसा कैमूर जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के हनुमान घाट पर हुआ। सभी घायलों को भगवानपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। उनमें से 15 को भभुआ के सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया, क्योंकि उन्हें गंभीर चोटें आई थीं और उनकी स्थिति गंभीर थी। घायल व्यक्तियों ने दावा किया कि वैन चालक वाहन को तेज गति से चला रहा था। इस दौरान वह वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और वैन पलट गई।

नीतीश ने अर्जुन मंडल के निधन पर जताया शोक

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व मंत्री एवं जमुई के पूर्व विधायक अर्जुन मंडल के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। कुमार ने अपने शोक संदेश में कहा है कि वह एक कुशल राजनेता एवं समाजसेवी थे। उन्होंने बिहार सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया था। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

तमिलनाडु में 15.21 करोड़ का सोना जब्त

चेन्नई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने इस सप्ताह तमिलनाडु के चेन्नई और त्रिची में चलाए गए तीन अलग-अलग अभियानों में, 15.21 करोड़ मूल्य का 25 किलोग्राम तस्करी का सोना और 56.3 लाख रुपए मूल्य की भारतीय मुद्रा जब्त कीं। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक डीआरआई के अधिकारियों को विशिष्ट खुफिया जानकारी प्राप्त हुई थी कि श्रीलंका से सोने की तस्करी की गई थी और इसे नागपट्टिनम जिले के तटीय क्षेत्र से होते हुए एक कार में चेन्नई ले जाया जा रहा था।

सिक्किम बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास पर श्वेत पत्र जारी करे सरकार : सीएपी

गंगटोक, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिटीजन एक्शन पार्टी (सीएपी) ने इस महीने की शुरुआत में सिक्किम में आई बाढ़ के बाद पुनर्वास कार्य की स्थिति पर 'श्वेत पत्र' जारी करने की मांग की है। सीएपी के संस्थापक सह मुख्य समन्वयक गणेश राय के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। प्रतिकूल परिस्थितियों पर पार्टी की तथ्यान्वेषी समिति की प्रारंभिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए, सीएपी नेताओं ने राज्य सरकार की ओर से बाढ़ पीड़ितों के लिए किए गए पुनर्वास कार्यों पर एक श्वेत पत्र लाने के लिए दबाव डाला। सीएपी कार्यकर्ताओं ने पुनर्वास व्यवस्था को लेकर सरकार के समक्ष कई ज्वलंत सवाल उठाया है। उन्होंने शिकायत की कि राज्य की सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा सरकार ने हर कदम पर गलती की है। सीएपी के कार्यकारी अध्यक्ष डीबी चौहान ने कहा कि हम तब तक अपनी आवाज उठाते रहेंगे जब तक कि सभी प्रभावित लोगों का पुनर्वास नहीं हो जाता। हम हाल की बाढ़ पर श्वेत पत्र जारी करने, नुकसान का आकलन शीघ्र करने और मुआवजा देने की मांग करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने गत शनिवार को डिक्चु तथा फिदांग का दौरा किया और पीड़ितों की शिकायतें सुनीं।

महिला अपराधों के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे ऊपर : अखिलेश यादव

लखनऊ, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इस सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। महिलाओं और बच्चियों के साथ अपराधिक घटनाएं रुकनें का नाम नहीं ले रही है।

तमाम आंकड़ों में उत्तर प्रदेश महिला अपराधों के मामले में सबसे ऊपर है लेकिन सरकार जमींनी सच्चाई न जानने और न मानने को तैयार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री झूठे आंकड़ों में अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। हर दिन प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के साथ दुराचार, हत्या और छे पिछले दिनों अमरोहा इलाज कराने गई महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई। मैनपुरी में स्कूटी से जा रही महिला पर चाकू से हमला हुआ। भाजपा सरकार प्रदेश में अपराधों को रोक पाने में विफल है। भाजपा का कानून व्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस का दावा झूठ और कोरी लफ्फाजी है। वहीं दूसरी ओर अखिलेश यादव ने शारदीय नवरात्र पर्व पर सभी को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अपने बधाई संदेश में कहा कि यह पर्व सबको नवशक्ति, नव संकल्प से परिपूर्ण करे और सबके जीवन को मंगलमय बनाये। यही कामना, शुभकामना है।

■ **प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल**

भाजपा नेताओं के इशारे पर कार्य कर रही पुलिस

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस भाजपा नेताओं के इशारे पर कार्य कर रही है। आम जनता और गरीबों को न्याय नहीं मिल रहा है। जनता भाजपा के कुशासन से कराह रही है। राज्य की जनता भाजपा सरकार से बुरी तरह उकता गई है। भाजपा सरकार में पुलिस-प्रशासन कानून व्यवस्था ठीक करने के बजाय विरोधियों को झूठे मामलों में फंसाने और भ्रष्टाचार में संलिप्त है।

बीआरएस का चुनाव घोषणा पत्र जारी

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने रविवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बीआरएस पार्टी का चुनाव घोषणा पत्र जारी किया जिसमें किसानों, महिलाओं और गरीब आबादी के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बीआरएस पार्टी के घोषणापत्र में वादा किया कि बीआरएस के सत्ता में आने पर किसानों के लिए रायथु बंधु योजना की वर्तमान राशि दस हजार रुपए प्रति एकड़ को बढ़ाकर बारह हजार और पांचवें वर्ष तक सोलह हजार रूपए किया जाएगा। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि तेलंगाना के गठन के दौरान सामने आई परिस्थितियों को गहराई से समझने के बाद अच्छी नीतियां बनाई गई है। बजट को करीब तीन लाख करोड़ तक ले जाया गया है। जीएसडीपी ढाई गुना बढ़ी है। प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। कल्याण के लिए विकास को प्राथमिकता दी गई है। कल्याण और पूंजीगत व्यय के मामले में तेलंगाना देश के लिए एक मॉडल बन गया है। तेलंगाना में सर्वोत्तम आर्थिक नीति, सर्वोत्तम विद्युत नीति, सर्वोत्तम पेयजल नीति, सर्वोत्तम सिंचाई नीति, सर्वोत्तम कृषि नीति, सर्वोत्तम दलित नीति, सर्वोत्तम कल्याण नीति, सर्वोत्तम शिक्षा नीति, सर्वोत्तम स्वास्थ्य नीति, सर्वोत्तम औद्योगिक नीति, सर्वोत्तम आवास नीति सफलतापूर्वक लागू की जा रही है। ये सभी नीतियां यथावत जारी रहेंगी। समय-समय पर इन नीतियों का प्रोत्साहन एवं संवर्धन किया जाएगा। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि आज बीआरएस अपने 2023 चुनाव घोषणापत्र के रूप में कुछ नए वादों की घोषणा कर रहा है। इसमें सभी के लिए चावल योजना शामिल है।

■ **केसीआर ने किसानों, महिलाओं व गरीबों पर दिया जोर**

एलआईसी को मजबूत करने में योगदान देने का वादा

हम राज्य में हर गरीब परिवार को रायथु बीमा की तर्ज पर एलआईसी के माध्यम से 5 लाख रुपए का जीवन बीमा प्रदान करेंगे। इस बीमा का शत प्रतिशत प्रीमियम सरकार भरेगी। गरीबों का भरपूर भला करके हम सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था एलआईसी को मजबूत करने में योगदान देंगे।

बंगाल विस का एक दिन का विशेष सत्र आज

कोलकाता, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य में मंत्रियों और विधायकों के वेतन बढ़ाने के बारे में दो महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित करने के लिए सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है। पहला विधेयक बंगाल विधानसभा (सदस्यों की परिलब्धियां) और दूसरा पश्चिम बंगाल वेतन और मजदूरी पर है। इसे विशेष सत्र के दौरान सोमवार दोपहर 12 बजे सत्ता पक्ष द्वारा पेश किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में सोमवार सुबह 11 बजे कार्य सलाहकार समिति की बैठक होगी जिसमें विधेयक पर चर्चा का समय तय किया जाएगा। पश्चिम बंगाल विस में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी पहले ही कह चुके हैं कि भाजपा विधायक विशेष सत्र में भाग नहीं लेंगे क्योंकि वे मंत्रियों और विधायकों के बढ़े हुए वेतन के खिलाफ हैं। बीमारी के कारण एक महीने से घर पर स्वास्थ्य लाभ कर रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी संभवत: बैठक में शामिल नहीं हो सकेंगी। विशेष सत्र ऐसे दिन बुलाई गई है जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कोलकाता में एक लोकप्रिय सामुदायिक दुर्गा पूजा का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस साल 7 सितम्बर को कैबिनेट मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और विधायकों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी की घोषणा की थी।

मांग *सिद्धारमैया ने केंद्र सरकार से मांगे 4860 करोड़*

कर्नाटक में सूखाग्रस्त किसानों को 30 हजार करोड़ का नुकसान

मैसूर,15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि इस साल किसानों पर सूखे की भयानक मार पड़ी है। उन्होंने कहा कि राज्य के सूखा प्रभावित इलाकों के किसानों को लगभग 30 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। रविवार को सिद्धारमैया ने कहा कि 42 लाख हेक्टेयर में लगी किसानों की फसल बर्बाद हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कर्नाटक के 236 तालुका में 216 को सूखा ग्रस्त घोषित कर चुकी है। किसानों की परेशानी देखते हुए सीएम सिद्धारमैया ने केंद्र सरकार से भी आर्थिक मदद की गुहार लगाई है।

कर्नाटक के ऐतिहासिक आयोजन-मैसूर के दशहरा महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बात करते हुए सिद्धारमैया ने बताया कि उन्होंने केंद्र सरकार से 4860 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड के नियमों के मुताबिक कर्नाटक सरकार ने केंद्र सरकार से आर्थिक मदद मांगी है।

■ **केंद्र से एनडीआरएफ के नियमों के तहत आर्थिक मदद की अपील**

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बताया कि कर्नाटक सरकार ने सूखे की समस्या की गंभीरता को देखते हुए पहले 195 तालुका को सूखाग्रस्त घोषित किया था। उन्होंने कहा कि सूखे का संकट और बढ़ने के बाद कैबिनेट की सब-कमेटी ने 21 और तालुका को सूखाग्रस्त घोषित किया।

इस तरह सरकार ने राज्य के कुल 216 तालुका को सूखाग्रस्त घोषित कर दिया है। किसानों की मदद के लिए कांग्रेस सरकार की नीति बताते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों की मदद के लिए इनपुट सब्सिडी देने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को पेयजल, चारा, मवेशियों के लिए पानी, रोजगार और अन्य राहत उपायों के लिए इनपुट सब्सिडी प्रदान करेगी। इस साल सूखे की मार इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि हरित सूखा देखा जा रहा है। इसका मतलब ये हुआ कि रोपाई के बाद किसानों की फसलें तो उगी हैं लेकिन पैदावार नहीं हुई है। देश में इस साल मॉनसून की बेरुखी ने किसानों के सपने को तोड़ दिया है। किसान इस बेरुखी के बीच अपनी फसल को बचाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। यह संकट इस साल कम बारिश की वजह से बढ़ा है। देश के कई राज्यों में सूखे जैसे हालात हो गए हैं। वहीं इस बार मॉनसून में कम हुई बारिश से सबसे अधिक किसी राज्य को परेशानी हुई है, तो उसमें कर्नाटक भी एक है। पिछले महीने के आंकड़ों में यहां 195 तालुकों को सूखा प्रभावित घोषित किया गया था। वहीं पिछले एक सप्ताह में किए गए फसल सर्वेक्षण की रिपोर्ट के आधार पर शुक्रवार को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर 22 और तालुकों को सूखा प्रभावित घोषित किया। नए आंकड़ों के मुताबिक, 22 सूखाग्रस्त तालुका में 11 तालुकों की पहचान गंभीर सूखे का सामना करने वाले के रूप में की गई है।

इसके साथ ही राज्य के कुल 236 तालुकों में से कुल 216 तालुकों को सूखा प्रभावित घोषित किया गया है।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

पति : तुम्हारे पापा मानते क्यों नहीं ? जले पर नमक छिड़कने की आदत गई नहीं अब तक उनकी।
पत्नी : क्यों क्या हुआ ?
पति : आज फिर से पूछ रहे थे कि मेरी बेटी से शादी करके खुश तो हो न ?

राजधानी के गांव वासियों को नहीं बनने देंगे शरणार्थी : कांग्रेस

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। देश की राजधानी दिल्ली के गांव वासियों को शरणार्थी नहीं बनने देंगे। अगर, इसने हाउस टैक्स लगाने के आदेश वापिस हुआ तो कांग्रेस आंदोलन करेगी। यह कहना है कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली का। दरअसल, रविवार को दिल्ली कांग्रेस ने केंद्र की

- केंद्र की भाजपा सरकार पर लगाया जनविरोधी नीतियां अपनाने का आरोप
- दिल्ली में नफरत की दुकान बंद करके मोहब्बत की दुकान को प्रसारित करने की प्रतिज्ञा ली

भाजपा सरकार पर जनविरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए दिल्ली के सातों सांसदों द्वारा जनता की उपेक्षा करने के खिलाफ जंग की शुरुआत कर दी। अरविन्दर सिंह लवली के नेतृत्व में उत्तरी पश्चिमी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के बवाना में जवाब दो-हिसाब दो अभियान के प्रथम चरण में आयोजित प्रतिज्ञा रैली में हजारों नागरिकों व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सभी सातों सीटों पर भाजपा को हराने व दिल्ली में नफरत की दुकान बंद करके मोहब्बत की दुकान को प्रसारित करने की प्रतिज्ञा ली। रैली की अध्यक्षता किराड़ी जिला कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व

गृह कर लगाने के आदेश वापस हो, वरना होगा आंदोलन : अरविंदर सिंह लवली

विधायक सुरेन्द्र कुमार कर रहे थे व रोहिणी जिला अध्यक्ष विशाल मान भी उनके साथ मौजूद थे। प्रतिज्ञा रैली में पहुंचने से पहले अरविन्दर सिंह लवली का रिंग रोड के ब्रिटानिया चौक से सैंकड़ो कार्यकर्ताओं द्वारा न केवल स्वागत किया गया बल्कि वहां से दोनों नेता एक जूलूस के रुप में सैंकड़ों गाड़ियों के काफिले में जैसे ही मधुबन चौक पहुंचे, भारी संख्या में स्थानीय नागरिकों, कांग्रेस कायकर्ताओं व दुकानदारों ने उन्हें फूलमालाओं से लाध दिया। सैंकड़ों गाड़ियों के काफिले में रिठाला मेट्रो स्टेशन होते हुए जब यह जूलूस बवाना पहुंचा तो 15 किलोमीटर का पूरा रास्ता कांग्रेसमय हो गया था। रैली को अरविन्दर

गांवों में हाउस टैक्स लगाना नियमों के खिलाफ

कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष लवली ने प्रतिज्ञा रैली में हजारों लोगों की उत्साही भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार व दिल्ली सरकार ने दिल्ली के 365 गांवों के लोगों को, जिन्होंने दिल्ली बसाई है उन्हें आज शरणार्थी बना दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के गांवों में हाउस टैक्स लगाना गांव वालों पर न केवल जुर्म है बल्कि यह नियमों के भी खिलाफ है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि आज किसान रिवेन्यू रिकॉर्ड में अपनी ही जमीन का मालिक नहीं है।

सिंह लवली के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री कृष्णा तीरथ, हारुन यूसूफ, पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक कांग्रेस के नेता सर्वश्री रमेश कुमार, डॉ. उदित राज, राजकुमार चौहान, मंगतराम सिंघल, डॉ. नरेन्द्र नाथ, देवेन्द्र यादव, राजेश लिलौठिया, जय किशन, चरण सिंह कंडेरा, जसवंत राणा, सुरेन्द्र कुमार, चौ. मतीन अहमद, नीरज बसौया, भीष्म शर्मा, अनिल भारद्वाज, कुंवर करण सिंह, दर्शना रामकुमार, जगप्रवेश कुमार व कमल कांत शर्मा ने संबोधित किया।

दीपावली से पहले घुटने लगा दिल्ली का दम

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। राजधानी में मौसम के बदलने के साथ ही कुछ इलाकों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलने व अन्य वजहों से प्रदूषण स्तर बढ़ने लगा है। रविवार को डीटीयू, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 414 दर्ज किया गया, जोकि खतरनाक श्रेणी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक मुंडका में सूचकांक 395 रहा, जोकि बेहद खराब श्रेणी है। यह शनिवार के मुकाबले पांच सूचकांक अधिक है। एनएसआईटी द्वारका में 317, वजीरपुर 310 व आनंद विहार में 335 एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) का पहले चरण की बंदिशें लागू हैं। वायु प्रदूषण का संकट धीरे-धीरे गहराता जा रहा है। ऐसे में अगर दिल्ली का एक्यूआई 300 के पार जाता है तो दिल्ली में ग्रेप के चरण दो के नियम लागू हो सकते है।

चार दिन से लगातार हवा खराब श्रेणी में दर्ज की जा रही है। रविवार को दिल्ली का समग्र रूप से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 233 दर्ज किया गया। सुबह से ही धीरे-धीरे हवा और खराब हो रही थी। सुबह 11 बजे का एक्यूआई 228 दर्ज किया गया, वहीं दोपहर तीन बजे सूचकांक 231 मापा गया। शनिवार के मुकाबले इसमें कमी जरूर आई है, लेकिन लोगों को प्रदूषित हवा से राहत नहीं मिली है। शनिवार को दिल्ली का एक्यूआई 257 दर्ज किया गया था।

संजय सिंह से पूछताछ का रवैया हास्यप्रद : रीना गुप्ता

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी ने सांसद संजय सिंह को रिमांड में लेकर ईडी द्वारा पूछे गए सवालों पर प्रश्न उठाया है। आप की वरिष्ठ नेता रीना गुप्ता ने कहा कि ईडी ने संजय सिंह को आठ दिन रिमांड में रखा, लेकिन उनसे केवल तीन घंटे ही पूछताछ की। इससे भी बड़ा हास्यप्रद ये है कि ईडी ने उनसे अधिकतर गैर जरूरी प्रश्न किए। मसलन, ईडी ने पूछा कि आपने अपने माता-पिता से पैसे क्यों लिए। अगर ईडी को यही प्रश्न पूछने थे, तो उनको समन करके बुलाना चाहिए था, लेकिन ईडी अपने आलाकमान के इशारों पर नाच रही है। उन्होंने कहा कि 15 महीने से चल रही तथाकथित शराब घोटाले की जांच में संजय सिंह का नाम कभी नहीं आया, लेकिन ईडी ने अचानक उनके घर छापेमारी उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, संजय सिंह ने संसद के अंदर और बाहर अडानी-मोदी भ्रष्टाचार को मजबूती से उठाते रहे हैं। इसलिए उन्हें गिरफ्तार किया गया। लेकिन हम सब अरविंद केजरीवाल स्कूल ऑफ पॉलिटिक्स की सिपाही हैं। ईडी क्या, कोई माई का लाल हमें नहीं डरा सकता। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता रीना गुप्ता ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कहा कि मोदी सरकार में ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स और पुलिस समेत सभी जांच एजेंसियों का इस्तेमाल केवल विपक्ष के नेताओं को प्रताड़ित करने के लिए हो रहा है। ईडी का नाम बदल कर इंटरटेनमेंट डिपार्टमेंट रख देना चाहिए। पिछले 15 महीने से तथाकथित शराब घोटाले की जांच चल रही है। हजार जगह छापेमारी हुई और सैकड़ों लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन कहीं पर भी सांसद संजय सिंह का नाम नहीं आया था और ईडी ने कभी पूछताछ के लिए भी उन्हें नहीं बुलाया। संजय सिंह सांसद हैं। एक सांसद को पूछताछ के लिए समन भेजकर बुलाना चाहिए। चूंकि कोई घोटाला नहीं हुआ है। इसलिए इन 15 महीनों में संजय सिंह को नहीं बुलाया गया। अचानक उनके घर पर रेड हुई और पूरे दिन चली। रेड में एक नया पैसा नहीं मिला। फिर भी संजय सिंह को गिरफ्तार किया गया। रीना गुप्ता ने कहा कि सांसद संजय सिंह 8 दिन ईडी की रिमांड में रहे। जब कोर्ट में उनको पेश किया गया तब ईडी ने कहा कि उसको रिमांड इसलिए चाहिए क्योंकि संजय सिंह का सामना कुछ लोगों से कराया जाएगा।

संजय को रिमांड में लेकर ईडी द्वारा पूछे गए सवालों पर उठाया प्रश्न

सार संक्षेप

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने राजौरी गार्डन में खोला नया शोरूम

नई दिल्ली। सोने और हीरे की देश की सबसे बड़े रिटेल नेटवर्क में से एक मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने नई दिल्ली के राजौरी गार्डन में अपना नया शोरूम खोला है। यह शोरूम जेड-1 सी मेट्रो पिलर नंबर 418 के पास स्थित है। इस आलीशान शोरूम के साथ दिल्ली-एनसीआर में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के शोरूम की संख्या 11 हो गई है और इस तरह इनकी रिटेल उपस्थिति दिल्ली एनसीआर में मजबूत हुई है। मुख्य अतिथि धनवती चंदेला विधायक, राजौरी गार्डन ने मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के प्रबंधन के प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति में शोरूम का उद्घाटन किया। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा कि हम राजौरी गार्डन में अपना नया शोरूम लॉन्च कर उत्साहित हैं। यह शोरूम समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और विरासत वाले शहर के साथ हमारे जुड़ाव को और मजबूत करता है।यह नया स्टोर दिल्ली में आभूषण खरीदारों को गुणवत्ता और मूल्य के मामले में बेजोड़ पारदर्शिता मुहैया कराने के हमारे प्रयासों के बारे में बताता है। हम आभूषण खरीदारी के असाधारण अनुभव के लिए राजौरी गार्डन के हमारे नए शोरूम में सभी का स्वागत करते हैं। राजौरी गार्डन शोरूम 8975 वर्ग फुट में है।

विजयभूमि यूनिवर्सिटी द्वारा दीक्षांत समारोह का आयोजन

नई दिल्ली। भारत की पहली लिबरल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी विजयभूमि यूनिवर्सिटी ने अपने कैम्पस में तीसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। संगीतकार, कम्पोजर शुभा मुद्गल इस आयोजन की मुख्य अतिथि और एएसके एसेट एण्ड वेल्थ मैनेजमेंट ग्रुप के सीईओ एवं एमडी सुनील रोहोकाले सम्मानित अतिथि थे। विजयभूमि यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट संजय पडोडे और विजयभूमि यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर डॉ. आतिश चट्टोपाध्याय ने अन्य पदाधिकारियों, वरिष्ठ शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा अभिभावकों भी थे। ग्रेजुएटिंग बैचेस में जगदीश शेठ स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से बीबीए और एमबीए के विद्यार्थी तथा ट्रू स्कूल ऑफ म्यूजिक से बी. म्यूजिक के विद्यार्थी शामिल थे। ग्रेजुएट्स को सम्बोधित करते हुए, संजय पडोडे ने कहा, मैं सभी ग्रेजुएट्स को शानदार बधाई हूं और मुझे गर्व है कि आप सभी ने अपने शैक्षणिक वर्षों में पूरा प्रयास से यह स्तर पाया है। रोजगार की योग्यता पर बताते हुए संजय पडोडे ने कहा जो मैं जानता हूं कि आप जब तक स्वयं को समाज के लिए उपयोगी रख सकते हैं,तब तक आप हमेशा रोजगार के योग्य रहेंगे।

डेंगू मरीजों की बढ़ रही संख्या

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। स्थिति यह है कि क्षेत्र के सबसे बड़े गुरु तेग बहादुर अस्पताल में डेंगू के लिए बनाए गए 36 बेड के विशेष वार्ड का विस्तार करना पड गया। अस्पताल में इस समय डेंगू के 50 मरीज भर्ती हैं, जिन्हें डेंगू के अलावा दूसरे वार्ड में भी भर्ती करना पड़ा। डॉक्टरों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इनमें से कई मरीज तीन से चार दिन में ठीक होकर चले जाते हैं, जबकि कई मरीज ऐसे हैं, जिन्हें आईसीयू में भर्ती करना पड़ता है। अब भी पांच से छह मरीज ऐसे हैं, जिन्हें आईसीयू में भर्ती करना पड़ा। अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि पिछले एक माह से डेंगू के मामले तेजी से बढ़े हैं। इनमें ऐसे मरीजों में समस्या बढ़ जाती है तो अचानक सदमे में चले जाते हैं। अस्पताल में इस मौसम में डेंगू से मौत भी हो चुकी हैं।

सेवानिवृत्त न्यायाधीश पूनम ए बंबा बनी पीसीए अध्यक्ष

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वी के सक्सेना ने पुलिस

- पुलिस कर्मियों के खिलाफ गंभीर कदाचार कृत्यों की करेगी सुनवाई

शिकायत प्राधिकरण (पीसीए) के अध्यक्ष के रूप में न्यायाधीश पूनम ए बंबा की नियुक्ति को मंजूरी दी। दिल्ली उच्च न्यायालय से सेवानिवृत्त न्यायाधीश दिल्ली पुलिस से संबंधित शिकायतों का निपटान करेगी। इसमें पुलिस कर्मियों के खिलाफ गंभीर कदाचार के कृत्यों को शामिल किया जाएगा। वह शिकायतों के निपटान के लिए स्वत: संज्ञान भी ले सकती हैं। इसके अलावा पीड़ित या उसकी ओर से कोई भी व्यक्ति शपथ पत्र देकर शिकायत कर सकता है। साथ

ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, उपराज्यपाल, मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव (गृह) के माध्यम से भी शिकायत आ सकती है। इसमें किसी भी गुमनाम और छद्म नाम की शिकायत पर विचार नहीं किया जाएगा। न्यायमूर्ति बंबा का नाम दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर पीसीए के अध्यक्ष के रूप में भेजा गया था। वह न्यायमूर्ति पी एस तेजी (सेवानिवृत्त) से पीसीए के अध्यक्ष का पद संभालेंगी। पीसीए का अध्यक्ष तीन सदस्यों वाला अध्यक्ष होता है, जिनमें

इन मामलों पर होगी सुनवाई

पुलिस हिरासत में मौत, पुलिस हिरासत में गंभीर चोट, पुलिस हिरासत में बलात्कार या बलात्कार का प्रयास, कानूनी प्रक्रिया के बिना गिरफ्तारी या हिरासत में रखना, जबरन वसूली या भूमि-घर पर कब्जा करना, प्राधिकरण के गंभीर दुरुपयोग से जुड़ी कोई अन्य घटना शामिल हैं।

से एक महिला होनी चाहिए और यदि किसी महिला को अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जाता है, तो एक महिला सदस्य होना अनिवार्य नहीं होगा। बता दें कि पीसीए का गठन 29 जनवरी, 2018 को उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर और गृह मंत्रालय के दिशा निर्देशों पर किया गया था।

- नई दिल्ली स्थित जेएलएन स्टेडियम में वेदांत दिल्ली हॉफ मैराथन के दौरान प्रतिभागी।

फोटो इम्तियाज खान

राजधानी में खुला एलांटिस एस्थेटिक्स क्लीनिक

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। एस्थेटिक प्रोसीजर के क्षेत्र में भरोसेमंद नाम एलांटिस एस्थेटिक्स ने नई दिल्ली में अपने नए क्लीनिक की शुरुआत की है। रिद्धिमा कपूर साहनी ने लाजपत नगर में इस क्लीनिक का उद्घाटन किया। यह क्लीनिक एलांटिस हेल्थकेयर सेट-अप का हिस्सा है। डर्मेटोलॉजी, वेनरोलॉजी और हेयर ट्रांसप्लांट में एमबीबीएस एवं एमडी (गोल्ड मेडलिस्ट) डॉ. चांदनी जैन गुप्ता द्वारा संचालित इस क्लीनिक में स्किन इंजेक्टेबल्स, फैट लॉस ट्रीटमेंट, इंटीमेट हेल्थ, कॉस्मेटिक गायनेकोलॉजी, लेजर हेयर रिडक्शन और प्लास्टिक सर्जरी जैसी कई सर्विसेज मिलेंगी। एक कहावत है ए स्टिच इन टाइम कैन सेव नाइन यानी वक्त पर एक टांका, बेवक्त के सौ टांकों से बढ़कर है। यह बात हमारे रूप-रंग पर भी लागू होती है। चेहरे पर झुर्रियों के बढ़ जाने का इंतजार करने से बेहतर है कि हम वक्त रहते अपनी त्वचा की सेहत का ध्यान रखें। एलांटिस एस्थेटिक्स क्लीनिक इसमें मददगार हो सकता है। यहां फाइन गोल्ड नीडल्स से स्किन इंजेक्टेबल्स दिए जाते हैं, कूलस्कल्प्टिंग और लिंफेटिक ड्रेनेज जैसी फैटलॉस तकनीक का प्रयोग किया जाता है।

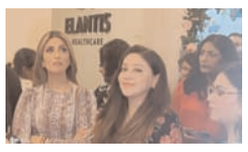

- रिद्धिमा कपूर साहनी ने लाजपत नगर में किया आउटलेट का उद्घाटन

सुरक्षित रेल सेवाएं प्रदान करना प्राथमिकता : शुभन

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शुभन चौधुरी ने बताया कि रेल यात्रियों को बेहतर तथा सुरक्षित रेल सेवाएं प्रदान करना रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता रहा है

- निर्धारित समय-सीमा से पहले पूर्ण किया वाराणसी यार्ड रीमॉडलिंग का कार्य
- दो नए प्लेटफॉर्म और आठ प्लेटफोर्मों की लंबाई में वृद्धि होने से मिलेगी परिचालन में गति

द्य इसी क्रम में बहुप्रतीक्षित वाराणसी यार्ड रीमॉडलिंग का कार्य रविवार को संपन्न कर लिया गया। उल्लेखनीय है कि इस कार्य को पूर्ण करने हेतु 70 दिन का लक्ष्य निर्धारित था परन्तु रेलवे की योजनाबद्ध रणनीति एवं कठिन परिश्रम से यह कार्य एक सितम्बर मध्य रात्रि से दिनांक 15 अक्टूबर तक मात्र 45 दिनों के भीतर करने का प्रण किया गया और अथक प्रयासों से यह कार्य रविवार दोपहर को निर्धारित समय सीमा से पूर्व ही संपन्न हो गया। इस कार्य के

अन्तर्गत एक विशाल 663 रूट इलेक्ट्रोनिक इंटरलॉकिंग की स्थापना जिसमें 283 सिग्नल, 214 प्वाइंट के साथ 6 दिशाओं में ब्लॉक वर्किंग शामिल है, जिसमें 158 नए टर्नआउट वाले यार्ड में संशोधन और लगभग 38 किमी के रूट इंटरलॉकिंग के साथ ट्रैक लिंकिंग को उत्तर रेलवे के विभिन्न विभागों के अथक परिश्रम,योजना और समन्वय के बाद प्रारंभ किया गया है। इसमें 38 किमी से अधिक का नया ट्रैक बिछाना शामिल था। वाराणसी सिटी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन की ओर से सभी प्लेटफार्मों (1 से 9) की कनेक्टिविटी। वाराणसी जंक्शन और वाराणसी सिटी के बीच में दोहरीकरण का कार्य पूर्ण किया गया। वाराणसी जं पर दो अतिरिक्त पूर्ण लंबाई वाले यात्री प्लेटफार्म (10 और 11) और तीसरे प्रवेश द्वार का प्रावधान।

रूट इंटरलॉकिंग सिस्टम से रेल परिचालन सुगम होगा

वाराणसी जं के यार्ड री-मॉडलिंग के पूर्ण होने से यात्री एवं मालगाड़ियों का आवागमन सुगम होगा। इस कार्य के अंतर्गत वाराणसी जं पर होने वाले संरचनात्मक कार्यों एवं यात्री सुविधाओं का विवरण निम्न है। वाराणसी यार्ड में लूप की लंबाई और प्लेटफॉर्म की लंबाई में वृद्धि। प्लेटफार्म संख्या 1 से 4 तक की लाइनों का पूर्वोतर रेलवे के बनारस स्टेशन, प्लेटफार्म संख्या 1 से 5 तक की लाइनों का लोहता स्टेशन एवं प्लेटफार्म संख्या 6 से 9 तक की लाइनों का शिवपुर स्टेशन से सीधा जुड़ाव होगा जिससे आवागमन सुगम होगा।

उपलब्धि *भारतीय छात्रा श्रीजा पॉल के हाथ ली उपलब्धि*

वैश्विक कोरियाई भाषी प्रतियोगिता में की जीत हासिल

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। सेजोंग हाकडांग फाउंडेशन ने सियोल, दक्षिण कोरिया में संस्कृति, खेल और पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से 2023 सेजोंग हाकडांग आउटस्टैंडिंग लर्नर्स इंविटेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 67 देशों से 2477 प्रतिभागियों ने हिस्सा, जिनमे 168 प्रतिभागी कोरिया में आमंत्रित हुए और केवल 10 प्रतिभागी अंतिम चरण में पहुंच सके। गत दिनों समापन समारोह में ह्यंगुल दिवस भी मनाया गया।कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत की छात्रा श्रीजा पॉल ने प्रतियोगिता में जीत हासिल की। 2021 में अनुभूति काकाती के बाद श्रीजा यह पुरस्कार जीतने वाली वह दूसरी भारतीय छात्रा हैं।

प्रतियोगिता का विषय कोरियाई में मेरे सपने और चुनौतियां था और श्रीजा पॉल ने कोरिया में गायक बनने के लिए एक सपने का पीछा करना और चुनौतियों पर काबू पाना विषय पर बोला। श्रीजा पॉल ने के-पॉप की रुझान से प्रेरित होकर कोरियाई भाषा सीखना शुरू किया।

सृजा पॉल ने कहा कि इस जीत ने मुझे अपने लक्ष्य के एक कदम करीब लाया, अगले वर्ष कोरिया में भाषा अध्ययन कार्यक्रम के अवसर को लेकर विशेष रूप से उत्साहित हूं। भाषण प्रतियोगिता के अलावा,

- 2021 में अनुभूति काकाती के बाद श्रीजा यह पुरस्कार जीतने वाली दूसरी भारतीय छात्रा

प्रतिभागियों ने अपने 6-दिन, 7-रात के प्रवास के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया, जिसमें ग्योंगबोकगंग पैलेस और योंगिन फोक विलेज का दौरा, नामसदांग में एक पारंपरिक खेल प्रदर्शन और यहां तक कि ब्लू हाउस का दौरा भी शामिल था। के-पॉप नृत्य जैसी समकालीन कोरियाई संस्कृति का अनुभव करने के साथ।

वर्तमान में, कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत कोरियाई भाषा, ताइक्वांडो और पारंपरिक कोरियाई ताल संगीत, सैमुलनोरी सहित विविध प्रकार की कक्षाएं प्रदान करता है। 2023 के तीसरे सेमेस्टर में, सेजोंग हकडांग 18 ऑफ लाइन और 4 ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें 1,000 से अधिक छात्रों का नामांकन है।

केंद्र ने 32 स्कूलों में कोरियाई भाषा प्रशिक्षकों को भेजकर अपनी पहुंच का विस्तार किया है, जहां वे कोरियाई भाषा, तायक्वोंडो और सैमुलनोरी में कक्षाएं संचालित करते हैं।

उनके प्रयास कोरियाई भाषा और संस्कृति दोनों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने का काम करते हैं।

गणेश वंदना व शिव पार्वती संवाद से शुरू हुई नव श्री केशव रामलीला

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली के रोहिणी स्थित जापानी पार्क, नजदीक बोट क्लब, सेक्टर 11 के सामने नव श्री केशव रामलीला कमेटी पंजी. गणेश वंदना व शिव पार्वती संवाद से शुरु हुई। नव श्री केशव रामलीला कमेटी के चेयरमैन पुष्पेन्द्र रस्तोगी ने बताया कि अक्षरधाम मंदिर थीम पर इस बार तीन मंजिला भव्य स्टेज पर लीला का मंचन हो रहा है। हर बार की तरह इस बार भी रामलीला का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 10 दिन तक उत्सव का माहौल रहेगा। शिव पार्वती संवाद में अपने दृश्यों को जीवंत बनाने के लिए कलाकार अपने संवादों में चौपाइयों को भी इस्तेमाल कर रहे थे। लोगों ने अपने स्थान पर खड़े होकर इन कलाकारों का जोरदार तालियों से इनका हौसला बढ़ाया। श्रीराम पथिक कला केंद्र के प्रसिद्ध कलाकरों द्वारा रामलीला का मंचन किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्था चेयरमैन पुष्पेन्द्र रस्तोगी, अध्यक्ष जय किशन बंसल, एडिशनल चेयरमैन निरंजन गोयल, महामंत्री कृष्ण जिंदल, कोषाध्यक्ष दिनेश सर्राफ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। संस्था द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम का यह 27वां वर्ष है। संस्था चेयरमैन पुष्पेन्द्र रस्तोगी बताया कि यहां पर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा में प्राइवेट वालंटियर, सीसी टीवी कैमरा, हैंड मेटल डिटेक्टर के साथ दिल्ली पुलिस के जवान के नेतृत्व में सुरक्षा का इंतजाम है। उन्होंने बताया कि इंजीनियरों, वकीलों और शिक्षाविदों का एक विशेष समूह इस कार्यक्रम का प्रबंधन कर रहा है।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

हिंडन नदी को उसके पुराने स्वरुप में लाने के लिए बहुत लम्बे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार के अलग-अलग विभाग, तमाम स्वयंसेवी संगठन, नदी संरक्षण से जुड़े तमाम व्यक्ति अलग-अलग तरीके से प्रयासरत है। इन सभी प्रयासों को संगठित करना और किये जा रहे प्रयासों का परिणाम जमीनी स्तर पर दिखाई दे। उस पर विचार-मंथन और कार्ययोजना बनाना, इस संगोष्ठी का मूल उद्देश्य है।

डॉ. अजय शंकर पांडेय

स्पोर्ट्स सिटी परियोजना की जांच के लिए प्राधिकरण में इकोनोमिक ऑफिस विंग की एंट्री

नोएडा, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। शहर स्थित स्पोर्ट्स सिटी परियोजना में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर शिकंजा कसने के लिए अब ईओडब्ल्यू (इकोनॉमिक ऑफेंस विंग) ने प्राधिकरण में एंट्री की है। विंग के

■ सीएजी पहले ही लगा चुका है करीब 8 हजार करोड़ के घोटाले की आपत्ति

अधिकारियों ने स्पोर्ट्स सिटी से जुड़े दस्तावेजों के साथ कई तत्कालीन अधिकारियों के फोन नंबर और उनकी जानकारी भी जुटाई है। बता दे स्पोर्ट्स सिटी को लेकर सीएजी भी करीब 8 हजार करोड़ रुपए के घोटाले की आपत्ति लगा चुका है। हाल ही में लखनऊ में लोक लेखा समिति भी स्पोर्ट्स सिटी की सुनवाई कर रही है। इस बैठक में लोक लेखा समिति ने भूखंड संख्या-एससी-2, सेक्टर-150 और 152 को लेकर अलग-अलग बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी थी। उन बिंदुओं पर प्राधिकरण अधिकारियों ने रिपोर्ट समिति को सौंप दी। रिपोर्ट देखने के बाद समिति के अध्यक्ष और सदस्यों ने संबंधित परियोजनाओं में खेल सुविधाओं की अपडेट स्थिति, किसानों को दिए गए मुआवजे, परियोजना तक सड़क और अन्य चीज की सुविधाओं की स्थिति समेत अन्य सवाल किए।

रिपोर्ट देखने के बाद लेखा समिति ने कहा कि स्पोर्ट्स सिटी परियोजना में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार अधिकारी अब तक चिह्नित नहीं किए गए हैं। इस पर नोएडा प्राधिकरण के अफसर संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। ऐसे में समिति ने औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देश दिया कि इस मामले की जांच शासन स्तर पर उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर कराई जाए। एक महीने बाद फिर से इस मामले में बैठक की जाएगी। गौरतलब है कि स्पोर्ट्स सिटी के लिए ओसी-सीसी जारी करने और नक्शा पास करने पर प्राधिकरण ने रोक लगाई हुई है। जनवरी 2021 में हुई बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पास कर यह रोक लगाई गई थी। सीसी पर रोक होने से करीब 15 हजार खरीदारों की रजिस्ट्री भी अटकी हुई है।

तीन बिल्डरों को पांच सेक्टरों में दी गई थी जमीन

स्पोर्ट्स सिटी के लिए नोएडा प्राधिकरण ने तीन बिल्डरों को पांच सेक्टर में चार भूखंड आवंटित किए थे। थ्री सी ग्रीन डेवलपर्स को सेक्टर-78, 79, 101 में, लॉजिक्स इंफ्रा प्राइवेट डेवलपर्स और थ्री सी ग्रीन डेवलपर्स को 150 में और एटीएस होम्स प्राइवेट लिमिटेड को 152 में जमीन दी गई थी। अब इन चार भूखंड के 79 सबडिवीजन हो चुके हैं। इन बिल्डरों पर प्राधिकरण का करीब 8200 करोड़ रुपए बकाया हो गया है।

12 साल पहले लाई गई थी योजना

सेक्टर-78, 79, 101, 150 और 152 में स्पोर्ट्स सिटी परियोजना 12-13 साल पहले लाई गई थी। कुल आवंटित भूखंड के 70 प्रतिशत हिस्से में खेल सुविधाएं, 28 प्रतिशत में ग्रुप हाउसिंग और बचे दो प्रतिशत हिस्से में व्यवसायिक और संस्थागत संपत्ति से संबंधित चीजें विकसित की जानी थीं। इसके लिए सस्ते दामों पर बिल्डरों को जमीन दी गई। बिल्डरों ने मुनाफा कमाने के लिए आवासीय और व्यवसायिक चीजें बना दीं, लेकिन खेल सुविधाएं विकसित नहीं की। इसके अलावा अन्य गड़बड़ियों को लेकर सीएजी ने प्राधिकरण के अन्य कामकाज की तरह स्पोर्ट्स सिटी की भी जांच की थी। इस परियोजना को लेकर 24 आपत्ति लगाते हुए 8643 करोड़ रुपए का घोटाला होना सामने बताया था।

पीएसी के बाद ईओडब्ल्यू की एंट्री

पीएसी के साथ अब ईओडब्ल्यू की एंट्री के साथ प्राधिकरण अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। जवाब और कगजी दस्तावेज मांगे जा रहे है। प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि विंग की ओर से जो भी दस्तावेज मांगे जाएंगे उन्हें दिए जाएंगे। पहले भी कई जांच एजेंसियां दस्तावेज मांगती आ रही है। उनको दिए गए है।

सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध के लिए जोनल प्रभारी वृहद स्तर पर चलाएं अभियान : नगर आयुक्त

गाजियाबाद, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने के लिए निगम द्वारा वृहद

■ विजयनगर जोन में चलाया गया प्लास्टिक मुक्त अभियान, 33000 का लगाया जुर्माना

स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है जिसके लिए गाजियाबाद नगर निगम द्वारा रोस्टर भी तैयार किया गया है। जिसके अनुसार बारी-बारी शहर के पांचो जोन में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की जाएगी। रविवार को विजय नगर जोन में चले अभियान में 33 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया।

नगर आयुक्त ने शहर को प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए ऐसी कंपनियां विक्रेता जो सिंगल यूज प्लास्टिक को बनाती है या बेचते हैं उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के लिए भी अपर नगर अरुण कुमार यादव को निर्देश दिए हैं। अभियान में जोनल प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध हेतु नोडल प्रभारी पल्लवी सिंह को बनाया गया है। जिसकी क्रम में रोस्टर के अनुसार अभियान की शुरुआत की गई है।

विजयनगर जोन के प्रभारी विवेक त्रिपाठी ने प्रताप विहार, तीगड़ी गोल चक्कर विजयनगर में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान चलाया गया तथा कड़ी कार्रवाई करते हुए पॉलिथीन का प्रयोग करने वालों से लगभग 33000 जुर्माना भी वसूला गया।

मिशन शक्ति के तहत नगर निगम ने निकाली रैली

गाजियाबाद। मिशन शक्ति कार्यक्रम के माध्यम से गाजियाबाद नगर निगम के नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा मातृशक्ति को नमन करते हुए शहर की स्वच्छता हेतु अपील की गई है। महिलाओं द्वारा राष्ट्रीय हित मे किए जा रही कारों की सहन करते हुए गाजियाबाद नगर निगम द्वारा नारी शक्ति का आवाहन किया गया है जिसमें महिलाओं तथा बालिकाओं को जागरुक करते हुए वेस्ट सेग्रीगेशन, सिंगल यूज प्लास्टिक का एकत्रीकरण तथा पुनर्चक्रण पर विशेष रूप से जागरूक करते हुए सहयोग की अपील की गई, गाजियाबाद नगर निगम में कर्मचारी के रूप में कार्य कर रही महिलाओं के कार्यों की भी सराहना की गई, आयोजित कार्यक्रम नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

सार संक्षेप

राधा कृष्ण मंदिर पर भव्य वेद प्रचार सम्मेलन शुरू

बुलंदशहर। सिकंदराबाद के चोला क्षेत्र के गांव दाउदपुर राधा कृष्ण मंदिर पर भव्य वेद प्रचार

सम्मेलन शुरू हुआ जो 15, 16 और 17 अक्टूबर तक चलेगा जिसमें बाहर से आए स्वामी शिवानंद सरस्वती ने अपने वचनों से जनता को वेदों के बारे में सुनाया एवम दस वर्ष की देवासी आर्य पुत्री सुंदर आर्य ब्रह्मपुरी दिल्ली से आकर एक छोटी बच्ची ने सभी भक्तजनों का वेद के बारे में बहुत सुंदर-सुंदर बातें एवं अपनी कला दिखाई मौके पर सैकड़ो भक्तजन एवं समस्त क्षेत्र वासियों ने ध्यानपूर्वक सुना। उधर समस्त क्षेत्रवासियों का कहना है की समय-समय पर वेद प्रचार ज्ञान की प्राप्ति एवं मंदिर पर समय समय पर हवन होने से क्षेत्र के अंतर्गत बीमारियों का या किसी भी प्रकार की मुसीबत का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

अर्धनारी फाउंडेशन की ओर आयोजित हेल्थ कैंप

नोएडा। अर्धनारी फाउंडेशन द्वारा रविवार को निःशुल्क इलेक्ट्रोमैग्नेटिक बॉडी एनालाइजर मशीन द्वारा फुल बॉडी की जांच (निःशुल्क) और आंखों की जांच कैंप का आयोजन

सदरपुर में किया गया। कैंप में लोगों ने शुगर, थायराइड, मोटापा, जोड़ों का दर्द, घुटनों का दर्द, कमर दर्द, गठिया, यूरिक एसिड, सिर दर्द, माइग्रेन, दमा, सांस, अस्थमा, पेट फूलना, गैस, कब्ज, एसिडिटी, लीवर रोग, पथरी, हाई बीपी/लो.बीपी, हृदय रोग, एलर्जी, नसों की प्रॉब्लम, लिकोरिया, स्त्री रोग, पुरुषों के रोग, बच्चों की प्रॉब्लम, लकवा, इत्यादि की जांच की गई। इस निःशुल्क कैंप में भारी मात्रा में नोएडा क्षेत्र वासियों ने बढ़ चढ़ कर लाभ उठाया। क्षेत्र वासी काफी खुश नजर आ रहे थे। इस कैंप अर्धनारी के पदाधिकारी किरण कुशवाहा, सिद्दीकी, स्कूल अध्यापिका रंजू मिश्रा, रेनू सिंह, पिंकी था अन्य पदाधिकारी भी रहे।

अग्रसेन महाराज के अवतरण दिवस पर शोभा यात्रा का आयोजन

नोएडा। अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल जो निरंतर पिछले कई वर्षों से समाज को आगे बढ़ाने का प्रयास एकजुट करने का प्रयास करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपने सामाजिक कार्यों का प्रदर्शन करती आ रही

है। कार्यक्रम सहसंयोजक एवं अध्यक्ष युवा अमित अग्रवाल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल द्वारा 15 अक्टूबर 2023 को भगवान श्री राम जी के वंशज अपने वैश्य समाज के भगवान अग्रसेन महाराज जी के अवतरण दिवस पर एक विशाल भव्य शोभा यात्रा का आयोजन करने जा रही है। यह शोभा यात्रा श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-19 नोएडा से प्रारंभ होगी और नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में होते हुए जैसे की सेक्टर 19, 27, 26, 20, 9, 4, 8, 10, 11, 12- 22 होते हुए सेक्टर 56 श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर पर समाप्त होगी। सेक्टर 56 मंदिर में सभी साथियों के लिए दोपहर के भोजन प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।

12 दिन में दूसरी बार हिली नोएडा की धरती, हड़कंप

नोएडा, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। 12 दिन में दूसरी बार दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस बार भूकंप का केंद्र फरीदाबाद के 13 किलोमीटर दूर था। भूकंप का झटका शाम चार बजकर आठ मिनट पर आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4 मांपी गई है। बताया गया कि ये हल्का झटका था। ऐसे में तेज झटका आने की उम्मीद है। इसको लेकर सतर्क रहने की हिदायत दी गई है। भूकंप आने की जानकारी मिलने के बाद भीड़ सड़कों पर जमा हो गई। सेक्टरों, सोसाइटियों और बाजारों में लोग इमारतों से बाहर निकलकर इकट्ठे हो गए। इससे पहले 3 अक्टूबर को तेज झटका आया था। विशेषज्ञ का कहना है कि 12 दिनों में दूसरी बार एनसीआर में भूकंप के झटके लगे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर एनसीआर, वेस्ट यूपी और राजस्थान में देखने को मिला है।

सेंटर हुआ नोएडा तो हो सकती बड़ी तबाही

नोएडा हुआ केंद्र तो आ सकती है तबाही

प्राधिकरण के नियोजन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि नोएडा में भले ही बनी हुई इमारत या परियोजनाएं सात से लेकर आठ रिक्टर स्केल का झटका झेल सकती है। लेकिन यदि भूकंप का केंद्र नोएडा या दिल्ली एनसीआर में रहता है और उसकी क्षमता 6 से ज्यादा रहती है। तो वाइब्रेशन के कारण यहां भारी नुकसान हो सकता है। साथ ही इमारतों में दरार भी आ सकती है।

प्राधिकरण का दावा परियोजना झेल सकती है रिक्टर स्केल 8 का झटका, इमारत का नहीं पता

नोएडा भूकंप की दृष्टि से भले ही सिसमिक जोन-4 में आता हो। लेकिन यहां की परियोजनाओं का निर्माण सिसमिक जोन-5 के अनुसार किया जा रहा है। यानी यह 8.0 तक का झटका झेल सकती है। यह भी बता दे 7.0 का झटका की ताकत 6.0 से करीब 10 गुना और 8.0 की ताकत 6.0 से 100 गुना ज्यादा होती है। वर्तमान में शहर में भंगेल, चिल्ला में एलिवेटेड का निर्माण किया जा रहा है। प्राधिकरण का दावा है कि यहां रेक्टर स्कैल 7 का भूकंप भी आता है तो परियोजनाएं इसे झेल सकती है। लेकिन क्या इमारत इनको झेल पाएंगे जिनको बने हुए 10 साल हो चुके है। इसकी जानकारी या रिपोर्ट के मामले में उनके पास स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी रिपोर्ट ही है। जिसे मानचित्र पास के दौरान बिल्डर ने लगाया था।

कैसे आते है भकंप कैसे जाता है मापा

मौसम विभाग के अनुसार बताया कि धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी हुई है, इनर कोर, आउटर कोर, मेंटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मेंटल को लिथो स्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत, वर्गों में बंटी हुई है, जिन्हें टैकटोनिक प्लेट्स कहा जाता है। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह से हिलती रहती हैं लेकिन जब ये बहुत ज्यादा हिल जाती हैं, तो भूकंप आना संभव है। ये प्लेट्स क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर, दोनों ही तरह से अपनी जगह से हिल सकती हैं। इसके बाद वे अपनी जगह तलाशती हैं और ऐसे में एक प्लेट दूसरी प्लेट के नीचे आ जाती है। भूकंप की तीव्रता मापने के लिए रिक्टर स्केल का पैमाना इस्तेमाल किया जाता है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। भूकंप की तरंगों को रिक्टर स्केल 1 से 9 तक के आधार पर मापता है।

हिंडन नदी को पुराने स्वरूप में लाने के लिए घंटों हुआ मंथन

गाजियाबाद, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। आईएमए भवन में रविवार को गाजियाबाद हित संरक्षण, संवर्धन तथा समन्वयक समिति के तत्वावधान में

■ संगोष्ठी में पूर्व जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय, एनजीटी के पूर्व चेयरमैन समेत अनेक पर्यावरणविद्द हुए शामिल

'जीवनदायिनी हिण्डन: वर्तमान और भविष्य' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में हिण्डन से जुड़े और हिंडन के लिए काम करने वाले विभिन्न व्यक्ति एवं संगठन एक मंच पर एकत्रित हुए। यही नहीं संगोष्ठी में एनजीटी के पूर्व चेयरमैन और उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश आदर्श गोयल एवं गाजियाबाद के पूर्व जिलाधिकारी डॉ. अजय शंकर पांडेय की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए डॉ. अजय शंकर पांडेय ने कहा कि हिंडन नदी को उसके पुराने स्वरुप में लाने के लिए बहुत लम्बे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार के अलग-अलग विभाग, तमाम स्वयंसेवी संगठन, नदी संरक्षण से जुड़े तमाम व्यक्ति अलग-अलग तरीके से प्रयासरत है। इन सभी प्रयासों को संगठित करना और किये जा रहे प्रयासों का परिणाम जमीनी स्तर पर दिखाई दे। उस पर विचार-मंथन और कार्ययोजना बनाना, इस संगोष्ठी का मूल उद्देश्य है। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश आदर्श गोयल ने नदी सुधार को लेकर एनजीटी के मेण्डेट पर काफी विस्तार से प्रकाश द डाला और संगोष्ठी को एक सार्थक पहल बताया। संगोष्ठी में प्रो. पवन सिन्हा गुरुजी, धनंजय तेवतिया, श्री राजन छिब्बर, एडवोकेट संजय कश्यप, डॉ. अनिल गौतम, अरुण शर्मा, के.के. शर्मा, रमा सिंह, अतुल जैन, संजय सिंह, विक्रान्त, रमन त्यागी, विजय पाल बघेल, एडवोकेट आकाश वशिष्ठ, प्रो. नीलम पवार तथा विभिन्न संगठनों के पदाधिकरी शामिल हुए। संगोष्ठी का संचालन कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी द्वारा किया गया तथा पधारे हुए महानुभावों का स्वागत एवं धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

संगोष्ठी में रखे गए प्रस्ताव

- गंगा और यमुना एक्शन प्लान के तर्ज पर हिण्डन एक्शन प्लान का गठन किया जाए।
- हिंडन नदी के सुधार के लिए एक गैर सरकारी हिंडन कार्यालय की स्थापना की जाए।
- हिंडन के सुधार के लिए सिंचाई विभाग, पर्यावरण विभाग, नगर विकास विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग, कृषि और उद्योग विभाग से जुड़े पूर्व अधिकारियों एवं विषेषज्ञों की एक विंग स्थापित की जाए।
- हिंडन के लिए सरकारी स्तर पर किये जा रहे प्रयासों में तालमेल, समन्वय एवं सहयोग का कार्य किया जाए।
- सरकारी स्तर पर चल रहे प्रयासों की जानकारी के लिए और उसको प्रभावषाली ढंग से क्रियान्वित करने के लिए आर.टी.आई. और लीगल विंग बनाया जाए।
- हिंडन के लिए नीति निर्धारण में सरकार को सुझाव देना।
- हिंडन के लिए दीर्घकालीन और अल्पकालीन योजनाओं की रुपरेखा तैयार कर क्रियान्वित कराना।

स्कूल में छात्रा से छेड़छाड़ मामले में पांच छात्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। नोएडा के एक स्कूल परिसर में सहपाठी के साथ कथित तौर पर मारपीट एवं छेड़छाड़ करने के आरोप में पांच छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज कर प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पीड़िता के पिता ने दावा किया कि उन्होंने नौ अक्टूबर को स्कूल के प्रधानाध्यापक को यौन उत्पीड़न की पहली घटना की सूचना दी थी, लेकिन आरोपियों ने 13 अक्टूबर को उनकी बेटी के साथ फिर से दुर्व्यवहार किया, जिसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। नोएडा सेक्टर-100 में स्थित निजी स्कूल ने कहा कि उसने इस मामले की अपने स्तर पर भी जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक,कक्षा 11 में पढ़ने वाली छात्रा के साथ उसके सहपाठियों ने मारपीट की। सेक्टर-39 पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद लड़की को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है। प्रवक्ता के अनुसार, मामले में सभी आरोपों पर गौर फरमाते हुए उनकी उचित तरीके से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता और आरोपी सभी नाबालिग हैं। पीड़िता ने ई-मेल के माध्यम से स्कूल के प्रधानाध्यापक को इस घटना की जानकारी दी थी। उसकी शिकायत के बाद स्कूल ने क्या कार्रवाई की, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 147 (दंगा), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 352 (हमला या आपराधिक बल प्रयोग), 345 ए (यौन हमला) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस को 13 अक्टूबर को दी शिकायत में पीड़िता के पिता ने दावा किया कि जब उनकी बेटी ने स्कूल के प्रधानाध्यापक को सहपाठियों द्वारा की गई अश्लील बातों और यौन उत्पीड़न के बारे में सूचित किया और उनके कथित कृत्यों पर आपत्ति जताई, तो आरोपियों ने उससे कहा कि हम किसी भी हद तक जा सकते हैं। पिता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी छात्रों में से एक ने उनकी बेटी को जान से मारने की धमकी दी। इस बीच, शनिवार को जारी एक बयान में स्कूल ने कहा कि वह परिसर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना से अवगत है। बयान के अनुसार, मामले की गहन जांच की जा रही है।

आरोपो के आधार पर पुलिस कर रही मामले की जांच

कलश यात्रा के साथ श्री शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ

नोएडा, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में बोधगया के महंत रमेश गिरी महाराज के सानिध्य में आयोजित श्री शतचंडी महायज्ञ का रविवार को कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। विधि विधान से कलश पूजन के उपरांत ढोल नगाड़ों के साथ कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा विवेक विहार, पॉकेट 12, पॉकेट 7, एलआईजी, एमआईजी सहित पूरे सेक्टर-82 में घूमते हुए पुन: यज्ञ स्थल पहुंची। इस दौरान ढोल की थाप पर नाचते गाते भक्त माता रानी की भक्ति में सराबोर रहे। आचार्य सुमित तिवारी ने विद्वान ब्राह्मणों के साथ कलश स्थापना के बाद मां अम्बे सहित सभी देवी देवताओं का आवाहन के बाद पूजन कराया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भक्तों ने यज्ञ में आहुतियां अर्पित की। आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर आयोजन समिति के प्रवक्ता राघवेन्द्र दुबे, कुटी व्यवस्थापक विकास भारती, पंडित अखिल पांडेय, पंडित उपेंद्र तिवारी, देवेंद्र गुप्ता,शिववृत तिवारी, सुनील पाल, रवि राघव, देवमणि शुक्ल, संजय पाण्डेय, उत्तम चंद्रा, गोरे लाल, विकास शर्मा, ममता दुबे, विमला जोशी, घनश्याम जोशी, अशोक कुमार, रंजीत पटेल, विष्णु शर्मा, अमितेश सिंह, संतोष यादव, कृपाल सिंह, राजेश महाला, पंकज झा, रमेश शर्मा, हरी सिंह, सर्वेश तिवारी, पिंटू शुक्ला सहित तमाम भक्तजन मौजूद रहे।

पहले दिन मंदिरों में रही भक्तों की भीड़

नोएडा, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। नवरात्र के पहले दिन यानी रविवार की सुबह से ही दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। शहर के सभी मंदिरों में सुबह की आरती हुई। दिन भर भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। माता रानी के जयकारों से मंदिर गूंज उठे। मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भक्तों का आना जारी रहा। नौ दिनों तक मंदिर में भजन कीर्तन होंगे। बता दें कि नवरात्र के नौ दिन मां दुर्गा के अलग-अलग रूपों की पूजा अर्चना की जाती है। मंदिरों में मां के लिए आरती की जाएगी और साजो श्रृंगार के साथ मां के नौ रूपों

■ पुलिस सुरक्षा व्यवस्था भी रही दुरुस्त

■ सभी मंदिरों में दिन भर होते रहे भजन कीर्तन

को अलग-अलग सजाया जाता है। नवरात्र के पहले दिन भक्तों की भीड़ मंदिरों में उमड़ पड़ी है। भक्तों ने मंदिर में नारियल, चुनरी और फूल इत्यादि चढ़ाए।

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री का पूजन किया गया। शारदीय नवरात्र का विशेष महत्व है। सेक्टर-19 सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-20 का हनुमान मंदिर, इसके अलावा सेक्टर-50 का सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-52 सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-56 का लक्ष्मी नारायण मंदिर, सेक्टर-40 साई मंदिर, सेक्टर-12 कलरिया बाबा मंदिर, सेक्टर-12 का शिव दुर्गा मंदिर, सेक्टर-22 शिव शक्ति मंदिर, सेक्टर-44 का छलेरा मंदिर, सेक्टर-49 का शिव मंदिर और सेक्टर-100 वोडा महादेव मंदिर, हनुमान मंदिर में भी सुबह से ही पूजा अर्चना की गई। इसके अलावा शारदीय नवरात्र की तैयारियों में बाजारों में भी रौनक देखने को मिली। बाजारों में नवरात्र की खरीदारी को लेकर चहल-पहल दिखी। धार्मिक कार्यों के लिए लोगों ने खुलकर खर्च किया। भक्त मां दुर्गा के परिधान व पूजा-पाठ की सामग्री खरीदने में जुटे रहे। लोगों ने अपने घरों में मां को स्थापित किया। यहां चुनरी, नारियल, मिट्टी के बर्तन, रोली, सुपारी, लौंग, इलायची, धूप, अगरबत्ती, मौली, जौ व मेवे आदि की खरीदारी की।

गणेश वंदना के साथ शुरू हुई रामलीला का मंचन

नोएडा, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। श्रीराम मित्र मंडल द्वारा सेक्टर-62 में आयोजित रामलीला में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री व क्षेत्रीय सांसद डॉ. महेश शर्मा, पंकज सिंह विधायक नोएडा द्वारा दीप प्रज्जवलित कर प्रथम दिवस की रामलीला का शुभारंभ हुआ। श्रीराम मित्र मंडल रामलीला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया। रामलीला मंचन की शुरूआत गणेश वंदना एवं पूजन के साथ हुई। गणेश वंदना में कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति पेश कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रथम दृश्य में भगवान शिव माता पार्वती को श्रीराम कथा का वृतांत वर्णन करते हैं। भगवान शिव बताते हैं कि मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम मनुष्य हैं या ब्रह्म हैं वह बताते हैं कि श्रीराम ब्रह्म स्वरूप हैं। अगले दृश्य में दिखाया जाता हैं कि नारद जी को अहंकार हो जाता हैं और भगवान अपने भक्त के अहंकार का समूल नाश करते हैं। भगवान विष्णु अपनी माया से एक माया नगरी बनाते जिसमें विश्वमोहनी नाम की राजकुमारी का स्वयंवर होता हैं। नारद जी उस कन्या पर मोहित होकर उससे विवाह करना चाहते हैं और भगवान से सुन्दर स्वरूप मांगते हैं लेकिन भगवान उनको बंदर का स्वरूप प्रदान करते हैं जब वह सभा में पहुंचते हैं तो शिवगण उनका मजाक उड़ाते हैं और वह कन्या भगवान विष्णु के गले में वरमाला डाल देती है।भगवान ने प्रकट होकर उन सभी को आश्वासन दिया कि वह राम रूप में अवतार लेकर दुष्टों का संहार करेंगे। भगवान की आरती के साथ पहले दिन की रामलीला का समापन होता है। मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता ने बताया कि कल 16 अक्टूबर को श्रीराम जन्म, वशिष्ठ जी द्वारा नामकरण, विश्वामित्र आगमन, ताड़का वध, मारिच सुबाहु आदि लीलाओं का मंचन किया जायेगा। इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, अजीत चाहर, श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

■ पहले दिन नारद मोह का किया गया मंचन

कैपिटल ज़ोन

उवाच

जिस तरह किसान सभा ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर 6 महीने आंदोलन कर जीत दर्ज की है इस तरह किसान सभा आपकी लड़ाई में सहयोग करेगी और जीतने तक कंधे से कंधा मिलाकर पीड़ित किसानों के साथ रहेगी।

गवरी मुखिया, किसान सभा उपाध्यक्ष

सेक्टर डेल्टा एक आरडब्ल्यूए चुनाव में जितेन्द्र भाटी बने अध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। सेक्टर डेल्टा-एक आरडब्ल्यूए का चुनाव फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यू ऐज ग्रेटर नोएडा के संरक्षक रणजीत प्रधान की देखरेख में संपन्न हुआ। चुनाव में कुल मतदाताओं में से 1034 लोगों ने अपने मत का प्रयोग किया। चुनाव में अध्यक्ष पद पर जितेन्द्र भाटी ने 65 मतों प्रमोद भाटी को पराजित किया। महासचिव पद पर ऋषिपाल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी दीवान शर्मा को 120 मतों से पराजित किया। कोषाध्यक्ष पद पर सतीश शर्मा ने अपने प्रतिद्वंदी विजय सिंह को 35 मतों से पराजित किया।

इस मौके पर बिजेंद्र प्रमुख, फेडरेशन के महासचिव दीपक भाटी (एडवोकेट), संजय भाटी, श्यामबीर भाटी, अहलकार प्रधान, बृजेश भाटी, कृपाल भाटी, महेश खारी, अजयपाल चेची, संजय, बलजीत नागर, नवीन शर्मा, पंकज नागर, सिंहराज भाटी, पुनित भाटी आदि लोग उपस्थित रहे।

सर्वोत्तम बिल्डर के खिलाफ किसानों ने पंचायत कर भरी हुंकार

ग्रेटर नोएडा,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। सर्वोत्तम बिल्डर के खिलाफ किसानो की जमीन पर जबरन कब्जे के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर पर हुई महापंचायत में अखिल भारतीय किसान सभा गौतमबुद्ध नगर के अध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा के नेतृत्व में किसान सभा की जिला कमेटी के साथियों ने हिस्सा लिया और अपना समर्थन किसानों के पक्ष में जाहिर किया। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा ने महापंचायत में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार बिल्डरों के साथ साथ सांठगांठ करके बेहद कीमती जमीन को रिश्वत खाकर किसानों को लूटने की छूट दे रही है। पहले भी अंसल बिल्डर को इसी तरह सरकार ने लाइसेंस दिया था हम लोगों ने जबरदस्त आंदोलन कर 2013 में अंसल बिल्डर को यहां से भगाया था अब सरकार फिर से एक नए बिल्डर को ले आई है जो कृषि

■ अखिल भारतीय किसान सभा ने सर्वोत्तम बिल्डर के विरुद्ध रामगढ़ गांव में की पंचायत

भूमि से आवासीय भूमि में भू उपयोग बदलकर पूरा लाभ उठा रहा है जबकि किसानों को कृषि भूमि के भाव पर ही पैसे देने का ऑफर दे रहा है किसानों की जमीनों को तीन 4000 प्रति गज के रेट में लेकर 50000 रुपए प्रति गज के रेट में बेचने का खेल यहां पर चल रहा है सभी किसानों को बिल्डर के लाइसेंस को रद्द करने की मांग करनी चाहिए और मास्टर प्लान के हिसाब से किसानों को भू उपयोग के अनुसार अपनी भूमि को डेवलप करने के अधिकार मिलने चाहिए जिससे कि वह भी बिल्डर की तरह अपनी जमीन को बाजार भाव पर बेच सके।

किसान सभा के उपाध्यक्ष गवरी मुखिया ने एलान करते हुए कहा कि जिस तरह किसान सभा ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर 6 महीने आंदोलन कर जीत दर्ज की है इस तरह किसान सभा आपकी लड़ाई में सहयोग करेगी और जीतने तक कंधे से कंधा मिलाकर पीड़ित किसानों के साथ रहेगी। किसान सभा के जिला सचिव सुरेश यादव सतीश यादव उपाध्यक्ष अजब सिंह नेताजी, सचिव सुशील, विक्रम मास्टर जी, जिला कमेटी के युवा नेता मोहित नागर, गुरप्रीत एडवोकेट भगत सिंह ने पंचायत को संबोधित किया और बड़ी संख्या में किसान सभा के साथियों ने महापंचायत में हिस्सा लिया।

आईआईआईटी प्रयाग के विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीकी से कराया रूबरू

ग्रेटर नोएडा,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। आईआईआईटी इलाहाबाद, प्रयाग में लॉयड स्किल सेंटर के द्वारा ड्रोन टेक्नोलॉजी के बारे में चर्चा किया गया। ड्रोन टेक्नोलॉजी की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी लॉयड इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. राजीव अग्रवाल और प्रमुख डॉक्टर मनीष सारस्वत ने साझा किया। कार्यक्रम में लॉयड स्किल सेंटर से आए वक्ताओं के द्वारा बताया गया कि आज के परिवेश में ड्रोन का क्या महत्व है साथ ही विस्तार से बताया गया कि ड्रोन को तैयार कैसे किया जाता है, ड्रोन के विभिन्न आकार

■ लॉयड स्किल सेन्टर ने बताया कि आज के युग में ड्रोन की क्या महता है

जो अलग-अलग परिस्थितियों में जरूरत के अनुसार कार्य करती है, उसके बारे में भी बताया गया।

ड्रोन के अलग-अलग कंपोनेंट्स के बारे में बताया गया जिसमें कंपोनेंट्स किस तरीके से छात्रों के द्वारा बनाया जा सकता है इसके बारे में भी जानकारी साझा किया गया। ड्रोन में इस्तेमाल किए जाने वाले बैटरी गुणवत्ता क्या है और बेहतर बैटरी लाइफ के लिए क्या पैरामीटर होना चाहिए इसके बारे में बताया गया, ड्रोन के फ्लाइंग टाइम को किस तरीके से बढ़ाया जाए, इसकी क्या तकनीक है इसके बारे में भी चर्चा किया गया। इस दौरान ड्रोन तकनीक चुनौतियों के बारे में भी चर्चा किया गया, जैसे प्राइवेसी और सुरक्षा एक बड़ी चुनौती है, बैटरी की क्षमता और फ्लाइट रेंज एक बड़ी चुनौती है, इसके अलावा मौसम और पर्यावरण की विभिन्न परिस्थितियां भी बड़ी चुनौती हैं। लॉयड इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि आने वाले भविष्य में जब हम ड्रोन का बड़े पैमाने पर उत्पादन करेंगे तब इसकी कीमत भी कम होगी और एक क्रांतिकारी बदलाव कृषि क्षेत्र और अन्य क्षेत्र जैसे कि प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ में आए लाखों लोगों का मॉनिटरिंग करना भी आसान होगा।

सार संक्षेप

कालीबाड़ी में दुर्गा पूजा के साथ ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर पाई स्थित कालीबाड़ी मंदिर में बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता के आयोजन के साथ दुर्गा पूजा उत्सव शुरू हो गया है। ग्रेटर नोएडा शारदीय सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न स्कूलों के 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के बच्चों ने भाग लिया और देवी दुर्गा की तस्वीरें बनाईं। जीएनएसएस के महासचिव मणींद्र मंडल ने प्रतियोगिता को मिली प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि हमें उम्मीद है कि हम बच्चों में रचनात्मक पहलू लाएंगे और साथ ही उन्हें हमारी सांस्कृतिक विरासत और परंपरा से अवगत कराएंगे। आयोजन समिति की सदस्य बिदिशा दत्ता ने बताया कि ग्रेटर नोएडा कालीबाड़ी अपना 23वां दुर्गा पूजा मना रहा है और समारोह के दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे जहां बंगाल की सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिलेगी। बच्चों के चित्र 24 अक्टूबर तक मंदिर परिसर में प्रदर्शित किये जाएंगे।

राष्ट्रचिन्तना गोष्ठी में सनातन सभ्यता भारत व राजनीति पर चर्चा

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रचिंतना की सातवीं मासिक गोष्ठी, 'सनातन सभ्यता, भारत और राजनीति' विषय पर दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में प्रो. बलवंत सिंह राजपूत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। गोष्ठी का संचालन प्रो. विवेक कुमार ने किया। गोष्ठी में राष्ट्रचिंतना के अध्यक्ष प्रोफेसर बलवंत सिंह राजपूत ने कहा कि सनातन के संदर्भ में अनेक अज्ञानी एवं अहंकारी राजनीतिज्ञों द्वारा अनर्गल व्यक्तव्य दिए जा रहे है। इन ईर्ष्याजनित मिथ्या प्रलापों का चिरंतन एवं सास्वत सनातन जीवन पद्धति और मौलिक दर्शन पर कोई प्रभाव पड़ने वाला नहीं है। सनातन को समस्त विश्व के कल्याण एवम शांति के जीवन दर्शन के रूप में बताया जा सकता है जिसमें सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामय और अंतरिक्ष से लेकर पृथ्वी, जल और औषधि की शांति की बात कही गई है। वसुधैव कुटुंबकम् की बात कही गई है।

जिम्स अस्पताल का प्राधिकरण के एसीईओ ने किया दौरा

ग्रेटर नोएडा,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान का ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने दौरा किया इनके साथ गौतम आरए, प्रभात रंजन शामिल थे। इस दौरान अस्पताल व आसपास की सभी समस्याओं को देखा। उन्होंने अस्पताल के बेसमेंट दो को देखा और जमीन से बड़े पैमाने पर रिसाव और अस्पताल भवन की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की। इसके बाद उन्होंने प्रशासन कार्यालय में बैठक बुलाई और उन्हें संस्थान की प्रगति, जीआईएमएस को आवंटित 56 एकड़ भूमि, कॉलेज परियोजना,

■ अस्पताल परिसर में बैठक कर अस्पताल को मिलने वाली सुविधाओं सहित विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

अस्पताल रखरखाव, अस्पताल भवन हैंडओवर, बेसमेंट सीपेज, परिसर के बाहर सीवर प्रणाली को मजबूत करने से संबंधित मुद्दों से अवगत कराया गया। छात्रों के लिए छात्रावास, सिटी बस सेवा और अस्पताल के लिए सीएसआर फंड आदि मुद्दों को गंभीरता से देखने के निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों के लिए सुविधाओं में सुधार के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

ग्रेनो प्राधिकरण में अफसरों का टोटा, सेवानिवृत्त पांच जीएम रखे जाएंगे

ग्रेटर नोएडा,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने जीएम प्लानिंग और भू विभाग में पांच महाप्रबंधक रखने का फैसला किया है। इसमें सेवानिवृत्ति अफसरों को रखा जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने महाप्रबंधक नियोजन की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की है। प्राधिकरण नगर निगम और प्राधिकरण में से सेवानिवृत हो चुके अफसरों को रखेगा। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी तरह प्राधिकरण ने भूमि विभाग में पांच महाप्रबंधक (भूमि परामर्शदाता) रखेगा। उनकी भूमिका सलाहकार के रूप में होगी। यह नियुक्ति 6 महीने के लिए होगी। एक बार छह महीने का और सेवा विस्तार दिया जा सकता है। आवेदक को 15 दिन के अंदर आवेदन करना होगा। उम्मीद है कि इन नियुक्तियों के बाद प्राधिकरण की योजनाओं को और गति मिलेगी।

जीबीयू में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता रैली व नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति

ग्रेटर नोएडा, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में में मानसिक स्वास्थ्य रैली का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने झंडा दिखाकर किया एवं रैली में शामिल सभी सदस्यों का मनोबल बढ़ाया। जिसमें विभाग के सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के द्वारा एक जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत विभाग के लगभग 300 लोग विभिन्न संख्याओं में जाकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाएं एवं इस वर्ष का थीम 'मानसिक स्वास्थ्य लोगों का एक यूनिवर्सल अधिकार है' के प्रति सबको सचेत किया। जागरूकता रैली के बाद सभी छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से कॉलेज जीवन में बच्चे गलत

संगत का शिकार ना हो एवं किसी तरह के व्यसन के आदि ना हो इस पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति के माध्यम से संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में मनोविज्ञान एवं मानसिक स्वास्थ्य विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. आनंद प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राओं शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय प्रशासन कुलपति प्रोफेसर आर.के. सिन्हा, कुल सचिव डॉक्टर विश्वास त्रिपाठी, संकाय अधिस्थापक प्रोफेसर वंदना पांडे एवं मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक डॉक्टर पूजा कुमारी, डॉक्ट नेहा शर्मा, डॉक्टर अश्फिया एवं अन्य का आभार प्रकट किया।

कलश स्थापना के साथ नौ दिवसीय शारदीय नवरात्र शुरू, मंदिरों में रही भीड़

ग्रेटर नोएडा, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। शहर के सेक्टरों में शारदीय नवरात्र पर्व की शुरुआत कलश स्थापना के साथ शुरु हुआ। पहले दिन देवी मंदिरों में सुबह से नवदुर्गा माता के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना किया गया। भक्तों ने नवरात्रि का व्रत रख कर दिनभर दुर्गा माता की उपासना शुरु किया। सेक्टर अल्फा-एक, दो, गामा-एक, वैष्णदेवी मंदिर नवादा सहित सेक्टर ईटा एक स्थित गुरुकुल के साथ मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही। नवरात्र के पहले दिन मां शैल पुत्री की स्थापना की गई तथा हवन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने इस हवन में आहुति देकर पुण्य लाभ लिया। इसी के साथ ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों के साथ सोसाइटी में नौ दिन चलने वाले नवरात्र में कलश

स्थापना की गई, नवरात्र के दौरान विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सोसाइटियों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ डांडिया नाइट का भी आयोजन किया जाएगा। पंडित रामदेव द्विवेदी ने बताया कि नवरात्र का विशेष महत्व है, नौ दिन लोग अच्छे विचार से घरों में पूजन अर्चन करते हैं तथा नौ देवियों का आह्वान करते हैं।

अष्टमी पर और नवमी के दिन हवन पूजन किया जाएगा, इसी के साथ कन्याओं का भी पूजन होगा।

श्री आदर्श राम लीला कमेटी सूरजपुर ने निकाली शोभा यात्रा

ग्रेटर नोएडा,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। श्री आदर्श राम लीला कमेटी सूरजपुर में ऐतिहासिक विजय महोत्सव (दशहरा मेला) की शोभायात्रा निकाली गई, जो बाराही मंदिर सूरजपुर से शोभा यात्रा प्रारंभ होकर मेन रोड पर होते हुए मोहन मंदिर वाली गली में होली चौक से पुराने जिला पंचायत कार्यालय के सामने से होते हुए देवी मंदिर सूरजपुर पहुंची उसके तत्पश्चात दादरी रोड पर होते हुए पुन: बाराही मंदिर मैदान में समापन हुआ। सभी कमेटी के सहयोगकर्ता पदाधिकारी, सदस्यों, व्यापारी बंधु व क्षेत्र वासियों ने भव्य शोभायात्रा में सम्मिलित होकर शोभायात्रा की झांकी भगवान राम परिवार भगवान श्री कृष्ण माता रुक्मणी वीर बजरंगी हनुमान जी शिव पार्वती गणेश जी नारद मुनि जी व वानर सेना आदि झांकियों को नगर के लोगों ने बहुत सहारा। कमेटी अध्यक्ष श्रीचंद भाटी व महासचिव सत्यपाल शर्मा ने कहा कि भगवान राम के जीवन की ऐतिहासिक घटनाओं को कलाकारों के द्वारा 15 से 25 अक्टूबर तक मंचन किया जायेगा। इस अवसर पर ओमप्रकाश शर्मा, भूदेव शर्मा, जयदेव शर्मा, मूलचंद शर्मा, प्रधान ओमवीर बैसला, लक्ष्मण सिंघल, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, विशाल गोयल, विनोद पंडित आदि लोग मौजूद रहे।

श्री नवदुर्गे मंदिर पर नवरात्रि मेले के पहले दिन महिला प्रो. कबड्डी का रोमांचक मुकाबला

जेवर,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। श्री नवदुर्गे मंदिर परिसर में आयोजित 59वें नवरात्रि मेले का इतवार को मेला समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक द्वारा ध्वाजारोहण कर शुभारंभ किया गया। जिसके बाद महिला प्रो. कबड्डी टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। जिसे देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी। सैकड़ों भक्तों द्वारा मंदिर में प्रथम नवरात्रि को माता शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई।

नवरात्रि मेला के संचालक कुलदीप पंडित ने बताया कि श्री नवदुर्गे मंदिर परिसर में शुक्रवार रात्रि को श्री रामलीला का मंचन शुरू किया गया। समाजसेवी ओमप्रकाश शर्मा व एसीपी रूद्र कुमार सिंह द्वारा फीता काटकर व पूजा अर्चना कर रामलीला का शुभारंभ किया गया। इतवार को महिला प्रो. कबड्डी टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। टूर्नामेंट में पहले दिन चार मुकाबले खेले गए।

■ पहले दिन महिला प्रो. कबड्डी टूर्नामेंट को देखने उमड़ी दर्शकों की भीड़
■ आज होगा टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला

जिसमें पहला मुकाबला देव भडाना दिल्ली व प्रज्ञान पब्लिक स्कूल की टीम के बीच हुआ जिसमें प्रज्ञान स्कूल की टीम ने 25 के मुकाबले 55अंकों से जीत हासिल की। दूसरा मुकाबला जींद हरियाणा व बालियान जट्टारी की टीम के बीच हुआ जिसमें जींद हरियाणा की टीम ने 19 अंको से जीत हासिल की। तीसरा मुकाबला जींद हरियाणा व देव भडाना दिल्ली के बीच हुआ जिसमें जींद हरियाणा ने 26अंकों से जीत हासिल की। चौथा मुकाबला जींद हरियाणा व प्रज्ञान पब्लिक स्कूल के बीच हुआ जिसमें जींद हरियाणा ने 16 अंको से जीत हासिल की। उन्होंने बताया कि सोमवार को महिला प्रो. कबड्डी टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

जिसमें अनेक जिलों व राज्यों की टीम भाग लेंगी। विजेता टीम को आयोजकों द्वारा 31 हजार रूपए व उपविजेता टीम को 21हजार रूपए तथा टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 51 सौ रूपए की नगद राशि व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इस मौके पर सुभाष गर्ग, देवेश जैन, यतीश गोयल, बृजमोहन शर्मा, जयप्रकाश गोयल, विनोद मिश्रा, अजयराज शर्मा, योगेश शर्मा, संदीप तायल, उपेन्द्र शर्मा, नवीन गुप्ता, नरेन्द्र शर्मा, संजीव ठाकुर व नरेन्द्र गोयल आदि मौजूद रहे।

नवरात्र कार्निवाल में बच्चों ने की मस्ती, लोगों ने निवेश में दिखाई रुचि

ग्रेटर नोएडा,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। नवरात्र के पहले दिन ग्रेनो वेस्ट के सरोवर प्रीमियर गौरसिटी में कार्निवाल का आयोजन किया गया, जिसमें कई सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान व्यवसाय में रुचि रखने वाले अपने परिवार के साथ अपने अवसरों की भी पड़ताल

की। मेगा प्रॉपर्टी कार्निवाल में कई आकर्षक पहलू दिखाए गए, खासकर हर दुकान की बुकिंग के साथ एक कार के मालिक होने का एक विशेष उपहार मिलना, जो इच्छुक उद्यमियों और निवेशकों को अपने सपनों को साकार करने का अवसर देता है। जिसमें सौ लोगों ने अपने प्रतिष्ठान को बुक कराया। कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों और मनोरम कला प्रदर्शनों के माध्यम से नवरात्रि की मोहक भावना में डूबने का अवसर था। इस प्रकार कार्यक्रम लोगों के लिए सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और एक यादगार अनुभव रहा। बीओपी ग्रुप के सह-संस्थापक गौरव मावी ने बताया कि हम अपने भारतीय व्यापार परिवारों, निवेशकों और नवोदित उद्यमियों के लिए इस भव्य कार्निवाल की मेजबानी करने के लिए रोमांचित हैं। हमारा लक्ष्य नवरात्रि के शुभ अवसर पर हर परिवार के सपनों को साकार होते हुए देखना है।

अध्यापकों पर छात्रों से मारपीट के आरोप में रिपोर्ट दर्ज

जेवर,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र के गांव दयानतपुर के रहने वाले एक व्यक्ति ने एक विद्यालय के दो अध्यापाकों पर दो छात्रों से गाली गलौज करने व विरोध करने पर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विजय महोत्सव का हुआ आगाज, स्कूल के बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

ग्रेटर नोएडा,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। श्री रामलीला कमेटी ने विजय महोत्सव 2023 का आगाज रविवार को साइट-4 स्थित सेंट्रल पार्क में हो गया, पहले दिन स्कूलों व डांस अकेडमी के बच्चों ने एक से बढ़कर एक डांस व नाट्य प्रस्तुति दी। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सरदार मनजीत सिंह व मुख्य अतिथि के रूप में हरसानन्द स्वामी व कमलेशा आचार्य व कमेटी के सदस्यों ने यज्ञ कर के दीप प्रजवलित कर भगवान श्रीराम के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। हरशानन्द स्वामी ने कहा श्री रामलीला कमेटी द्वारा बहुत सुन्दर लीला का मंचन पिछले 18 वर्षों से किया जा रहा है, कमेटी को कार्यक्रम को सफल बनाने की शुभकामनाएं दी व प्रशंसा की। कमेटी के महासचिव बिजेंद्र सिंह आर्य ने बताया कि ग्रेटर नोएडा शहर व ग्रामीण छेत्र के स्कूलों के बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु बच्चों की प्रतिभा को बढ़ाने के लिए यह संगीत व डांस प्रतियोगिता की जाती है जिसमें इस बार 40 से अधिक स्कूल व

एकेडमी के लगभग 700 से अधिक बच्चे भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में फर्स्ट सेकेंड थर्ड प्राइज रखे गये हैं। भक्ति संगीत व डांस प्रतियोगिता कार्यक्रम के जज नेहा अरविंद, अनिल प्रसाद, रामचन्द्र गौतम रहे। कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग ने बताया बच्चों की प्रस्तुति को मैदान में बैठे दर्शको ने जमकर तालियां बजाकर हौंसला बढ़ाया। <

मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया 16 अक्टूबर से रामलीला मंचन की विधिवत शुरुआत होगी मंचन में श्री गणेश पूजन, शिव सती, संवाद, रावण तपस्या, इंद्र का दरबार, नारद मोह, रावण कारागार, राक्षसों का अत्याचार, विष्णु जी का प्रकट होना जैसी लीला का मंचन होगा। इस अवसर पर ओमप्रकाश अग्रवाल, कुलदीप शर्मा, मुकेश शर्मा, हरेन्द्र भाटी, एडवोकेट संजयसिंह, मनोज यादव, कमल सिंह आर्य सुभाष चन्देल, के.के. शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने सेक्टर जू-2 की कार्यकारिणी का किया विस्तार

ग्रेटर नोएडा,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। सेक्टर जू-2 में करप्शन फ्री इंडिया संगठन की बैठक संपन्न हुई। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बलराज हूंण के नेतृत्व में सेक्टर जू-2 की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए एसपी सिंह कर्दम को को सेक्टर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के सेक्टर जू-2 में संगठन का विस्तार करते हुए के पी नागर को संरक्षक एस पी सिंह कर्दम को अध्यक्ष राजेश बिधूड़ी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष शर्मा को उपाध्यक्ष मुदित शुक्ला को उपाध्यक्ष एवं देवेन्द्र सिंह राना कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी। चौधरी प्रवीण भारतीय ने कहा कि ग्रेटर नोएडा शहर में शिक्षा-चिकित्सा के नाम पर बढ़ते हुए भ्रष्टाचार को लेकर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण द्वारा बनाए गए कानून में स्थानीय किसानों को प्राइवेट स्कूलों एवं अस्पतालों के द्वारा शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में छूट दी जानी चाहिए।

लेकिन प्राइवेट स्कूल व अस्पताल तानाशाही कर स्थानीय किसानों व शहर के लोगों के अधिकारों का शोषण कर रहे हैं जल्द ही इस भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ करप्शन फ्री इंडिया संगठन पूरे शहर में जन जागरूक आंदोलन चलाएगा। वहीं निर्वाचित पदाधिकारी ने कहा कि जो जिम्मेदारी संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी ने दी है उसको पूर्णता ईमानदारी एवं निष्ठा पूर्वक निभाएंगे। भ्रष्टाचार अत्याचार शोषण के खिलाफ आवाज उठाएंगे। इस दौरान- प्रदेशाध्यक्ष बलराज हूंण बी एस नागर प्रमोद कुमार गुर्जर बॉबी गुर्जर रिंकू प्रजापति राहुल आदि लोग मौजूद रहे।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

संपादकीय

नई दिल्ली, सोमवार 16 अक्टूबर 2023

संस्थापक-सम्पादक : स्व. माया राम सुरजन

इज़राइल-फिलिस्तीन झगड़े में विश्वगुरु बनने की चाहत!

इज़राइल और फिलिस्तीन के बीच छिड़ी जंग से कट्टर हिन्दू और कट्टर मुसलमान दोनों बहुत खुश हैं। ऐसे हिन्दुओं को इस बात में मज़ा आ रहा है कि मुसलमान मारे जा रहे हैं और मुसलमानों को इस बात में कि उनके लोग यहूदियों को सबक सिखा रहे हैं। इन दोनों फिरकों को कतई ये बुरा नहीं लग रहा है कि आखिर क़त्ल तो बेगुनाह इंसानों का ही हो रहा है। दिक्कत ये है कि हमास को आतंकवादी संगठन कहने पर मुसलमान नाराज़ हो जाते हैं और इज़राइल को आक्रान्ता बताने पर हिंदूवादी। दोनों ही भूल जाते हैं कि युद्ध किसी चीज़ का समाधान नहीं है, बल्कि वह समस्याएं ही पैदा करता है और उन्हें बढ़ाता भी है। लगभग डेढ़ साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध का अभी तक तो कोई नतीजा निकला नहीं है और न ही निकट भविष्य में ऐसा होता दिखाई देता है।

इधर हिन्दूवादियों को इस युद्ध ने मुसलमानों के ख़िलाफ़ एक और कुतर्क दे दिया है जिसके मुताबिक मुसलमान अगर ये मानते हैं कि इज़राइल ने उनकी ज़मीन हथिया ली है और वो उन्हें वापस मिलनी चाहिये तो फिर वे अयोध्या, काशी और मथुरा हिन्दुओं को वापस क्यों नहीं दे देते। राजनीतिक रूप से निरक्षर लोगों को यह बात सही लग सकती है लेकिन वास्तव में इज़राइल-फिलिस्तीन मामले की तुलना भारत के इन धर्मस्थलों से करना सिरे से ग़लत है। क्योंकि इनको लेकर विवाद थे नहीं, पैदा किये गये हैं और इनका निपटारा देश की अदालतें देर-सबेर कर ही देंगी। दूसरा- तमाम मतभेदों के बावजूद और कभी-कभार के तनाव या टकराव को छोड़ सभी धर्मों के मानने वाले शांति और भाईचारे के साथ इस देश में रहते आये हैं जबकि इज़राइल ने फिलिस्तीनी आबादी को बहुत छोटे से इलाके में रहने को मजबूर कर रखा है और उस पर भी वह लगातार हमले करता रहता है।

इस युद्ध के साथ कांग्रेस के ख़िलाफ़ भी दुष्प्रचार का नया सिलसिला चल निकला है। कांग्रेस ने पहले ही दिन निर्दोष इज़राइली नागरिकों की हत्या पर गहरा दु:ख व्यक्त किया, उनकी भर्त्सना की और युद्धविराम की अपील भी की। लेकिन फिलिस्तीन के अधिकारों की बात करते ही उस पर हमास समर्थक होने का लेबल चस्पा कर दिया गया क्योंकि कांग्रेस ने हमास की निंदा नहीं की। एक झूठ यह भी फैलाया जा रहा है कि फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफ़ात एक आतंकवादी थे, जिन्हें इंदिरा और राजीव गांधी ने सर-आंखों पर बैठाया। इंदिरा गांधी ने मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए सबसे पहले फिलिस्तीन को मान्यता दी और अराफ़ात को 'नेहरू शांति पुरस्कार' दिया, उन्हें एक करोड़ रुपये और सोने की ढाल भेंट की जबकि राजीव गांधी ने उन्हें 'इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार' दिया। इतना ही नहीं, राजीव ने उन्हें दुनिया भर में घूमने के लिए बोइंग जहाज भी भेंट किया था। कहने की ज़रूरत नहीं कि बेसिर पैर की ऐसी बातें कहां और क्यों गढ़ी जाती है।

दो और दो को पांच बनाने में माहिर भारतीय जनता पार्टी को बताना चाहिए कि अटल बिहारी वाजपेयी ने 1977 में रामलीला मैदान पर फिलिस्तीन के समर्थन में जो कहा था, उससे वह सहमत है या नहीं। उसकी नज़र में हमास और फिलिस्तीन अगर एक ही हैं तो उसे साफ़ करना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिलिस्तीन क्यों गए थे और क्यों उन्होंने वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान स्वीकार किया, क्यों यासिर अराफ़ात की कब्र पर उन्होंने फूल चढ़ाये। और अब विदेश मंत्रालय को यह कहने की ज़रूरत क्यों पड़ी कि भारत ने हमेशा से ही एक अलग और स्वतंत्र फ़िलिस्तीन राज्य का समर्थन किया है। साथ ही शांतिपूर्ण समाधान के लिए सीधी बातचीत की वकालत भी की है। क्या इज़राइल के साथ खड़े होने का ट्वीट करने के चार दिन बाद सरकार को अहसास हुआ कि उसे तटस्थ रहना चाहिये?

मज़े की बात है कि फिलिस्तीन पर सरकार की नीति को लेकर उससे पूछे गये सवालों पर जो सफाई भाजपा या सरकार को देनी थी, वह गोदी मीडिया ने दी कि भारत तो इज़राइल और फिलिस्तीन के मामले में हमेशा से तटस्थ रहा है और मोदीजी ने फिलिस्तीन का नहीं, बल्कि फिलिस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास और उसके हमले का विरोध किया है। इस तरह के हमलों के ख़िलाफ़ भारत की जो ज़ीरो टॉलरेंस की नीति है, मोदीजी के नेतृत्व में भारत उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। अच्छा है यदि सचमुच ऐसा हो रहा हो, लेकिन इज़राइल-फिलिस्तीन मामले में जब दूसरे तमाम देश प्रतिक्रिया देने के लिये सही समय का इंतज़ार कर रहे थे तब हमारी सरकार को किस बात की जल्दबाज़ी थी? क्या विश्वगुरु बनने की महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल थी कि थोड़ी देर के लिये ही सही, हर कसौटी पर जांची-परखी हुई अपनी विदेश नीति को हमने दरकिनार कर दिया?

सिंधिया के खिलाफ बन गया यह चुनाव

लोग पूछते हैं पांचों राज्यों में कांग्रेस सबसे ज्यादा सीटें कहां जीतेगी? मतलब कांग्रेस की जीत की संभावना सब जगह है लेकिन लोग इसमें से सबसे अच्छी जीत जानना चाहते हैं। मुश्किल सवाल है! लेकिन अब राहुल को मुश्किल सवाल हल करने में मजा आने लगा है इसलिए वे हर जगह मध्य प्रदेश को सबसे ऊपर रख रहे हैं। कह रहे हैं 150।

रविवार को पहले नवरात्रि से कांग्रेस ने टिकटों की घोषणा करना शुरू कर दी। पहली लिस्ट मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के टिकटों की निकाली है। मध्य प्रदेश की आधी से ज्यादा सीटों के उम्मीदवार घोषित कर दिए। 230 में से 144। बिना गुटबाजी के केवल जीत सकने की संभावना वाले उम्मीदवार। मध्य प्रदेश में पिछले 20 सालों में यह पहला मौका है जब कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं है। नहीं तो 2003 के बाद हर विधानसभा चुनाव कांग्रेस खुद को ही हराती रही है। मध्यप्रदेश में यह मजाक खूब किया जाता रहा है कि जनता तो कांग्रेस को जिताना चाहती है मगर कांग्रेसी भी पक्के हैं अड़ जाते हैं कि नहीं जीतेंगे!

पिछले 2018 के चुनाव में भारी गुटबाजी थी। ज्योतिरादियत्य सिंधिया सीईसी (केन्द्रीय चुनाव समिति) की बैठकों में किसी का लिहाज नहीं करते थे। परिवार के विशेष कृपापात्र थे इसलिए सोनिया और राहुल जो उस समय कांग्रेस अध्यक्ष थे के सामने कमलनाथ और दिग्विजय से उलझ जाते थे। अपने सबसे ज्यादा टिकट करवाए और फिर उनको लेकर भाजपा में चले गए। अब कांग्रेस से वह समस्या खत्म हो गई है। हमेशा के लिए तो नहीं कह सकते। सिंधिया कब वापस आ जाएं इसका भरोसा नहीं है। फिलहाल तो राहुल ने कहा है कि नहीं लेंगे। मगर जैसा कि अभी पुरानी संसद के केन्द्रीय कक्ष में सोनिया गांधी के पास आकर बैठ गए थे तो ऐसे वे कभी भी सोनिया गांधी से माफी मांगकर उनका मन पिघला सकते हैं।

खैर वह बाद की बात है अभी तो कांग्रेस के लिए राहत की बात यह है कि राज्य के दोनों वरिष्ठ नेता कमलनाथ और दिग्विजय एक साथ हैं। राज्य में कोई गुट नहीं है। जबकि इसके विपरीत मध्य प्रदेश भाजपा में पहली बार इतनी भयंकर गुटबाजी देखी जा रही है। सबसे मेहनती और लोकप्रिय भी शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री होते हुए भी किनारे धकेला जा रहा है। मैसेज साफ है कि अगर भाजपा जीत भी गई तो शिवराज इस बार मुख्ययमंत्री नहीं बनेंगे। और इस दीवार पर लिखे सत्य ने भाजपा के नेताओं की 20 साल से दबी हसरतों को फिर से उभार दिया है। कैलाश विजयवर्गीय, गोपाल भार्गव तो खुलेआम खुद को मुख्यमंत्री का दावेदार बताने लगे हैं। लेकिन जो चुप हैं वे केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया भी अपनी संभावनाएं देखने लगे हैं।

मजेदार यह है कि केन्द्रीय नेतृत्व को भी इससे कोई परेशानी नहीं है। वह गुटबाजी को रोकने की कोई कोशिश नहीं कर रही है। सीधा संकेत दे रही है कि चुनाव खुद मोदी जी लड़ रहे हैं। बाकी सब सामान्य

शकील अख्तर

अभी तो कांग्रेस के लिए राहत की बात यह है कि राज्य के दोनों वरिष्ठ नेता कमलनाथ और दिग्विजय एक साथ हैं। राज्य में कोई गुट नहीं है। जबकि इसके विपरीत मध्य प्रदेश भाजपा में पहली बार इतनी भयंकर गुटबाजी देखी जा रही है। सबसे मेहनती और लोकप्रिय भी शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री होते हुए भी किनारे धकेला जा रहा है। मैसेज साफ है कि अगर भाजपा जीत भी गई तो शिवराज इस बार मुख्ययमंत्री नहीं बनेंगे।

केंडिडेट या नेता हैं। केन्द्रीय मंत्रियों और सांसदों को चुनाव लड़ाकर भाजपा यही संदेश दे रही है कि शिवराज की सरकार जीत के काबिल नहीं है इसलिए बाहरी फौज उतारना पड़ी है।

शिवराज भी थोड़ी चुनौती देने की मुद्रा में आ गए हैं। करीब 18 साल से मुख्यमंत्री हैं। बहुत दबते हैं मगर एक सीमा होती है जब आदमी का स्वाभिमान बाहर आ जाता है। चुनाव की घोषणा के साथ ही शिवराज राज्य छोड़कर गंगा तट पर चले गए। वहां फोटो शूट करवाया। हाथ में नोटबुक लेकर हिसाब किताब लिखने का। अब किसका हिसाब लिख रहे हैं यह तो पता नहीं मगर कैमरा फेस मोदी जी की तरह ही बहुत कान्फिडेंस से किया।

अब शायद बीजेपी में पार्टी विथ डिफरेंस का मतलब यह हो गया है कि अलग-अलग कोणों से कौन अपने फोटो और वीडियो ज्यादा बेहतर बनवाता है। फोटो विथ डिफरेंस! मामा डिफरेंट रोल में आने लगे हैं। इतना साहस कि पूछ रहे हैं कि मुझे मुख्यमंत्री रहना चाहिए या नहीं। साथ ही ऐसा सवाल प्रधानमंत्री मोदी के लिए भी पूछकर और ज्यादा दुस्साहस दिखा रहे हैं। कह रहे हैं कि मोदी जी को फिर प्रधानमंत्री बनना चाहिए कि नहीं?

यह अपनी सीमाओं से बाहर जाकर सवाल पूछना है। भाजपा में इतना साहस किस का है जो मोदी बनेंगे या नहीं सोच भी सकता है। आज की तारीख में जो सोचना है वह मोदी जी को ही सोचना है। किसी नेता की तो बात छोड़िये पार्टी या संघ में भी इतनी ताकत नहीं बची है कि वह मोदी जी के बारे में कोई फैसला कर पाए। फैसला खुद मोदी जी ही करेंगे। ऐसे में शिवराज सिंह चौहान का यह दुस्साहस ही कहा जाएगा कि वे पूछ रहे हैं कि मोदी जी को बनाना चाहिए या नहीं!

नहीं कहने का अधिकार तो किसी के पास नहीं है। लेकिन शिवराज अप्रत्यक्ष रूप से मोदी जी को भी चुनौती दे रहे हैं। इसलिए मध्य प्रदेश का चुनाव अब बहुत दिलचस्प हो गया है। बीजेपी की आन्तरिक फूट और कांग्रेस की एकता इस चुनाव के अहम मुद्दे हैं। बाकी सिद्धांत, नीतियां, घोषणाएं अलग बात है। कांग्रेस ने बेहिचक भाजपा से आए हुए नेताओं को टिकट दे दिए।

सबसे महत्वपूर्ण तो दतिया में राज्य के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ भाजपा से आए अवधेश नायक को टिकट देना रहा। नरोत्तम दतिया से तीन चुनाव लगातार जीत चुके हैं। इससे पहले वे डबरा जिला ग्वालियर से लड़ते थे। मगर वह सीट रिजर्व होने के बाद 2008 से दतिया से लड़ रहे हैं। यहां कांग्रेस से उन्हें चुनौती देने वाला कोई नहीं था। मगर इस बार दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ने संघ से आए नेता अवधेश नायक को उनके मुकाबले उतारकर चुनाव दिलचस्प बना दिया है। नरोत्तम पिछला चुनाव कम वोटों से जीते थे। ऐसे ही कुछ और सीटों से भी कांग्रेस ने भाजपा से आए नेताओं को टिकट दिया है। मतलब साफ है जीत ही प्रमुख है। लंबे अरसे के बाद कांग्रेस ऐसा सोच रही है।

दरअसल इस चुनाव में कांग्रेस के मन में एक बात और है। ज्योतिरादित्य सिंधिया को सबक सिखाने की भावना। आम तौर पर कांग्रेस में ऐसा होता नहीं है। लेकिन सिंधिया के विश्वासघात से जिस तरह यहां कांग्रेस सरकार गई है वह कांग्रेसी तो कांग्रेसी जनता भी नहीं भूली है। ग्वालियर चंबल संभाग जिसे सिंधिया अपना घर कहते हैं वहां इसे विश्वासघात जैसा किताबी लफ्ज़ नहीं कहा जा रहा। सीधा गद्दारी बोला जा रहा है। इसलिए ज्योतिरादित्य खुद चुनाव लड़ने से डर रहे हैं। भाजपा ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों को चुनाव मैदान में उतार दिया है। जिसमें ग्वालियर चंबल संभाग से ही आने वाले नरेन्द्र सिंह तोमर भी हैं। ऐसे में सिंधिया का चुनाव लड़ने से बचना मुश्किल ही लग रहा है। उधर कांग्रेस के नेता उन्हें लगतार चुनाव लड़ने की चुनौती दे रहे हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता डॉ. गोविन्द सिंह ने उन्हें अपने खिलाफ लहार जिला भिंड, ग्वालियर चंबल इलाके से ही लड़ने की चुनौती दी है।

सिंधिया बहुत असमंजस में हैं। खुद को चुनाव लड़ने से बचाने की कोशिश के साथ ही उन्हें अपने साथ भाजपा में आए लोगों को टिकट दिलाने का भी बड़ा काम करना है। भाजपा अभी तक 136 उम्मीवार घोषित कर चुकी है। मगर ग्वालियर चंबल संभाग में सिंधिया समर्थक चार मंत्रियों और एक विधायक को अभी तक टिकट नहीं मिला है।

सिंधिया के लिए केवल कांग्रेस ही समस्या नहीं है भाजपा के नेता भी उन्हें निपटाने में उसी ताकत से लगे हैं। पुराने नेता अपनी सीटें सिंधिया के लोगों के लिए छोड़ने को तैयार नहीं है। सिंधिया के लिए दोई दीन से गए वाली हालत हो गई है। न हलवा मिल रहा है न मांडे!

असम के मुख्यमंत्री सांप्रदायिक दिशा में चला रहे हैं भाजपा का चुनावी अभियान

■ आशीष विश्वास

असम में, मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा शर्मा ने विपक्ष के भ्रष्टाचार के नये आरोपों का जवाब देते हुए, 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए चुनाव पूर्व अभियान में विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए तीखा जवाबी हमला किया है। अन्य राज्यों के विपरीत, असम में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में थोड़ी बेहतर स्थिति में है, विभाजित विपक्ष के भीतर एकजुटता की निरंतर कमी से कुछ हद तक इसमें मदद मिली है।

भाजपा ने सांप्रदायिक आधार पर मतदाताओं के बीच ध्रुवीकरण के लिए एक उच्च-स्तरीय अभियान शुरू कर दिया है। इसके नेता कांग्रेसियों पर निशाना साध रहे हैं, जिसे उनकी पुरानी 'मुसलमानों के तुष्टिकरण की नीति' के रूप में वर्णित किया गया है। हाल ही में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के बयान में गाजा में इजरायली बलों और सशस्त्र मुस्लिम हमास समूह के बीच संघर्ष को समाप्त करने का आह्वान किया गया है, जिसने भाजपा को विपक्ष को मात देने के लिए एक और छड़ी प्रदान की है।

जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमास द्वारा उसके क्षेत्र पर हमले के बाद इजरायल के लिए भारत के समर्थन को जोरदार ढंग से रेखांकित किया है, तथा फिलिस्तीन समर्थक भावनाओं को कोई रियायत नहीं दी है, वहीं दूसरी ओर, सीडब्ल्यूसी की अपील में गाजा पट्टी पर संकटग्रस्त 23 लाख मुस्लिम आबादी की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों का उल्लेख किया गया है। वे वर्षों से कठोर इज़रायली कब्जे वाली सेना के अधीन रह रहे हैं।

छोटी पार्टियां, जैसे रायसर दल और असम जातीय परिषद भाजपा का विरोध करते हैं लेकिन अभी तक व्यापक गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। दिलचस्प बात यह है कि आम आदमी पार्टी (आप), जिसने कुछ समय पहले गुवाहाटी नगर निगम चुनावों में एक वार्ड जीतकर असम में अपना कदम रखा था, ने कमल मेधी, जो पहले रायसर दल के नेता थे, को अपने पाले में करने में कामयाब रही है।

इस प्रक्रिया में, श्री मोदी ने किसी भी स्तर पर किसी भी परामर्श के बिना, स्थायी अरब-इजरायल संघर्ष के प्रति भारत की विदेश नीति के पारंपरिक गुटनिरपेक्ष जोर को उलट दिया। कई दिनों बाद 12अक्टूबर को, भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने, स्पष्ट रूप से मुस्लिम राष्ट्रों के बड़े समूह पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में सोचते हुए, फिलिस्तीनी संघर्ष के लिए भारत सरकार के पुराने समर्थन की पुष्टि करके मामले को संतुलित किया।

यह प्रधानमंत्री मोदी के पहले एकतरफा इजरायल समर्थक बयान से भाजपा के अस्थायी रूप से पीछे हटने का एक दुर्लभ उदाहरण था, इसका तेजी से टालमटोल वाला कदम निस्संदेह कांग्रेस के शांत रुख से प्रभावित था। सीडब्ल्यूसी द्वारा फिलिस्तीनियों के प्रति सहानुभूति और समर्थन की भारत की पिछली प्रतिबद्धता को दोहराने के साथ कांग्रेस की प्रतिक्रिया एक अपेक्षित मार्ग का पालन कर रही है।

ऐसा नहीं है कि चुनाव पूर्व अभियान के वर्तमान चरण के दौरान असम में इस तरह के सूक्ष्म सामरिक बदलावों से बहुत फर्क पड़ता है। श्री शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा विपक्ष पर हमला करने में लगातार अपने केंद्रीय नेतृत्व से भी आगे रहती है।

एक उदाहरण: भाजपा ने पश्चिम एशियाई संघर्ष पर मुस्लिम वोट-बैंक के विचारों के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए एक बार फिर कांग्रेस की निंदा की तथा राज्यवर्धन राठौड़ जैसे नेताओं ने एक आरोप लगाया। यह कांग्रेस के बयान को इंगित करने के लिए असम में भाजपा पर छोड़ दिया गया था जो पाकिस्तानी नेताओं द्वारा व्यक्त की गई भावनाओं से अलग नहीं था।

यह चाल इस मायने में कारगर साबित हुई कि शर्मा के आलोचकों को भी यह स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि चुनाव पूर्व चरण में कड़वी बहस के स्तर को अप्रत्याशित रूप से बढ़ाकर, प्रदेश भाजपा ने विपक्ष को एक कोने में धकेल दिया। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने एक प्रभावी उत्तर देते हुए बताया कि कैसे पूर्व भाजपा प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कांग्रेस द्वारा तैयार की गई गुटनिरपेक्ष विदेश नीति को जारी रखा था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त क्षेत्र के लिए फिलिस्तीनियों के संघर्ष को भारत के निरंतर समर्थन को रिकॉर्ड में रखा था।

लेकिन असम या अन्य जगहों पर कट्टरपंथी भाजपा नेता श्री गोगोई के तथ्यात्मक रूप से सही जवाब से प्रभावित नहीं हुए। उन्होंने कहा कि 'हर कोई जानता है कि वर्तमान भाजपा, दिवंगत वाजपेयी या अब भी एल.के. अडवाणी जैसे नेताओं के प्रति दिखावा करती है'। पश्चिम बंगाल में पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'आडवाणी ने संसद के अंदर और बाहर या आधिकारिक नीति-निर्माण में व्यवहार के बहुलवादी मानदंडों का ईमानदारी से पालन करने वाली अपनी पिछली कार्यशैली को बिना सोचे-समझे त्याग दिया है।' श्री गोगोई इस बारे में शायद ही नासमझ थे।

जहां तक नये इंडिया गठबंधन के तत्वावधान में बहुचर्चित विपक्षी एकजुटता की बात है, तो असम में बहुत अधिक प्रगति नहीं हुई है। राज्य स्थित टीएमसी ने सुझाव दिया कि कांग्रेस और गैर-भाजपा दलों के साथ सीट समायोजन पर बातचीत शुरू होनी चाहिए, लेकिन इंडिया के घटकों की ओर से कोई हलचल नहीं हुई है, हालांकि वे जानते हैं कि भाजपा चुनावी लड़ाई के लिए तैयार है।

दुर्भाग्य से, प्रदेश कांग्रेस बेहद झगड़ालू गुटों में बंटी हुई है, भूपेन बोरा जैसे वरिष्ठ नेता पार्टी भी अंदरूनी झगड़ों में उलझे हुए हैं। सांसद बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व वाले अल्पसंख्यक-आधारित ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) ने कांग्रेस के साथ सीट समायोजन पर बातचीत शुरू करने का प्रयास किया था, लेकिन कांग्रेस ने अब तक कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

उनके आलोचकों के अनुसार, पूर्वोत्तर क्षेत्र में सबसे बड़े मुस्लिम नेता के रूप में उभरने के अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, अजमल ने हाल के वर्षों में कुछ और प्रभाव खो दिया है। एआईयूडीएफ की किस्मत में गिरावट हाल के चुनावों में पार्टी की हार में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई है।

छोटी पार्टियां, जैसे रायसर दल और असम जातीय परिषद भाजपा का विरोध करते हैं लेकिन अभी तक व्यापक गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। दिलचस्प बात यह है कि आम आदमी पार्टी (आप), जिसने कुछ समय पहले गुवाहाटी नगर निगम चुनावों में एक वार्ड जीतकर असम में अपना कदम रखा था, ने कमल मेधी, जो पहले रायसर दल के नेता थे, को अपने पाले में करने में कामयाब रही है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित आप के शीर्ष नेताओं के असम अभियान में सक्रिय रूप से शामिल होने के साथ, स्थानीय पार्टी नेताओं को भरोसा है कि उच्च स्तर के भ्रष्टाचार और भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ उनका अभियान क्षेत्र में नये, युवा मतदाताओं और नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को पसंद आयेगा।

कांग्रेस नेताओं के एक वर्ग ने कुछ दिन पहले ही एक सार्वजनिक समारोह में अन्य विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का अपने खेमे में शामिल होने के लिए स्वागत करने के विचार का समर्थन किया था। कुछ नेताओं को असम गण परिषद के नेताओं के साथ जुड़ने की उम्मीद थी। यह भाजपा के लिए एक बड़ा झटका होता, जिसकी अगप एक मजबूत सहयोगी है।

दुर्भाग्य से, दूसरी पंक्ति के स्थानीय क्षेत्र के नेताओं को छोड़कर, कुछ अन्य पार्टियों से, कोई भी महत्वपूर्ण या प्रतिष्ठित व्यक्ति कांग्रेस में शामिल नहीं हुआ, जिससे कांग्रेसियों का छुपा हुआ मोहभंग हुआ।

हालांकि, जैसा कि चुनाव पूर्व अभियान जारी है, विपक्षी नेताओं को उम्मीद है कि चुनाव आने तक, आम लोगों के लिए अपने विशिष्ट राजनीतिक कार्यक्रमों और परियोजनाओं के साथ एक व्यापक भाजपा विरोधी राजनीतिक मंच तैयार हो जायेगा।

गुरवाणी विचार

लेखे छोड़ि अलेखे छूटे हम निर्गुण लेहो उबारी

बारह माह महिना कार्तिक
कतिकि करम कमावने दोस न काहू जोगु
परमेसर ते भुआं-विआपन सभै रोग
वेमुख होवे राम ते लगनि जनम विजोग
खिन माई कौड़े होय गये जितड़े माइआ भोग
कीता कछु न होवई-लिखिया-धुर संजोग
वड़भागी मेरा प्रभु मिलै- तां उतरहि सभ वियोग
नानक कौ पभु राख लेहो-मेरे साहिब बंदी मोच
कातिकि होवे साध संग विनसहि सभै सोच।

गुरवाणी की यह पंक्तियां राग मांझ के बारह माह से ली गई है जो गुरुग्रंथ के बारह माह से ली गई है के 135 अंग पर सुशोभित है। इन पंक्तियों द्वारा पांचवें नानक गुरु अर्जुन देव जी मानव मन को कातिक माह का उदाहरण देकर समझा रहे हैं कि हम जैसे भी कर्म करते हैं। उस किए गए कर्म के हिसाब से हमें प्रभु परमात्मा दंड या इनाम तजवीज करते हैं क्योंकि प्रभु परमात्मा के दरबार में धर्मराज की कचहरी में चित्रगुप्त द्वारा रखा जा रहा है तो फिर हम दोष किसे देवेंगे। हमने कर्म किया होगा उसी के हिसाब से हमें दंड या इनाम मिलने वाला है। दंड के रूप में फिर वापिस धरा पर कीड़े मकौड़े की योनि में जनम हो सकता है और इनाम के रूप में प्रभु के सांचे दरबार में स्थान प्राप्त हो सकता है जहां फिर सदा आनंद ही आनंद अनुभूति होती रहेगी। इसीलिए इंसान को चाहिए कि हमेशा प्रभु परमात्मा का सिमरन करते रहे।

परमेश्वर को विसारने पर हर प्रकार की व्याधि हमें आ घेरती है। जहां से हमने प्रभु परमात्मा की सिमरन बंदगी से मुंह मोड़ा वहीं से हमें तरह-तरह की व्याधियां आ घेरती हैं। हर प्रकार के सुख-सुविधा के साधन हमें क्षण मात्र में छोड़ देते हैं। इसका दोष हम किसे दें। दोष तो हमारे द्वारा किए गए कर्मों का है। जिसके कारण हमें तरह-तरह के कष्टों का सामना करना पड़ता है। उसका कोई उपचार भी नहीं है जो धुर से लिखा हुआ है, वहीं होना है। गीता द्वारा भी हमें यही बात समझाई गई है। जैसा कर्म करेगा वैसा फल देगा इसीलिए गुरवाणी द्वारा भी हमें समझाया गया है कि-

कदा दोष न देहू काहू दोष करमां आपनिया।
जो किया सो मैं पाया दोष न दीजै अवर जना।।

इसीलिए गुरवाणी द्वारा हमें समझाया गया है कि हमेशा नेक कर्म करना चाहिए। प्रभु भक्ति में मन रमाना चाहिए तभी हमें प्रभु परमात्मा की प्रसन्नता प्राप्त हो सकती है और प्रभु की कृपा दृष्टि प्राप्त हो जाए तो फिर हमें किसी भी प्रकार की फिकर चिन्ता नहीं रह जाएगी। इसीलिए हमें हर वक्त प्रभु परमात्मा से अरदास करते रहना चाहिए।

हे प्रभु, ऐसी मति दीजै मेरे ठाकुर।
सदा सदा तुध धियाईं।।

पर हमारे बड़े अच्छे भाग होंगे तभी हमें इस तरह की बुद्धि प्रभु कृपा से प्राप्त हो पाएगी। इसीलिए हर वक्त प्रभु परमात्मा से विनती करते रहना चाहिए कि अगर प्रभु परमात्मा हमारे द्वारा गए गए कर्मों का हिसाब करने लग जाएंगे तो फिर हमें कहीं जगह नहीं मिलेगी।

लेखे छोड़ि अलेखे छूटे हम निर्गुण लेहो उबारी।
नानक दास संत पाछे परियो राख लेहो ऐह बारी।।

प्रभु परमात्मा हमारे पर तरस करते हुए हमारे द्वारा किए कर्मों का लेखा-जोखा न करे और हमें अपनी शरण में लेकर अपने चरणों में स्थान दे देवें तभी हमारा मानव जीवन पाकर आना सार्थक हो पाएगा।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

दुर्गम गांव में नेटवर्क भी मुश्किल

कभी कभी ऐसा लगता है कि एक भारत में दो देश बस रहा है। एक वह भारत जो शहरीकरण का रूप है। जहां आधुनिक टेक्नालॉजी से सुसज्जित सभी सुविधाएं मौजूद हैं। जहां जीने की सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। जहां उन्नत सड़कें, अस्पताल, बच्चों के लिए स्कूल, आवागमन के सभी साधन, बिजली और पानी जैसी ज़रूरत की सभी चीज़ें उपलब्ध हैं। जहां नेटवर्क इतनी तेज़ सुविधा है कि एक क्लिक में आप अपनी मनपसंद की चीज़ें मंगवा सकते हैं। लेकिन इसी भारत का एक दूसरा रूप ग्रामीण क्षेत्र है। जो अपनी बुनियादी ज़रूरतों के लिए भी तरसता है। शहरों से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में फिर भी विकास हुआ है, लेकिन दूर दराज़ के कई ऐसे गांव हैं जहां अन्य सुविधाओं की बात तो दूर, नेटवर्क जैसी सुविधा तक मयस्सर नहीं है। इन इलाकों के लोग जहां अपनों से बात करने के लिए तरस जाते हैं वहीं युवा और छात्र रोज़गार और शिक्षा में पिछड़ रहे हैं।

इस संबंध में 11वीं में पढ़ने वाली गांव की एक छात्रा योगिता कहती हैं कि मुझे अपनी पढ़ाई से संबंधित नवीनतम जानकारियों के लिए इंटरनेट का सहारा लेना पड़ता है। कई बार क्लासें ऑनलाइन भी हो जाती हैं। लेकिन नेटवर्क की कमी के कारण न तो मुझे कोई जानकारी उपलब्ध हो पाती है और न ही मैं अपने विषय में अपडेट रह पाती हूं। कई बार ऑनलाइन क्लास में शामिल होने के लिए मुझे घर से बहुत दूर पहाड़ों पर जाना पड़ता है। यदि गांव में नेटवर्क की पूरी सुविधा होती तो मुझे ऑनलाइन क्लास के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वहीं गांव के एक युवा बताते हैं कि आजकल नौकरी के लिए विज्ञापन से लेकर आवेदन भरने तक सभी चीज़ें ऑनलाइन हो गई हैं। गांव में नेटवर्क की सुविधा नहीं होने के कारण कई बार हमें विज्ञापन के प्रकाशित होने की सूचना तब मिलती है जब उसकी अंतिम तिथि होती है या वह निकल चुकी होती है। युवा आवेदन भरने के लिए शहरों के साइबर कैफे जाते हैं लेकिन हम जैसे आर्थिक रूप से कमज़ोर आवेदकों के लिए बार बार पैसे खर्च करके शहर जाना बहुत मुश्किल होता है।

40 वर्षीय किशन कहते हैं कि मैं पेयजल विभाग में काम करता हूं। पानी से संबंधित लोगों की शिकायतों को दूर करना मेरी ज़िम्मेदारी है। लेकिन गांव में नेटवर्क की समस्या होने के कारण लोग मुझे कॉल नहीं कर पाते हैं। कई बार उनके संदेश मुझ तक पहुंच भी नहीं पाते हैं और उन्हें अकारण ही कई दिनों तक समस्याओं से जूझना पड़ता है। किशन कहते हैं कि दैनिक दिनचर्या में पानी कितना महत्वपूर्ण है, मैं भी समझता हूं, इसलिए सूचना मिलते ही मैं समस्या के निवारण के लिए निकल पड़ता हूं। लेकिन नेटवर्क की समस्या के कारण लोग मुझसे संपर्क नहीं कर पाते हैं तो इसमें मेरा क्या दोष है? वह कहते हैं कि यदि गांव में नेटवर्क की समस्या दूर हो जाए तो गांव वालों की आधी परेशानी खत्म हो जायेगी। बहरहाल, सवाल यह उठता है कि आखिर उनके गांव के साथ ऐसा व्यवहार क्यों? उन लोगों को नेटवर्क जैसी सुविधाओं से भी वंचित क्यों रखा जाता है? उनकी समस्याओं पर स्थानीय प्रशासन या जनप्रतिनिधि गंभीरता से ध्यान क्यों नहीं देते हैं?

निशा दानू, कपकोट, उत्तराखंड

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

लेबनान में इजरायली हमलों में एक हिज्बुल्ला लड़ाके की मौत

बेरूत। शीबा फार्म्स को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमलों में लेबनानी सैन्य समूह हिजबुल्ला का एक लड़ाका मारा गया। शिया समूह के एक बयान के अनुसार, हमलों में दो आम नागरिकों की भी मौत हो गई। लेबनानी सैन्य सूत्रों ने शनिवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि दक्षिण-पूर्व लेबनान के शेबा शहर के बाहरी इलाके में एक व्यक्ति के घर पर गोला गिरने से उसकी और उसकी पत्नी की मौत हो गई। इस इलाके में हिजबुल्ला और इजरायली बलों के बीच गोलाबारी तेज हो गई है।

इजरायल व हमास जंग में अब तक 3500 से ज्यादा लोगों की मौत

यरूशलेम, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। फिलिस्तीनियों को उत्तरी क्षेत्रों से पलायन करने के लिए थोड़ा और समय देने के बाद, इजरायल ने अपने इतिहास में सबसे घातक हमले का मुंहतोड़ जवाब देने की कसम खाई है। इजरायल ने रविवार को गाजा में जमीनी हमले की तैयारी के लिए दबाव डालाना शुरू किया। इजरायल और हमास के बीच जारी जंग में अब तक 3500 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

- गाजा में 2,200 से ज्यादा लोग मारे जा चुके
- हमास हमले में 1,300 से ज्यादा इजरायली की मौत

दरअसल फिलिस्तीन से जुड़े हमास समूह की ओर से किए गए इस हमले में 1,300 से ज्यादा इजरायली मारे गए, जिसकी तुलना इजरायल ने अमेरिका में 9/11 से की है और हमास को लक्षित करते हुए बड़े पैमाने

पर जवाबी बमबारी अभियान शुरू किया, जिससे गाजा में 2,200 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

इजरायल ने फिलिस्तीनी क्षेत्र के उत्तर में रहने वाले लगभग 11 लाख गाजा निवासियों को जमीनी घुसपैठ करने से पहले दक्षिण की ओर जाने की चेतावनी दी है, जिसके बारे में सेना ने संकेत दिया है कि वह गाजा सिटी पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो हमास समूह के नेतृत्व का आधार है। इजरायली सेना ने कहा कि गाजा सिटी के निवासियों को पलायन करने में देरी नहीं करनी चाहिए, लेकिन एक प्रवक्ता ने शनिवार देर रात कहा कि जमीनी हमले से पहले उनके पास पलायन करने का अभी भी समय है।शुक्रवार से गाजा के हजारों लोग, जो इजरायल और मिस्र दोनों द्वारा अवरुद्ध होने के कारण एन्क्लेव को नहीं छोड़ सकते हैं, मलबे से भरी सड़कों पर घूमने के लिए बैग और सूटकेस में अपना सामान पैक कर रहे हैं। इजरायल ने शनिवार को उत्तरी गाजा पर ताजा हवाई हमला किया। दक्षिणी इजरायली शहर स्डेरोट के पास एएफपी के संवाददाताओं ने घनी आबादी वाले इलाके में सैनिकों को गोलीबारी करते देखा, जिससे आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। इजरायली सेना ने शनिवार को कहा कि हमास द्वारा अपहरण किए गए दर्जनों बंधकों में से कुछ के शव गाजा में अभियानों के दौरान प्राप्त हुए। हमास ने इससे पहले कहा था कि इजरायली बमबारी में 22 बंधक मारे गए हैं। इस बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इससे पहले सीमा पर अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों से मुलाकात की थी, जिससे आक्रमण की आशंका बढ़ गई थी।

इजराइल की कार्रवाई आत्मरक्षा से परे : वांग यी

बीजिंग। चीन ने रविवार को कहा कि कि इजराइल की कार्रवाई आत्मरक्षा के दायरे से बाहर चली गयी है और देश को फिलिस्तीनियों को सामूहिक सजा देना बंद कर देना चाहिए। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने सऊदी अरब में अपने समकक्ष फैसल बिन फरहान अल सऊद से आज फोन पर बातचीत में यह बात कही। यहां जारी बयान में कहा गया है कि इजरायल की कार्रवाई आत्मरक्षा से आगे बढ़ गयी है तथा उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र महासचिव के आह्वान पर गंभीरता से ध्यान देते हुए गाजा पट्टी के निवासियों को सामूहिक रूप से दंडित करना बंद करना चाहिए।

इजरायल ने सीरिया के अलेप्पो हवाई अड्डे पर दागी मिसाइल

दमिश्क। इजरायल ने शनिवार रात उत्तरी सीरिया के अलेप्पो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मिसाइल दागी। सीरियाई सरकारी टीवी के अनुसार तीन दिनों के भीतर हवाई अड्डे पर होने वाला इजरायल का यह दूसरा हमला है। एक रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को इजरायल ने राजधानी दमिश्क और अलेप्पो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर हमला किया, जिससे रनवे को नुकसान पहुंचाने के बाद उन्हें अस्थायी रूप से सेवा से बंद कर दिया गया। शनिवार को सीरियाई परिवहन मंत्रालय ने कहा कि क्षति ठीक होने के बाद अलेप्पो हवाई अड्डे पर सेवाएं बहाल कर दी गयी हैं। हमले से हुयी क्षति का आकलन किया जा रहा है।

सुडोकू 6348

3		2				8		
					7		2	
	1	6			8			9
					5		9	
5			1		4			7
	4		6					
1			9			3	7	
	3		7					
		4				1		5

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 16 अक्टूबर, 2023 आश्विन शुक्ल पक्ष 2

राशिफल

मेष -आज आप समाज और आम लोगों से वाहवाही प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही आपको आर्थिक लाभ भी हो सकता है। परिवार और वैवाहिक जीवन सुख और संतोष से भरपूर रहेगा। वाहनसुख प्राप्त कर सकेंगे।

वृषभ -शारीरिक मानसिक स्वस्थता के कारण आप अपना काम पूरा कर सकेंगे। आपको आर्थिक लाभ होगा। अस्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होगा। ननिहाल से अच्छा समाचार मिलेगा। ऑफिस में सहकर्मी आपकी मदद करेंगे।

मिथुन -नए काम शुरू करने के लिए समय अच्छा नहीं है। आपको जीवनसाथी और संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। किसी के साथ चर्चा में स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है, सावधान रहना जरूरी है।

कर्क -आपको आज आलस और भय का अनुभव होगा। मन में हताशा छा जाएगी। छाती में कोई पीड़ा या तकलीफ हो सकती है। परिजनों और सगे संबंधियों के साथ चर्चा और विवाद हो सकता है। नींद नहीं आएगी।

सिंह -आज आपका शरीर और मन प्रसन्न रहेगा। भाई-बंधुओं के साथ का समय अधिक आत्मीयतापूर्ण रहेगा। मित्रों और संबंधियों के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं। प्रिय व्यक्ति के साथ आनंदपूर्वक समय व्यतीत कर सकेंगे।

कन्या -आज आपके परिवार में सुख- शांति बनी रहेगी और परिजनों के साथ आनंद मना सकेंगे। आज आपकी वाणी से लोग प्रभावित होंगे। प्रवास की संभावना है। मिष्ठान्न का आनंद पा सकेंगे। आयात- निर्यात के व्यवसाय में लाभ होगा।

तुला -आज आपकी रचनात्मक क्षमताएं प्रदर्शित होंगी। आप कुछ सृजनशील प्रवृत्तियां भी करेंगे। वैचारिक दृढ़ता के कारण सभी काम में आप सफल हो सकेंगे। आप वस्त्राभूषण, मौज-शौक के साधन तथा मनोरंजन के पीछे खर्च करेंगे।

वृश्चिक -आज मौज-शौक और मनोरंजन के पीछे पैसे खर्च करेंगे। आपका स्वास्थ्य नरम-गरम रहा करेगा। आपके साथ दुर्घटना होने की संभावना है, इसलिए संभलकर चलने की सलाह दी जाती है।

धनु -आप रोमांस के सुखद पल का आनंद उठा सकेंगे। आज का दिन आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक क्षेत्र के लिए अच्छा है। पारिवारिक जीवन में सुख शांति का वातावरण रहेगा।

मकर -आपको बिजनेस में लाभ होने की संभावना है। आर्थिक और प्रवास की योजना बनाने की दृष्टि से भी अच्छा है। सरकारी कामकाज सरलता से पूरे होंगे। अधिकारी आपके काम से बेहद खुश होंगे। नौकरी में पदोन्नति हो सकती है।

कुंभ -आज आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा न होने पर भी आप मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। आज काम करने का आपका मन नहीं होगा। नौकरी में उच्च पदाधिकारियों से सावधान रहना आवश्यक है।

मीन -आपको अचानक आर्थिक लाभ होने की संभावना है। शरीर और मन में थकान और अस्वस्थता का अनुभव होगा। पेट की तकलीफ तथा सर्दी, दमा और खांसी की संभावना है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1905 - लार्ड कर्जन ने बंगाल का प्रथम विभाजन किया।
1939-द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने ब्रिटिश क्षेत्र पर पहला हमला किया।
1944-प्रसिद्ध तबला वादक लच्छू महाराज का जन्म।
1948-बॉलीवुड अभिनेत्री हेमा मालिनी का जन्म।
1948-ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का जन्म।
1951-पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की रावलपिंडी में गोली मारकर हत्या।
1959-राष्ट्रीय महिला शिक्षा परिषद की स्थापना।
1964-चीन ने अपना पहला परमाणु विस्फोट किया।
1968-हरगोविंद खुराना को चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
1984-दक्षिण अफ्रीका के सामाजिक कार्यकर्ता डेसमंड टुटु को शांति के लिये नोबेल पुरस्कार दिया गया।
1999-अमेरिका ने सैन्य शासन के विरोध में पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाया।
2003-मलयाली फिल्मकार अडूर गोपाकृष्णन को फ्रांस के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'कमांडर ऑफ द आर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लैटर्स' से सम्मानित किया गया।
2004-अमेरिका ने इराकी अबू मुसार जल जरकावी के संगठन को आतंकवादी संगठन घोषित किया।
2011-भारतीय मूल के धावक 100 वर्षीय फौजा सिंह ने सबसे अधिक उम्र में टोरंटो वाटर फ्रंट मैराथन पूरी की।
2012-सौरमंडल के बाहर एक नए ग्रह 'अल्फा सेंचुरी बीबी' का पता चला।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में छह आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में उत्तरी पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार देर रात सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में कम से कम छह आतंकवादी मारे गये तथा एक सैनिक की मौत हो गयी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से जारी बयान के मुताबिक सुरक्षा बलों ने जिले के मीर अली इलाके में कल देर रात अभियान छेड़ा था। इसी दौरान सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में छह आतंकवादी मारे गये जबकि आठ अन्य घायल हो गए। वहीं एक सैनिक की मौत हो गयी। बयान में कहा गया है कि मारे गये आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए हैं।

सीपीईसी के तहत राजमार्ग समझौते पर पाक व चीन करेंगे हस्ताक्षर

इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कार्यवाहक पाक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर की 16 अक्टूबर से शुरू होने वाली बीजिंग की आगामी चार दिवसीय यात्रा के दौरान चीन और पाकिस्तान के बीच मोटरवे और राजमार्गों के संबंध में महत्वपूर्ण समझौता होगा। इन समझौतों पर चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत हस्ताक्षर किए जाएंगे।

पीएम काकर 17 से 18 अक्टूबर तक बीजिंग में आयोजित होने वाले 'थर्ड बेल्ट एंड रोड फोरम (बीआरएफ) फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन' में भाग लेने के लिए चीन का दौरा कर रहे हैं। पीएम कार्यालय ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री बीआरएफ के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे और कनेक्टिविटी इन एन ओपन ग्लोबल इकोनॉमी नामक हाई-लेवल फोरम को संबोधित करेंगे। पाकिस्तान के लिए, हस्ताक्षरित किए जाने वाले महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) में से एक चीनी सहायता से एक आधुनिक राजमार्ग अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (एचआरटीसी) की स्थापना से संबंधित है।

तालिबान चीन के बेल्ट एंड रोड फोरम में शामिल होगा

काबुल। तालिबान चीन के बेल्ट एंड रोड फोरम में शामिल होगा, जो किसी भी सरकार द्वारा औपचारिक मान्यता की कमी के बावजूद प्रशासन के साथ बीजिंग के बढ़ते आधिकारिक संबंधों को रेखांकित करेगा। तालिबान के अधिकारियों और मंत्रियों ने कई बार क्षेत्रीय बैठकों में हिस्सा लिया है, जिनमें से ज्यादातर अफगानिस्तान पर केंद्रित थीं। लेकिन बेल्ट एंड रोड फोरम सर्वोच्च-प्रोफाइल बहुपक्षीय शिखर सम्मेलनों में से एक है, जिसमें भाग लेने के लिए इसे आमंत्रित किया गया है। यह मंच राष्ट्रपति शी जिनपिंग की महत्वाकांक्षी वैश्विक बुनियादी ढांचे और ऊर्जा पहल की 10वीं वर्षगांठ का प्रतीक है।

इराक में तुर्की के ड्रोन हमले में तीन कुर्द आतंकवादी मारे गए

बगदाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तरी इराक में शनिवार को तुर्की के ड्रोन हमले में कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के एक वरिष्ठ सदस्य और दो आतंकवादी मारे गए। यह जानकारी अर्ध-स्वायत्त कुर्दिस्तान क्षेत्र की आतंकवाद-रोधी सेवा ने एक बयान में दी। बयान के अनुसार, वे स्थानीय समयानुसार शाम 5:30 बजे मारे गए जब तुर्की के एक ड्रोन ने दुहोक प्रांत के अमेदी शहर के पास एक सड़क पर उनके वाहन पर हमला किया। तुर्की सेना अक्सर पीकेके के खिलाफ उत्तरी इराक में जमीनी अभियान, हवाई हमले और तोपखाने की बमबारी करती है, विशेष रूप से कांदिल पर्वत में, जो समूह का मुख्य आधार है।

गौरतलब है कि पीकेके को तुर्की, अमेरिका और यूरोपीय संघ ने एक आतंकवादी संगठन घोषित किया हुआ है जो तीन दशकों से ज्यादा समय से तुर्की सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहा है।

रूस ने 27 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए

मॉस्को। रूसी वायु रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसने 27 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया है, जिनमें से 18 को रूस के कुर्स्क क्षेत्र में नष्ट कर दिया गया। मंत्रालय ने टेलीग्राम पर कहा कि आज रात, कीव द्वारा रूसी क्षेत्र में वस्तुओं पर फिक्स्ड-विंग ड्रोन का उपयोग करके आतंकवादी हमला करने का प्रयास रोक दिया गया। वायु रक्षा प्रणालियों ने 27 यूक्रेनी ड्रोन को रोक दिया, जिनमें से कुर्स्क क्षेत्र पर 18 और बेलगोरोड क्षेत्र पर दो हवा में नष्ट कर दिये गए।

अफगानिस्तान में भूकंप से एक की मौत, 35 घायल

हेरात, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में रविवार को भूकंप के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। प्रांतीय सरकार के एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया, स्थानीय समयानुसार आज सुबह 8:06 बजे हेरात में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 मापी गयी। भूकंप का केंद्र जिंदाजान जिले में था। भूकंप से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 35 घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बयान में कहा गया है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रविवार सुबह हेरात और उसके आसपास कुछ ही मिनटों में दोबार भूकंप के झटके महसूस किए गए। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर को हेरात प्रांत में, भूकंप के कारण 2,000 से अधिक लोग मारे गए और हजारों घायल हो हुए थे। इसके बाद से हेरात में कई बार भूकंप के कई झटके महसूस किए गए हैं।

कूटनीति अमेरिका को मात देने का मौका ढूंढ रहा रूस

रूस ने मध्य पूर्व में फैली हिंसा के लिए अमेरिकी को दोषी ठहराया

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूक्रेनी युद्ध के बाद साइड कर दिए गए रूस ने हमास और इजरायल के बीच शत्रुता शुरू होने के कारण अपने प्राथमिक प्रतिद्वंद्वी पर हमला करने का एक अवसर देखा, इसके शीर्ष नेतृत्व ने मध्य पूर्व में फैली हिंसा के लिए अमेरिकी एकाधिकार को दोषी ठहराया और खुद को इजरायल और फिलिस्तीनियों के बीच मध्यस्थ के रूप में पेश किया है। पश्चिमी शक्तियों और उनके सहयोगियों को छोड़कर दुनिया के अधिकांश देशों की तरह,रूस ने हिंसा के नए चक्र के लिए दोष बांटने में अधिकतमवादी रुख अपनाने से परहेज किया है।

रूस ने इस बात पर जोर दिया है कि अलग फिलिस्तीनी देश के बिना क्षेत्र में शांति नहीं हो सकती है। एक महत्वपूर्ण भूमिका का लक्ष्य रखते हुए रूस ने इजरायलियों और फिलिस्तीनियों के बीच बातचीत आयोजित करने के लिए बहुपक्षीय दृष्टिकोण चौकड़ी को पुनर्जीवित करने की भी मांग की। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस सप्ताह की शुरुआत में इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद अल-सुदानी के साथ बातचीत की थी।

इसके बाद उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा था कि मध्य पूर्व में चल रहे संकट ने संघर्षों को हल करने में वाशिंगटन की असमर्थता को उजागर कर दिया है। मेरा मानना है कि कई लोग मुझसे सहमत होंगे कि यह अमेरिकी मध्य पूर्व नीतियों की विफलताओं का एक ज्वलंत

■ मध्य पूर्व के लिए रूस कोई अजनबी नहीं

उदाहरण है। उन्होंने शांति समझौते पर एकाधिकार जमाने की कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्य से उन समझौतों की खोज पर कोई ध्यान नहीं दिया जो दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य हों। उन्होंने कहा, इसके बजाय, वॉशिंगटन ने दोनों पक्षों पर अपना समाधान थोपने की कोशिश में उन पर दबाव डाला। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका ने फिलिस्तीनियों के मूल हितों को नजरअंदाज कर दिया है। विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सुझाव दिया था कि अमेरिका, रूस, यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र को शांति वार्ता में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। इस बीच, राष्ट्रपति पुतिन ने हमास के हमले की निंदा करने में कोई शब्द नहीं कहा, ऐसा इतिहास में कभी नहीं हुआ है। चीजों को वही कहना चाहिए जो वे हैं। हालांकि, उन्होंने काफी करूर तरीकों के साथ इजरायली प्रतिक्रिया की भी निंदा की, साथ ही दोनों पक्षों से सभी कड़वाहट के बावजूद नागरिकों के बारे में सोचने का आग्रह किया।

वर्ग पहेली 6348

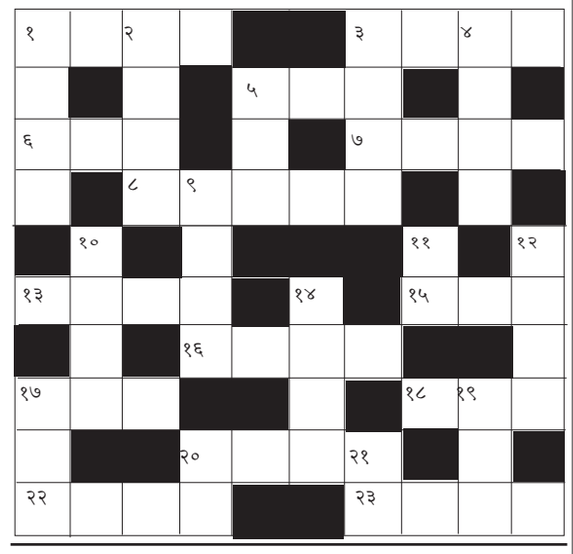

बायें से दायें:-

१. स्वर के बाद बोले जाने वाला अनुनासिक वर्ण अनुनासिक बिंदी
३. तकलीफदेह
५. गगन, आकाश
६. कहानी, कथा, वृतांत (उर्दू)
७. ढूंढना, खोजना (उर्दू)
८. आकाश में स्थित एक विश्वप्रसिद्ध स्मारक
१३. घोड़ों की दौड़
१५. माल की बिक्री, खपने का भाव,
१६. अनुचित, अवैध (उर्दू)
१७. सेनापति, कार्तिकेय, धृतराष्ट्र का एक पुत्र
१८. दक्ष, निपुण, कुशल
२०. स्वर्गवास, स्वर्गीय, मृत
२२. परिवर्तित (उर्दू)
२३. बड़प्पन

ऊपर से नीचे:-

१. न देने वाला, कंजूस
२. स्वतंत्रता
३. हथेली
४. सौ में से, फीसदी
५. नतीजा, परिणाम (उर्दू)
९. कसकर बांधना, बंधन कड़ा करना
१०. उत्तेजित होना, क्रुद्ध होना, जोर से जल उठना
११. नेत्र, नयन
१२. परिवर्तित करना, बदलना, अंतरित करना
१४. तपेदिक
१७. स्वास्थ (उर्दू)
१९. उजाड़, निर्जन (उर्दू)
२०. हृदय, मन (उर्दू)
२१. अंधकार

वर्ग पहेली-6347

१ च	य	२ नि	त	■	■	३ नि	म्न	४ त	म
रा	■	पु	■	५ अ	धू	रा	■	क	■
६ च	र	ण	■	भा	■	७ यु	द्ध	नी	ति
र	■	८ ता	९ पा	व	रो	ध	■	क	
■	१० स्व	■	य	■	■	■	११ दा	■	१२ भ
१३ प	र	निं	दा	■	१४ इ	■	१५ स	मु	द्र
■	चि	■	१६ र	वि	क	र	■	■	ज
१७ ह	त	क	■	■	ता	■	१८ वि	१९ पि	न
म	■	■	२० अं	ग	रा	२१ ज	■	शा	■
२२ ला	भा	न्वि	त	■	■	२३ न	भ	च	र

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दुनिया को जानें

गाजा में पीने के पानी की कमी से जानलेवा बीमारियों का खतरा : डब्ल्यूएचओ

वाशिंगटन, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेब्येयियस ने शनिवार को कहा कि गाजा पट्टी में पीने के पानी की कमी होने से घातक महामारी का गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है, विशेषकर उन आबादी में जिनकी स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच नहीं है।

श्री घेब्रेयेसस ने एक्स पर कहा स्वच्छ पानी की कमी होने जल जनित बीमारी होने का एक तत्काल जोखिम है, जो स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित या पहुंच नहीं रखने वाले नाजुक आबादी के लिए घातक हो सकता है। गत 07 अक्टूबर को, हमास ने गाजा पट्टी से इजरायल पर बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया, जिसके अगले दिन इजरायल ने युद्ध की घोषणा किया और जवाबी हमला शुरू किया। इसके दो दिन बाद इज़राइल ने गाजा पट्टी की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया, जहां 20 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं, जिससे पानी, भोजन और ईंधन की आपूर्ति बंद हो गई। इजरायल और फिलिस्तीन के संघर्ष में 1,000 से ज्यादा मौतें हो चुकी है जबकि हजारों लोगों के घायल होने की रिपोर्टें हैं।

प्रादेशिकी

मिश्र एवं गहलोत ने दी नवरात्रि की शुभकामनाएं

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र एवं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष डा सी पी जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित कई नेताओं ने नवरात्रि पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री मिश्र ने जगज्जननी मां भगवती की आराधना एवं उपासना के पावन पर्व 'शारदीय नवरात्र' की सभी देशवासियों एवं भक्तजनों को हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने जगज्जननी मां दुर्गा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि का वास होने की कामना की। इस मौके श्री गहलोत ने कहा, दिव्य देवियों की आराधना भूमि राजस्थान को शारदीय नवरात्रि की अनंत मंगलकामनाएं। यह शुभ मुहूर्त आप सभी के जीवन में शुभता, प्रसन्नता एवं संपन्नता का संवाहक बने।

हिमाचल में पहली बार एफडीआर तकनीक से बनेंगी सड़कें: सुक्खू

शिमला, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में पहली बार सड़कों का निर्माण फुल डेप्थ रेक्लेमेशन (एफडीआर) तकनीक पर किया जाएगा। यह जानकारी मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा पर आयोजित एक बैठक में दी।

श्री सुक्खू ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनने वाली सड़कों में इस तकनीक का उपयोग करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग को दिए और कहा कि शुरूआती चरण में विभिन्न जिलों में 666 किमी सड़कों का निर्माण इस तकनीक से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, बिहार व असम के बाद हिमाचल प्रदेश एफडीआर तकनीक का इस्तेमाल कर सड़क निर्माण करने वाला देश का चौथा राज्य बनने जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तकनीक से सड़कें ज्यादा टिकाऊ बनती हैं और वाहनों के लिए भी यह सड़कें बेहतर हैं। साथ ही इसकी लागत भी कम है और यह तकनीक पारिस्थिकी के अनुकूल (इको फ्रेंडली) भी है। इस तकनीक में

सड़क की सतह से सामग्री का उपयोग कर इसमें सीमेंट और एडिटिव को मिलाकर एक मिश्रण तैयार किया जाता है, जिससे सड़कों का निर्माण किया जाता है। श्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की सुविधा के लिए सड़क संपर्क को मजबूत करने पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर रही है। आने वाले समय में करीब 2682 किलोमीटर लम्बी सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जिनमें से 666 किमी सड़कें एफडीआर तकनीक, 556 किमी सड़कें सीमेंट स्टेबलाइजेशन तथा 1460 किमी सड़कों का निर्माण परम्परागत तरीके से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन पर लगभग 2683 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रदेश में सड़कें लोगों की जीवन रेखा कही जाती हैं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा इन सड़कों का निर्माण कार्य समयबद्ध पूरा करने के भी निर्देश दिए, ताकि लोगों को सड़क सुविधा का लाभ समय पर मिल सके।

मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत 4.68 करोड़ के लाभ हस्तांतरित

शिमला। हिमाचल के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेश के सभी उपायुक्तों को मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए इस वर्ष सात नवंबर तक अनाथ बच्चों को समयबद्ध प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की इस महत्त्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत प्रदेश के 4000 से अधिक अनाथ बच्चों को सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा अनाथ बच्चों को 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के रूप में नामित करते हुए उनके लिए कानून बनाया गया है, जिससे सरकार की उनके अभिभावक के रूप में कानूनी जिम्मेवारी निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अनाथ बच्चों को अभी तक 4.68 करोड़ रुपए के वित्तीय लाभ प्रदान कर चुकी है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत बाल देखभाल संस्थानों में रहने वाले 1,199 बच्चों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से 1.12 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई है। यह राशि जिला बाल संरक्षण अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से संचालित आवर्ती जमा (आरडी) खातों में जमा की गई है। इसके अंतर्गत 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों को 1,000 रुपये प्रतिमाह और 15 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों को 2,500 प्रति माह राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा 48 लाभार्थियों को उनकी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए संस्थागत शुल्क 15.52 लाख रुपये तथा प्रति व्यक्ति 4,000 रुपये प्रति माह की दर से व्यक्तिगत खर्च के लिए 11.52 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। श्री सुक्खू ने कहा कि इसके अलावा व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 17 लाभार्थियों को पाठ्यक्रम शुल्क (कोर्स फीस) के लिए 7.02 लाख रुपए और जेब खर्च के रूप में 4.08 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं। एक पात्र को कौशल विकास पाठ्यक्रम के लिए 17,500 रुपए प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बाल देखभाल केन्द्रों के 62 बच्चों को संस्थान की फीस के रूप में 15.66 लाख रुपए और जेब खर्च के रूप में 14.88 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं।

सरकार बागवानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध : रोहित

शिमला, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने ग्राम पंचायत कुठाडी के टुटुपानी में एचपीएमसी द्वारा स्थापित पैकिंग-ग्रेडिंग हाउस का निरीक्षण किया और उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान राज्य सरकार बागवानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। श्री ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू बागवानों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं जिससे ग्रामीण परिवेश के लोगों को लाभ मिल सके और उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके। मंत्री ने रविवार को रोहड़ू उपमंडल के नावर क्षेत्र में घांसीधार-खदराला सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए ताकि सड़क का कार्य शीघ्र पूर्ण हो सके। उन्होंने बताया कि इस सड़क के लिए 10 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया कि जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 300 करोड रुपए स्वीकृत किए गए हैं जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और किसानों को अपने उत्पाद फल मंडियों में पहुंचने में कोई असुविधा नहीं होगी। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बनाया जा रहा है ताकि घर द्वार पर लोगों को सुविधा उपलब्ध हो सके। रोहित ठाकुर ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने आपदा के समय प्रभावित लोगों का दुख साझा किया और राहत राशि प्रदान

करते समय मानवीय स्वरूप को प्राथमिकता प्रदान की। इसके उपरांत शिक्षा मंत्री ने ग्राम पंचायत पुजारली नंबर 3 के फरोग गाँव में 15 लाख रुपये से निर्मित होने वाले सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास किया और महासू देवता मंदिर को 2 लाख रुपये की राशि प्रदान की। उन्होंने वहां पर स्थानीय लोगों की जन समस्याएं सुनी और उनका त्वरित निवारण भी किया।

इसके उपरांत श्री ठाकुर ने ग्राम पंचायत पुजारली नंबर 4 के टिकरी गांव में 20 लाख रुपये से निर्मित होने वाले सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास किया। श्री ठाकुर ने युवक मंडल टिकरी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने राज्य में इस खेल को बढ़ावा देने का आश्वासन दिया और युवक मंडल के सदस्यों को 50 हजार रुपए की राशि प्रदान की।

सार संक्षेप

सुपरवाइजरों व मजदूरों के लिए पदोन्नति नीति बनाई जाए: यूनियन

शिमला। सैहब सोसाइटी वर्कर यूनियन की बैठक सीटू कार्यालय शिमला में सम्पन्न हुई जिसमें सुपरवाइजरों व मजदूरों को सरकार द्वारा घोषित वेतन देने तथा उनके लिए पदोन्नति नीति बनाने की मांग की गयी। यह जानकारी सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा, यूनियन अध्यक्ष जसवंत सिंह व महासचिव ओमप्रकाश गर्ग ने शनिवार को यहां दी। उन्होंने कहा कि कहा कि सैहब मजदूरों व सुपरवाइजरों की मांगों को लेकर 17 अक्तूबर को यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल नगर निगम आयुक्त शिमला से मिलेगा व उन्हें मांग पत्र सौंपेगा। उन्होंने कहा कि इस महीने एक दर्जन सुपरवाइजरों व आउटसोर्स कर्मियों का वेतन रोक दिया गया है जोकि वेतन भुगतान अधिनियम 1936 का उल्लंघन है। नगर निगम प्रशासन द्वारा हर महीने सुपरवाइजरों व आउटसोर्स कर्मियों के वेतन को रोकने तथा सैहब कर्मियों के वेतन को 7 तारीख के बाद देने की परंपरा कानून विरोधी है। अगर यह परंपरा बन्द न की गयी तो मजदूर हड़ताल पर उतर जाएंगे। उन्होंने मांग की है कि सैहब वर्करज़ को नियमित कर्मचारी घोषित किया जाए। उन्हें 15वें भारतीय श्रम सम्मेलन, सुप्रीम कोर्ट के सन 1992 के आदेश, सातवें वेतन आयोग की जस्टिस माथुर की सिफारिशों व 26 अक्तूबर 2016 के माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार 26 हज़ार वेतन दिया जाए। उन्हें अतिरिक्त कार्य का अतिरिक्त वेतन दिया जाए। उन्हें कानूनी रूप से 39 छुट्टियां दी जाएं। सैहब में आउटसोर्स में कार्यरत कर्मियों को सैहब के अंतर्गत लाया जाए व उन्हें समय पर वेतन दिया जाए। सैहब कर्मियों को लाभ दिया जाए।

ईआरसीपी मुद्दे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खाली मटके लेकर किया प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं कर प्रदेश की जनता के साथ वादाखिलाफी करने को लेकर इस योजना से लाभान्वित होने वाले सभी तेरह जिलों में रविवार को मण्डल स्तर पर केन्द्र सरकार के खिलाफ खाली मटके लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार ईआरसीपी मुद्दे को लेकर केन्द्र सरकार के खिलाफ वृहद जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत इन जिलों के सभी ब्लॉक एवं मण्डल कांग्रेस कमेटियों द्वारा गांव-गांव, ढाणी ढाणी में खाली मटके रखकर प्रदर्शन किया गया तथा प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा इस परियोजना को पूर्ण करने के लिए किया जा रहे कार्यों की जानकारी आम जनता को दी गई।

सुडोकू 6348 का हल

3	7	2	5	6	9	8	1	4
8	5	9	4	1	7	6	2	3
4	1	6	2	3	8	7	5	9
2	8	1	3	7	5	4	9	6
5	6	3	1	9	4	2	8	7
9	4	7	6	8	2	5	3	1
1	2	5	9	4	6	3	7	8
6	3	8	7	5	1	9	4	2
7	9	4	8	2	3	1	6	5

ज्वालामुखी मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना के बाद नवरात्र का भव्य आगाज

शिमला, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कांगडा जिले में शक्तिपीठ ज्वालामुखी में शारदीय नवरात्र मेले रविवार से शुरू हो गए। सुबह पांच बजे आरती के बाद जयकारों से मां का दरबार गूंज उठा और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। पहले दिन काफी संख्या में श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों ने मां ज्वाला की पवित्र ज्योतियों के दर्शन किए और माता की ज्योति ले जाकर घरों में स्थापित की। ज्वालामुखी मंदिर में सुबह विधिवत पूजा अर्चना झंडा रस्म, कन्या पूजन, घट स्थापना के साथ विधायक संजय रत्न ने नवरात्र का भव्य आगाज किया। मेले के पहले दिन पूरे मंदिर परिसर व गर्भ गृह को रंग बिरंगी लाइटों व फूलों से सजाया गया है। शहनाई वादन की धुनों व विधिवत मंत्रों के साथ पुजारी व न्यास सदस्य अविनेंद्र शर्मा व दिव्यांशु भूषण ने विधायक संजय रत्न से झंडा रस्म करवाई। श्री रत्न ने सभी प्रदेशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन की तरफ से बेहतर इंतजाम किए गए हैं। बता दें कि शारदीय नवरात्र मेले 15 से 23 अक्तूबर तक चलेंगे। ज्वालामुखी के पुलिस उपाधीक्षक विकास धीमान ने बताया कि नवरात्र के चलते ज्वालामुखी में सुरक्षा और सुविधा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 200 अतिरिक्त सुरक्षा कर्मी, होमगार्ड, पुलिसकर्मी और स्वयंसेवी तैनात किए गए हैं। ड्रोन कैमरे से भी हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

रोजगार की उपलब्धता न होने के कारण स्कूल कॉलेजों में दाखिले घटे : कुमारी सैलजा

- सरकारी कॉलेजों में स्टाफ के अभाव के चलते, बंद हो रहे हैं कोर्स
- नौकरी देने में असफल हुई भाजपा की केंद्र व राज्य सरकार

चंडीगढ़, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार रोजगार नहीं मिल रहा है। इससे स्कूल-कॉलेजों में ड्रॉप आउट के मामले बढ़ रहे हैं। भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार भी ड्रॉप को रोकने में नाकाम साबित हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के साथ ही केंद्र सरकार भी सरकारी स्तर पर नौकरियां देने में नाकाम साबित हुई है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि गठबंधन सरकार स्वयं की उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटने के लिए सरकारी कॉलेज तो खोल रही है,लेकिन इनमें संस्थानों के अभाव के चलते परिणाम शून्य आ रहे हैं। सरकारी शिक्षण संस्थानों में स्टाफ तक का इंतजाम नहीं है जिसके कारण विद्यार्थी इन कॉलेजों में दाखिला लेने से बचते हैं। जिसकी वजह से बाद में कोर्स को ह ी प्रदेश सरकार बंद कर रही है। उन्होंने बताया कि यदि राज्य सरकार कोर्स बंद होने के कारणों की तह तक जाए तो फिर सरकार और शिक्षा निदेशालय के स्तर की और अधिक खामियां उजागर हो जाएंगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश का एक भी सरकारी कॉलेज ऐसा नहीं है, जहां आवश्यकता अनुसार स्टाफ के सभी पद भरे हों। सरकारी कॉलेजों में प्रोफेसर व असिस्टेंट प्रोफेसर के 60 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि कॉलेजों में पढ़ाई ही नहीं होगी तो फिर छात्र क्यों दाखिला लेंगे।

कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकारी नौकरी के वायदे पर न तो केंद्र सरकार खरी उतरी है और न ही राज्य सरकार केवल घोषणाओं से जनता को गुमराह करने का काम किया जा रहा है। यदि युवाओं को उनकी शिक्षा व प्रतिभा के अनुसार सरकारी नौकरी मिलती तो फिर अन्य युवा भी पढ़ाई के प्रति जरूर आकर्षित होते तथा स्कूल-कॉलेज से ड्रॉप आउट की संख्या नहीं बढ़ती। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दाखिला लेने वालों की संख्या में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। सरकारी एजेंसियों के आंकड़ों के अनुसार प्रतिवर्ष यह संख्या बढ़ रही है और सिलसिला तीन साल से लगातार जारी है, लेकिन सरकार का कोई भी प्रतिनिधि इस बारे में बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा जो भाजपा सरकार की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह है। केंद्र व प्रदेश सरकार नई शिक्षा नीति का ढोल पीट रही हैं, जबकि छात्रों को कॉलेजों तक पहुंचाने की दिशा में कोई भी कदम उठाने को तैयार नहीं हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि स्नातक करने वालों को उनकी योग्यता के अनुसार तथा पीजी करने वाले विद्यार्थियों को उनकी शिक्षा के अनुसार नौकरी का प्रबंध सरकार को करने होंगे, तभी कॉलेजों व अन्य सरकारी शिक्षण संस्थानों में छात्रों की संख्या बढ़ सकती है,अन्यथा आगामी चुनाव में रोजगार न मिलने की आस टूटने से मायूस होकर पढ़ाई छोड़ने वाले देश व प्रदेश के युवा भाजपा को सत्ता से बाहर करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

औद्योगिक विकास स्कीम के तहत राशि जारी करने पर केंद्र का आभार : ठाकुर

शिमला, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के लिए औद्योगिक विकास योजना के तहत राशि जारी करने पर नयी दिल्ली में केंद्रीय उद्योग और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से शिष्टाचार भेंट कर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने उनका आभार जताया।

नेता प्रतिपक्ष ने रविवार को यहां कहा कि राज्य सरकार का आर्थिक प्रबंधन मात्र दस महीनें में ही चरमरा गया है। सरकार आए दिन मनमाना क़र्ज़ ले रही है और मनमाने नियम लाकर प्रदेश के लोगों को परेशान कर रही है। चुनाव के पहले कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं ने दस गारण्टियां दी थी, उनमें से एक भी पूरी नहीं की लेकिन दस महीनें में प्रदेश के दस हज़ार लोगों की नौकरी छीनकर प्रदेश को दस हज़ार करोड़ का क़र्ज़ दे दिया है। श्री ठाकुर ने कहा कि एचआरटीसी में आम आदमी चलता है। एचआरटीसी का उद्देश्य सिर्फ़ पैसे कमाना नहीं

है बल्कि जनता की सेवा करना है। क्योंकि यह हर आम आदमी को घर तक पहुंचाने का साधन है। यह हास्यास्पद स्थिति है महिला को बस में शादी के एल्बम का भी किराया देना पड़ा । दो लैपटॉप एक साथ लेकर चलने पर पूरी सीट का किराया देना पड़ रहा है। यह व्यावहारिक तौर पर मजाक बन गया है। एचआरटीसी कर्मियों को एक-एक महीनें बाद वेतन दिया जा रहा है। यह ग़लत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा घाटे की दलील देना उचित नहीं है, जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी तो हमने भी समय पर वेतन दिया था। सरकार की प्राथमिकताएं तय होनी चाहिए। एक लाख लोगों को हर साल नौकरी देने का वादा करने वाली कांग्रेस ने आते ही दस हज़ार लोगों का रोज़गार छीन लिया। दो हज़ार कोविड कर्मियों को छह माह का वेतन दिए बग़ैर ही बर्खास्त कर दिया।

श्री ठाकुर ने कहा कि आपदा के समय में हिमाचल को केंद्र की ओर से सर्वाधिक मदद मिली । संसाधनों से लेकर नक़द धनराशि रूप में अब तक के इतिहास में सबसे ज़्यादा मिली। ख़ुद कई बार दिल्ली गया और गृहमंत्री समेत सभी प्रमुख नेताओं से बात कर हिमाचल के लिये अधिक से अधिक सहयोग देने का निवेदन किया। सहयोग आया, आगे और भी आएगा लेकिन मुख्यमंत्री ने केंद्र को सहयोग के लिए धन्यवाद तक नहीं दिया बल्कि केंद्र की ओर से मदद नहीं मिलने की बात की गई।

हिमाचल में दारचा-सरचू सड़क बंद, नौ मजदूर किए रेस्क्यू

शिमला, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्र लाहौल व कुल्लू की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी जबकि निचले क्षेत्रों में बारिश हुई है। नेशनल हाईवे तीन मनाली-लेह बर्फबारी के चलते दारचा से सरचू के बीच बंद हो गया है। इसके साथ दारचा-शिंकुला सड़क भी बर्फबारी से बंद हो गई है। वहीं पुलिस ने शिकुंला में बर्फबारी के चलते फंसे नौ मजदूरों को रेस्क्यू किया है। यह मजदूर रात को बर्फबारी में फंस गए थे। जिन्हें रेस्क्यू कर सकुशल दारचा पहुंचाया गया। वहीं नेशनल हाईवे 505 ग्रांफू के रास्ते बर्फबारी के चलते बंद हो गया है। ग्रांफू-काजा-समदो सड़क फिलहाल सभी प्रकार के वाहनों के लिए ठप है। हालांकि तांदी-तिंदी, किलाड़-संसारी सड़क में वाहनों की आवाजाही जारी है। लाहौल-स्पीति प्रशासन ने सड़कों की स्थिति को देखकर ही यात्रा करने का आग्रह किया है। प्रदेश के शिमला सहित कई

क्षेत्रों में भारी बारिश हुई है जबकि बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। 17 अक्तूबर तक प्रदेश में मौसम खराब बना रहने का पूर्वानुमान है जबकि 18 अक्तूबर से मौसम साफ रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार अगले दो दिनों तक चंबा, कुल्लू, कांगड़ा और लाहौल-स्पीति के कई क्षेत्रों में 'ऑरेंज अलर्ट' का असर रहेगा।

किस्मत ने राजे का साथ छोड़ा तो जयपुर राजघराने की दीया कुमारी का सितारा बुलंदी पर पहुंचा

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान भाजपा के सूत्रों की मानें तो राजसमंद सांसद और जयपुर की राजकुमारी दीया कुमारी को तेजी से पदोन्नति मिल रही है और वह राज्य में आगामी सीएम चेहरा हैं। हाल ही में, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जयपुर में थे तो उन्हें मंच का प्रबंधन करने और उनकी उपस्थिति में बोलने के लिए अवसर प्रदान किया गया था। दीया ने उस महिला प्रतिनिधिमंडल का भी नेतृत्व किया जो नारी वंदन विधेयक पारित करने के लिए धन्यवाद देते हुए पीएम के काफिले के आगे चल रहा था।

इस दौरान, कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी मौजूद रहीं। हालाँकि, उन्हें दीया की तरह उतनी तवज्जो नहीं मिली, जिससे अटकलें लगने लगीं कि पार्टी की योजना राजे की जगह दीया को

आगे बढ़ाने की है। दोनों ही पूर्व शाही परिवारों से आती हैं, जिनका राज्य के लोगों के साथ मजबूत संबंध है। हाल ही में भाजपा ने दीया कुमारी को जयपुर की विद्याधर नगर सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। वरिष्ठ नेता और पांच बार के विधायक नरपत सिंह राजवी, जिन्होंने 2018 के चुनावों में भी सीट जीती थी, को बदलने के फैसले ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया क्योंकि राजवी पूर्व उपराष्ट्रपति और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत के दामाद हैं।

राजवी ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस फैसले को 'भैरों सिंह शेखावत की विरासत का अपमान' बताया। यह याद करते हुए कि कैसे शेखावत ने दशकों तक पार्टी का पोषण किया था, राजवी ने सवाल किया कि 23 अक्टूबर को शुरू होने वाली शेखावत की जन्मशती को भाजपा किस मुंह से मनाएगी, जब उनके अपने परिवार के साथ इतना खराब व्यवहार किया जा रहा है। दीया की साख पर सवाल उठाते हुए, राजवी ने कहा, 'पार्टी उस परिवार को आशीर्वाद क्यों दे रही है जिसने मुगलों के साथ मिलकर राजस्थान के प्रतिष्ठित नायक राणा प्रताप के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।' यह संदर्भ स्पष्ट रूप से जयपुर राजघराने के इतिहास के सबसे शर्मनाक अध्यायों में से एक के बारे में है, जिसमें महाराजा मान सिंह ने युद्ध में राणा प्रताप के खिलाफ मुगल सेना का नेतृत्व किया था।

इस बीच, भाजपा के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि राजवी को बाहर करने और दीया के लिए एक सुरक्षित सीट सुनिश्चित करने का निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि पार्टी नेतृत्व उनके लिए एक बड़ी भूमिका की परिकल्पना कर रहा है और राजे को दरकिनार करने से पैदा हुए शून्य को भरने के लिए उनके शाही वंश को भुनाने का लक्ष्य बना रहा है। हालाँकि, दूसरी ओर, राजे उस समय भी उतनी ही चुप हैं जब उनके वफादारों के टिकट काटे जा रहे हैं।

भगवा पार्टी ने अपने मंत्रिमंडल में मंत्री रहे राजपाल सिंह शेखावत को टिकट नहीं दिया है। इसी तरह, भरतपुर की नगर सीट से पूर्व विधायक अनिता सिंह और उनके एक अन्य वफादार अजमेर से विकास चौधरी के टिकट भी काट दिए गए। आखिरकार टिकट बंटवारे को लेकर राज्य में विरोध बढ़ता जा रहा है। हालांकि, आश्चर्य की बात यह है कि राजे शांत हैं और टिकट वितरण के पक्ष या विपक्ष में कोई बयान जारी नहीं कर रही हैं।

समग्र विकास के लिए गुणवत्तायुक्त शिक्षा आवश्यक: शांडिल

सोलन, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा कि देश व प्रदेश के समग्र विकास में शिक्षा महत्वपूर्ण घटक है। डॉ. शांडिल आज सोलन के दुर्गा पब्लिक स्कूल के 20वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा युवाओं को बेहतर नागरिक बनाने का सर्वोत्तम साधन है। इसके लिए आवश्यक है कि अध्यापक और छात्र दोनों समर्पित होकर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि अध्यापक का छात्रों को अच्छा नागरिक बनाने के प्रति समर्पित होना तथा छात्रों का अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण रखना ही सफलता की कूंजी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को दी जाने वाली गुणवत्तायुक्त शिक्षा बेहतर और अनुशासित समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति को सफलता के शिखर पर पहुंचाती है। ज्ञान और अनुभव मिलकर हमारे मार्ग को सफलता की ओर अग्रसर करते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर इसे एकाग्र मन से पाने की कोशिश करनी चाहिए ताकि वह अपने भविष्य को उज्जवल बना सकें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं।

प्रादेशिकी

वृद्धा की हत्या के एक साल बाद दो आरोपी गिरफ्तार

फर्रुखाबाद, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। खेत में बकरी चराने गई वृद्धा की गला दबाकर हत्या करने के बाद उसके कुंडल और चार हजार की नकदी गायब कार दी गई थी। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही थी। घटना के लगभग एक साल बाद पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली। पुलिस नें दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। थाना क्षेत्र के गांव कुम्हरौर निवासी 80 वर्षीय वृद्धा रामश्री बीते 5 नवंबर 2022 को बकरी चराने के लिए घर से गई थी और वह वापस घर नहीं पहुंची। सात नवंबर को रामश्री का शव सोता नाला में उतराता हुआ मिला था। पोस्टमार्टम में वृद्धा की गला दबाकर हत्या करने की पुष्टि हुई थी। पुलिस ने पुत्र भूरे की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया था।

नगरीय विकास आज की जरूरत : योगी

लखनऊ/गोरखपुर, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार को गोरखपुर महानगर को 233.20 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी और इस दौरान उनके समक्ष नगर निगम तथा एनटीपीसी के मध्य कूड़े से चारकोल बनाने के प्लांट की स्थापना के लिए एमओयू भी हुआ। मुख्यमंत्री ने नगर निगम परिसर में आयोजित रविवार को नगर निगम की 303 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण समारोह एवं एमओयू आदान प्रदान समारोह में कहा कि नगरीय विकास आज की आवश्यकता है कि भारत को दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए नगरीय विकास की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इससे लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ तो मिलेगा हीए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की संभावना भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने 189 विकास कार्यों का शिलान्यास व 114 विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

- **मुख्यमंत्री ने गोरखपुर को दी 233.20 करोड़ की योजनाओं की सौगात**

इस दौरान उनके समक्ष नगर निगम एवं नेशनल थर्मल पॉवर कॉरपोरेशन के बीच कूड़े से चारकोल बनाने का प्लांट स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन का आदान प्रदान भी हुआ। उन्होंने कहा कि कहा कि स्मार्ट सिटी की परिकल्पना को साकार करने के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की महती भूमिका है। गोरखपुर नगर निगम ने एनटीपीसी के सहयोग से इस दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। एनटीपीसी की तरफ से प्लांट लग जाने के बाद नगर निकायों का कूड़ा चारकोल के रूप में बिजली उत्पादन का साधन बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरीय विकास के क्षेत्र में अनियोजित और अवैज्ञानिक विकास की सोच ने बड़ी समस्या खड़ी कर दी थी। जगह जगह कूड़े का पहाड़ दिखता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन ने इस समस्या के निदान में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन किया हैऔर इसी कड़ी में गोरखपुर नगर निगम ने नगरीय जीवन को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ आधुनिक तकनीक से वेस्ट को वेल्थ बनाने की पहल की है।

भारत को दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए नगरीय विकास की महत्वपूर्ण भूमिका होगी : योगी आदित्यनाथ

स्मार्ट सिटी बनाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। योगी ने कहा कि सॉलिड वेस्ट का उचित प्रबंधन न होने से कूड़ा ऐसे ही यहां-वहां फेंक दिया जाता था। शहर के इंट्री पॉइंट पर कूड़े के ढेर के दर्शन होते थे। इससे सिटी के विकास पर पानी फिरता दिखता था। अब ऐसा प्लांट लगने जा रहा है जहां कूड़े से चारकोल और सीएनजी का उत्पादन होगा। एनटीपीसी के इस प्लांट से नगर निगम को 25 सालों में 600 करोड़ रुपए की बचत होगी। बचत के इस रुपए का उपयोग विकास के कार्यों में होगा।

नगरीय विकास के मॉडल के रूप में स्थापित हो रहा गोरखपुर

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर के विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि गोरखपुर नगरीय विकास के मॉडल के रूप में स्थापित हो रहा है। सड़क, जलनिकासी, स्ट्रीट लाइट जैसे बुनियादी कार्यों के साथ बुजुर्गों के केयर सेंटर बन रहे हैं। मियावाकी पद्धति से एक लाख वर्गमीटर में सिटी फॉरेस्ट विकसित किया जा रहा है। सुरक्षा के लिए आईसीसीसी के माध्यम से हर चौराहे पर सीसी कैमरे से निगरानी हो रही है। इससे ट्रैफिक ऑटो मोड में चलने के साथ सुरक्षा से कोई खिलवाड़ भी नहीं कर पाएगा। मुख्यमंत्री ने सखाद कारखाना, एम्स, बीआरडी मेडिकल कॉलेज, रामगढ़ताल का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सब गोरखपुर को नई पहचान दे रहे हैं। गोरखपुर की सड़कें चार-छह लेन में विकसित हुई हैं और हो रही हैं जबकि छह वर्ष पहले यहां लोग जाम में फंसते थे। जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो रहा है।

एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

सीओ किठौर ने किया अलफलाह लाइब्रेरी का उद्घाटन

मेरठ, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। रविवार को कस्बा किठौर में रनिया प्लाजा में स्टार अलफलाह लाइब्रेरी का उद्घाटन क्षेत्र अधिकारी किठौर के द्वारा किया गया। जिसमें क्षेत्र के गणमान्य लोग, शिक्षाविद ,शिक्षा से जुड़े सैकड़ो शिक्षकों ने शिरकत की। इस मौके पर शिक्षा के जाने-माने शिक्षक प्रोफेसर सुधीर कुमार पुंडीर एच् ओ डी शिक्षा विभाग मेरठ कॉलेज, चौधरी धीरज सिंह वरिष्ठ समाजसेवी मेरठ, पीसीएस अधिकारी रईस उल हसन, किठौर अध्यक्ष पति सलमान मुलाकात वरिष्ठ समाजसेवी शराफत रनिया मंच पर आसीन थे। कार्यक्रम का संचालन शराफत एडवोकेट ने किया। इस दौरान सभी मंच पर बैठे वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किया। प्रोफेसर सुधीर कुमार ने अपने विचार करते हुए कहा कि आज उस अजीम शख्स की जयंती है जिसे युवाओं के अंदर शिक्षा की प्रेरणा भारती है। उस शख्स को यह दुनिया मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के नाम से जानती है। आज उनकी यौमे पैदाइश है। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्टार अलफलाह इंटर कॉलेज के प्रबंधक और कार्यक्रम के आयोजन करता डॉक्टर नुसरत अली को प्रोत्साहित करते हुए 11 हजार रुपए का दान लाइब्रेरी को दिया।

क्षेत्राधिकार किठौर पवन कुमार ने शिक्षा को लेकर अपने विचार व्यक्त किए उन्होंने नौजवान छात्राओं व छात्रों से मोबाइल का कम से कम इस्तेमाल करने पर जोर दिया उनका कहना था की जरूरत के हिसाब से आप मोबाइल का इस्तेमाल करें इसमें जहां अच्छाई है वहां बहुत सी बुराइयां भी छिपी हुई है। स्टार अलफ्लाह के प्रबंधक डॉक्टर नुसरत अली ने कहा आज के ही दिन एपीजे अब्दुल कलाम की योमे पैदाइश है इस मुल्क की अजीम शख्सियत जिनमे पंडित मदन मोहन मालवीय और एपीजे अब्दुल कलाम ने अपनी सारी जिंदगी शिक्षा के लिए ही न्योछावर कर दी। उन्होंने छात्रों को और मंच पर आसीन वक्ताओं से रूबरू होते हुए कहा के एपीजे अब्दुल कलाम का कहना था कि आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते, लेकिन आप अपनी आदतें बदल सकते हैं और निश्चित रूप से आपकी आदतें आपका भविष्य बदल सकती है। चेयरपर्सन सलमान मुनकाद, हाजी रईस, मुमताज शाहजहांपुर ने अपने विचार प्रस्तुत किये। बताया कि जहां शिक्षा नहीं वहां कुछ नहीं है शिक्षा हासिल करो जहां तक भी हो सके। इस मौके पर क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति तैयब रनिया आदिल सऊद इमरान गफूरी वरिष्ठ पत्रकार गुलाम नबी, शकील सैफी, बाबर चौधरी गयूर अली शाहरुख शाहजहांपुर विरासत त्यागी, मौजूद थे। इस मोके मौके पर हाफिज लताफत, डॉ. भरत सिंह, डॉक्टर वीर सिंह, मोहम्मद वसी सेठ, मोहम्मद जफर मोहम्मद शारिक, फैज चौधरी, सलमान खान सोहित गोयल भास्कर शर्मा ठाकुर तेज बहादुर अध्यक्ष नांगली अतुल शर्मा आदि मौजूद थे।

सार संक्षेप

ट्यूबवेल पर जबरन मीटर लगाने का विरोध, दी चेतावनी

मेरठ। मवाना में किसानों की बैठक में भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी उदयवीर सिंह बिजली विभाग के अधिकारियों पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि बहसूमा बिजली विभाग ने किसानों की ट्यूबवेल पर जबरन मीटर लगाए तो बिजली विभाग के अधिकारियों को खेतों पर ही बंधक बनाया जाएगा। किसान ऐसे अधिकारियों के यहां भी धरना प्रदर्शन करेंगे। जो किसानों की ट्यूबवेल का ट्रांसफार्मर फूंकने पर अपनी मर्जी से उनका लोड बढ़ा रहे हैं। बिजली विभाग के ऐसे जेई को भी चिह्नित किया जा रहा है। जो ट्रांसफॉर्मर फूंकने पर किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर उनसे पूछे बिना ही उनकी ट्यूबवेलों का लोड बढ़ा रहे हैं। ऐसा करने वाले जेई एक बार फिर सोच ले नहीं तो उन्हें बंधक बनाकर ट्यूबवेल पर तब तक रखा जाएगा, जब तक किसानों को बढ़े हुए लोड का बड़ा ट्रांसफार्मर नहीं मिलेगा।

लापता युवक का शव मिला

मेरठ। सरधना थाना क्षेत्र के नालू में 3 दिन से लापता युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। शव नानू बिजली घर के पास खेत में पड़ा मिला। परिवार वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायती पत्र दिया है। पुलिस परिजनों से मिली तहरीर के आधार पर जांच कर रही है। नानू निवासी सेटी पुत्र ईश्वर 35 वर्षीय तीन दिन से लापता था। जिसकी परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की दर्ज कराई थी। मेरठ-करनाल हाईवे पर बिजली घर के पास उसका शव मिलने से सनसनी फैल गई। बड़े भाई आकाश ने बताया कि युवक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। हत्या कर शव को यहां फेंका गया है। खेत में युवक का शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

भाजपा पार्षद पर किया गया जानलेवा हमला

मेरठ। मेरठ नगर निगम वार्ड 63 से भाजपा नेता अनुज वशिष्ठ पार्षद है। अनुज ने मेडिकल थाने में सागर पोसवाल के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। सागर पोसवाल पर अपने ऊपर जानलेवा हमले का आरोप लगाया है। पार्षद के अनुसार शनिवार रात 9.30 बजे करीब वो शास्त्री नगर स्थित नया के ब्लॉक मेन मार्केट में देवी जागरण से घर वापस जा रहा था। इसी दौरान आधा दर्जन युवकों ने उस पर हमला कर दिया। उसे चांटे, चप्पल और लात घूसों से जमकर पीटा। जब पार्षद जान बचाकर भागने लगा तो हमलावरों ने ईंटों से हमला कर दिया। किसी तरह पार्षद ने अपनी जान बचाई। इस हमले में पार्षद की स्कूटी भी बुरी तरह टूट गई। बताया कि शास्त्री नगर नया के ब्लॉक में मार्केट तिरंगा चौक पर देवी जागरण हो रहा था। इसमें राज्य मंत्री डॉ.सोमेंद्र तोमर, सांसद राजेंद्र अग्रवाल और पार्षद अनुज वशिष्ठ भी पहुंचे थे। सांसद और राज्य मंत्री के बाद पार्षद भी घर जाने लगा। उसने कमला मेडिकल स्टोर के पास खड़ी अपनी स्कूटी उठाई, तभी सागर पोसवाल कुछ युवक आए और मारपीट शुरू कर दी। आसपास खड़े भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनको रोका, लेकिन वो नहीं माने। बाद में पार्षद ने घर और पार्टी नेताओं को सारा प्रकरण बताया। मेडिकल थाने में तहरीर दी।

डीएवी के विद्यार्थियों ने दिखाया कौशल

मेरठ, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। डीएवी पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने विज्ञान, सामाजिक-विज्ञान एवं कला-विषय की प्रदर्शनी के माध्यम से अपना कौशल प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि अरविंद चौरसिया, क्षेत्रीय अधिकारी सिविल लाइन, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान के विषय प्रमुख प्रोफेसर बीरपाल सिंह, तथा डॉ.अल्पना शर्मा, क्षेत्रीय अधिकारी डी ए वी स्कूल, यू पी जोन, ए के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस मौके पर गुणवत्ता से परिपूर्ण 17 लक्ष्यों को ध्येय बनाते हुए प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला प्रदर्शनी के अनूठे नमूने प्रस्तुत किए गए। विज्ञान प्रदर्शनी में चंद्रयान-3 के क्रियाशील नमूने को प्रदर्शित किया गया, जिसमें विक्रम लैंडर तथा प्रज्ञान रोवर को भी प्रदर्शित किया गया। सामाजिक विज्ञान की प्रदर्शनी में समानता के आधार पर विवेचन प्रस्तुत करते हुए नमूने प्रस्तुत किए गए। अटल टिंकरिंग लैब के विद्यार्थियों ने कृषि क्षेत्र को प्रदर्शित करते हुए उसकी सुरक्षा हेतु तथा सीवेज ब्लॉकेज की समस्या से निदान पाने हेतु सुंदर नमूने प्रस्तुत किए गए। कला के क्षेत्र में विविध कलाकृतियों तथा हस्तकला से निर्मित सामग्रियों को अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। विशिष्ट अधिकारियों ने विद्यार्थियों के कौशल की खूब प्रशंसा की तथा उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं। डॉ.अल्पना शर्मा ने विद्यार्थियों के कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थी आने वाले कल के निर्माता होते हैं, उनका प्रयास सराहनीय है। प्रधानाचार्या अपर्णा जैन ने विद्यार्थियों के प्रयास की प्रशंसा करते हुए उन्हें मंगल कामनाएं दीं। प्रदर्शनी के अवसर पर सभी सुपरवाइजर्स विनीत त्यागी, सुनीता सिंह, समीक्षा तथा संगीता भसीन उपस्थित थे।

- **16 लक्ष्यों पर आधारित प्रदर्शनी में लिया था हिस्सा**
- **चंद्रयान-3 का नमूना बना प्रदर्शनी का केंद्र**

तिलक के बाद निकली भगवान श्रीराम की बारात

मवाना, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। भगवान श्रीरामलीला कमेटी मवाना के तत्वधान में मवाना नगर के लोगों के सहयोग से कमेटी द्वारा भगवान प्रभु श्रीराम की बारात की नगर में निकाली गई।

जिसका उद्घाटन फीता काटकर उप जिला अधिकारी मवाना अखिलेश कुमार यादव, नितिन खटीक व कमेटी के अध्यक्ष अखिल कौशिक प्रबंधक राजेंद्र चौहान, सुभाष दीक्षित एवं समस्त कमेटी द्वारा संयुकत रूप से किया गया। गणेश पूजन कविता चौधरी द्वारा किया गया। प्रभु श्रीराम शोभायात्रा बारात का शुभारंभ झारखंडी मंदिर निकट पक्का तालाब से हुआ फिर मेरठ रोड पर होते हुए सुभाष चौक सुभाष चौक से मुन्ना लाल बाजार से होती हुई खतौली चौक से पुराने बिजली घर से भगत सिंह चौक होते हुए सुभाष बाजार से निकलकर नगर पालिका परिषद मवाना के पास रामलीला मैदान में जाकर संपन्न हुई। जिसके पश्चात बरात में उपस्थित बैंड बाजों द्वारा अपनी प्रस्तुति स्टेज पर दी गई जिसके पश्चात प्रसाद वजलपान कर बारात का समापन हुआ। कार्यक्रम में महामंत्री सुशील कुमार दुबलिश, उपाध्यक्ष संजय शर्मा, डॉ. ओमपाल चौहान, महेश आर्य, मधुर कौशिक, योगेंद्र रस्तोगी, प्रज्वल चौहान, कुणाल सूद, रवि गोला, अमन प्रजापति, सागर रस्तोगी, अरुण कुमार, राकेश सैन आदि।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप के बाद गलियों में फॉगिंग

मवाना, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। मवाना नगर में डेंगू के बढ़ते प्रकोप के कारण बीमार लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यह सब नगर में बढ़ती मच्छरों की फौज के कारण हो रहा है। गहरी नींद व चेयरमैन के कहने पर जागे पालिका के अफसरों ने नगर की गलियों में फोगिंग शुरू कराई है। साथ ही पालिका ने नगर में फोंगिग का शैड्यूल जारी किया है। शैडयूल के अनुसार नगर में फोंगिग कराने की बात कही है।

त्योहारी दौर में मवाना नगर व फलावदा कस्बे में हर रोज डेंगू के मरीज बढ़ रहे हैं। कस्बे के करीब दो दर्जन लोगों का मेरठ के बड़े अस्पतालों में इलाज चल रहा है। वहीं इससे भी अधिक मरीज स्थानीय स्तर पर इलाज करवा रहे हैं। हर मोहल्ले में डेंगू के मरीज सामने आ रहे हैं। मवाना नगर में बुखार से पीड़ितों का हाल यह है कि मवाना सीएचसी व फलावदा सीएचसी में एक-एक बेड पर दो-दो मरीजों को लिटाकर इलाज कराया जा रहा है। मवाना सीएचसी पर करीब दो सौ से अधिक मरीज रोज पहुंच रहे हैं। नगर के निजी अस्पतालों में बेड फुल बताए गए है। नगर के साथ-साथ आसपास के गांवों में भी मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डाक्टर कहते है कि देहात क्षेत्र में भी बुखार को प्रकोप बढ़ रहा है। घर-घर में बुखार से पीड़ित मरीज देखने में आ रहे हैं। बुखार से पीड़ितों की संख्या अधिक बढ़ने पर पालिका के चेयरमैन अखिल कौशिक ने पालिका के अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार को नगर में फोंगिग कराने के आदेश दिए। नगर पालिका की देखरेख में फोंगिग आरंभ कराई गई है। पालिका के अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि उन्होंने शेड्यूल के अनुसार नगर के प्रत्येक वार्ड में फोंगिग कराना शुरू कर दिया है। नगर के बड़े रास्तों पर मशीन से और गलियों में सफाई कर्मियों को भेजकर फोंगिग कराई जा रही है। यह फोंगिग शेडयूल के अनुसार हर रोज की जाएगी।

अग्रसैन जयंती पर वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मानित

मवाना, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। एएस (पीजी) कालेज मवाना में रविवार दोपहर महाराजा अग्रसैन जयंती मनाई गयी, जिसमें सर्वप्रथम विनोद गुप्ता ने सपत्नीक साधना गुप्ता तथा प्रबंध समिति के अन्य पदाधिकारियों के साथ यज्ञ का आयोजन किया। बाद में महाराजा अग्रसैन की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मंच का संचालन मनोज प्रकाश गोयल ने किया। मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद्, मवाना के अध्यक्ष अखिल कौशिक उपस्थित रहे। महाविद्यालय परिवार की ओर से अखिल कौशिक व पदम सेन मित्तल का सम्मान किया गया। महाविद्यालय प्रबंध समिति ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाली सभी छात्राओं को पुरस्कार के रूप में स्मृति चिह्न दिये गये तथा ब्रिजेश जिन्दल ने मनमोहक प्रस्तुति देने वाली कु. रितिका को पुरस्कृत किया। वैश्य समाज के वरिष्ठ नागरिकों में महेन्द्र कुमार कामिल, रामकिशोर मित्तल, परमात्मा शरण गर्ग, पित्र सैन अग्रवाल, पीसी गुप्ता, डा. अशोक जैन, जयपाल गुप्ता, प्रो. रक्षा गुप्ता, प्रो. व प्राचार्य अरूण कुमार आदि का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में श्यामलाल गुप्ता, रघुकुल तिलक, अजय मित्तल, विपुल जैन, मनोज गुप्ता, आदित्य कुमार गोयल व भूपेन्द्र त्यागी का सहयोग रहा।

- **यज्ञ के बाद अग्रसैन की मूर्ति पर किया माल्यार्पण**

शोध

गंगा नदी की ही भांति सरयू नदी में भी पाई गई जीवाणु भोजी बैक्टीरियोफेज की उपस्थित

गंगाजल की तरह सरयू का जल भी नहीं होगा खराब, नदी में पनप रहे जीवाणु

ओम प्रकाश सिंह

अयोध्या,15 अक्टूबर (देशबन्धु)। इंसानी कर्मों से प्रदूषित हो चुकी नदियों ने खुद को परिष्कृत करने की ठान लिया है। यूं तो उत्तर भारत की सभी नदियां बेहद प्रदूषित हो चुकी हैं लेकिन शारदा की सहायक नदी सरयूए जिसे घाघरा भी कहते हैं अभी सबसे कम प्रदूषित है। गंगा नदी की ही भांति सरयू नदी में भी जीवाणु भोजी बैक्टीरियोफेज की उपस्थित पाई गई है। इसको लेकर शोध कर रहे अवध विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक बेहद उत्साहित हैं।

एक भजन है कि सीता राम जी के प्यारी राजधानी लागेए मोहे मिठो मिठो सरयू जी को पानी लागे।

अब वह दिन दूर नहीं कि गंगाजल की तरह सरयू जल को भी बोतल में सुरक्षित किया जा सकेगा और वह खराब नहीं होगा। प्रो. शैलेंद्र कुमार रामनगरी के अवध विश्वविद्यालय में सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के वरिष्ठ आचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष हैं। वर्तमान में भेषजी संस्थान के निदेशक का भी दायित्व निभा रहे हैं। इन्होंने वर्ष 2022 में सिल्वर नैनो कणों से युक्त बैंडेज के डिजाइन का पेटेंट करवाया है।

सरयू नदी में पाए जाने वाले जीवाणु एवं विषाणुओं पर अध्ययन हेतु विज्ञान एवं प्रद्योगिकी मंत्रालय के विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की आर्थिक सहायता प्राप्त की है। इनके निर्देशन में शोध छात्रों द्वारा अस्पताल में संक्रमण करने वाले जीवाणुओं की पहचान और उनकी एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बनने पर अध्ययन किया जा रहा है। गंगा गंगोत्री से निकलकर हरिद्वार, प्रयाग, वाराणसी होते हुए छपरा में सरयू से संगम करके आगे समुद्र तक की यात्रा करती है। सरयू नदी के तट पर कोई भी बड़े नगर या उद्योग नहीं होने के कारण यह सबसे कम प्रदूषित नदी के रूप में स्थापित है। नदियों के जल में पाए जाने वाले जीवाणु कई एंटीबायोटिक के लिए प्रतिरोधकता विकसित कर रहे हैं। कुछ जीवाणु तो किसी भी एंटीबायोटिक से समाप्त नही किए जा सकतेए इनको सुपरबग कहा जाता है। ऐसे सुपरबग द्वारा होने वाले संक्रमण का किसी एंटीबायोटिक द्वारा उपचार संभव नहीं हैए जो एक भयंकर समस्या है। ऐसे जीवाणु जो प्रतिरोधकता बना लेते हैं उनका ट्रीटमेंट मुश्किल हो जाता है। ऐसे जीवाणुओं को समाप्त करने के लिए जीवाणु भोजी बैक्टीरियोफेज की खोज पर एक पीएचडी शोध निर्देशन किया जा रहा है।

सरयू नदी के जल में उपस्थित जीवाणु एवं विषाणुओं के अध्ययन के लिए भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा एक शोध परियोजना स्वीकृत की गई है। इस परियोजना के अंतर्गत सरयू नदी के उद्गम स्थल से लेकर गंगा में मिलने के स्थान छपरा बिहार तक के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थान से जल की सैंपलिंग की गई है। इस सैंपल किए गए जल में बहुत सारे भौतिक एवं रसायन सूचकांकों का अध्ययन किया गया है तथा इसके साथ ही जल की सूक्ष्म जैविक गुणवत्ता का भी अध्ययन किया गया है। इन सूक्ष्म जीवाणुओं का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है जिसमें इनकी जैव रासायनिक पहचान एवं एंटीबायोटिक प्रतिरोधकता पर अध्ययन संचालित है जिसे शीघ्र ही पूरा किया जाएगा। अगले हिस्से में सैंपल किए गए जल में विभिन्न प्रकार के बीमारी करने वाले विषाणुओं का अध्ययन किया जाना प्रस्तावित हैए जिसके लिए नदी के जल से विष्णु के जिनोम को निकाल कर उनकी पहचान किया जाना है जिससे जल से संभावित समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकेगी एवं नदी के जल की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकेगी। गंगा नदी के ही भांति सरयू नदी के जल में भी जीवाणु भोजी बैक्टीरियोफेज की उपस्थित का भी अध्ययन किया जा रहा है जिस दिशा में उनके समूह को शुरुआती सफलता मिली है।

भारत के जीतने पर मेरठ में जश्न

मेरठ, 15 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत की पाकिस्तान पर जीत के बाद जश्न मनाया गया और लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। वहीं अधिकारियों ने सभी थानेदारों को अलर्ट रहने का आदेश दे दिया। जगह-जगह भारत माता की जय, हिंदुस्तान जिंदाबाद, वंदे मातरम के नारे लगाए गए। इस दौरान क्रिकेट प्रेमियों ने पूरे शहर में जश्न मनाया। क्रिकेट वर्ल्ड कप के महामुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। बार-बार भारत-पाकिस्तान को मैच हराकर देशवासियों को जश्न मनाने का मौका दे रहा है। ऐसा ही एक नजारा शनिवार को पाक पर फतह के बाद देखने को मिला। भारत ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया था और पाक की टीम 191रन पर ऑल आउट हो गई थी।

तमिल कला निर्देशक मिलन फर्नांडीज का अज़रबैजान में दिल का दौरा पड़ने से निधन

चेन्नई। 'बिल्ला', 'वेलुयनथम', 'वेदालम' और 'ओरम पो' जैसी कई अन्य तमिल फिल्मों के लिए प्रशंसित कला निर्देशक मिलन फर्नांडीज का अजरबैजान में दिल का दौरा पड़ने से दुखद निधन हो गया। वह 54 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर की पुष्टि लोकप्रिय मलयालम अभिनेता प्रेम कुमार ने की, जिन्होंने अपने एक्स हैंडल, पर मिलान के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लिखा, हे भगवान, कला निर्देशक मिलन सर नहीं रहे, बहुत शांत व्यक्ति, मैं उन्हें थुनिवु में जानता था। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं, यह अज़रबैजान में हुआ। तमिल अभिनेता जयराम रवि ने एक्स पर अपनी संवेदना व्यक्त की, और लिखा, कला निर्देशक मिलन के निधन के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं।

ऐशबाग की प्रसिद्ध रामलीला अब हो गई हाईटेक

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ में ऐशबाग की प्रसिद्ध रामलीला शहर की सबसे पुरानी रामलीलाओं में से एक है और इसकी उत्पत्ति 16वीं शताब्दी में संत-कवि गोस्वामी तुलसीदास से मानी जाती है, जो इसे लगभग 500 वर्ष से अधिक पुरानी बनाती है। आज यह देश की सबसे हाईटेक रामलीला बनने का गौरव हासिल कर चुकी है।

ऐशबाग के श्री राम लीला समिति के महासचिव आदित्य द्विवेदी ने कहा कि 16वीं शताब्दी में जब गोस्वामी तुलसीदास चौमासा के लिए यहां आये तो वे इसी स्थान पर रुके थे जो सन्यासियों का अखाड़ा था। वह उन सन्यासियों को राम कथा सुनाते थे जिन्होंने रामलीला का मंचन करना शुरू किया था ताकि इसका मूल संदेश जनता तक आसान तरीके से पहुंचे। तुलसीदास के निर्देशन में ही रामलीला का मंचन प्रारम्भ हुआ। आदित्य द्विवेदी ने कहा कि 1773 में नवाब आसफुद्दौला अपने मंत्रियों के साथ यहां रामलीला देखने आए थे। यह देखकर वे इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने न केवल अखाड़े को 6.5 एकड़ जमीन दान में दे दी, बल्कि रामलीला के लिए वार्षिक सहायता भी देनी शुरू कर दी। आज यह सहायता लखनऊ नगर निगम द्वारा दी जाती है।

उन्होंने आगे कहा कि 1857 तक, चौमासा के लिए यहां आने वाले सन्यासियों द्वारा रामलीला का मंचन किया जाता था। 1857 के विद्रोह के बाद अंग्रेजों ने सन्यासियों के आंदोलन पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद अखाड़े के साधुओं ने स्थानीय लोगों से संपर्क किया जिन्होंने रामलीला का मंचन करना शुरू कर दिया। तब से अब तक कई परिवार रामलीला समिति से जुड़े हुए हैं और 10 से अधिक परिवार पीढ़ियों से समिति की सेवा कर रहे हैं। ऐसा ही एक

परिवार किशन लाल अग्रवाल का है, जिनके बेटे कन्हैयालाल, पोते प्राग दास, परपोते चमन लाल, परपोते गुलाबचंद और परपोते हरीश चंद्र समिति के प्रमुख थे। ऐशबाग के श्री रामलीला समिति के हरीश चंद्र वर्तमान अध्यक्ष हैं। द्विवेदी ने कहा कि गिरिजा भूषण सिन्हा, बसंत लाल कोहली, विष्णु नारायण चड्ढ़ा, देवी प्रसाद वर्मा, वृन्दावन अवस्थी और केदारनाथ पाधा (राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा के पिता) के परिवार के सदस्य आज भी रामलीला समिति से जुड़े हुए हैं। मैं गर्व से कह सकता हूं कि हम सभी देश की सबसे पुरानी रामलीला का हिस्सा हैं। यहां तक कि कोविड काल में भी हमने ऑनलाइन ही रामलीला का मंचन किया।

16वीं शताब्दी में संत-कवि गोस्वामी तुलसीदास से मानी जाती है रामलीला की उत्पत्ति

आदित्य द्विवेदी ने आगे कहा कि हम रामलीला में विशेष प्रभावों का उपयोग करने वाले पहले व्यक्ति थे और आज हम युवाओं को आकर्षित करने के लिए सर्वोत्तम तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि यहां आने वाली भीड़ में 80 प्रतिशत युवा होते हैं और जिन दिनों रामलीला का मंचन होता है, उस दौरान हमारा मैदान खचाखच भरा रहता है। आज हम विशेष प्रभाव, संगीत और ध्वनि प्रणाली के साथ त्रेता युग के दृश्य बनाते हैं। जब लड़ाई के दृश्यों का अभिनय किया जाता है, तो हमारे विशेष प्रभाव सुर्खियों में आ जाते हैं, खासकर जब हमें किसी को आकाश में उड़ते हुए और दुश्मनों को मारते हुए दिखाना होता है। हम भगवान राम को लंका जाते हुए दिखाते हुए समुद्र में लहरें पैदा करने का भी प्रबंधन करते हैं। युवा यह देखने के लिए यहां आते हैं कि हम यह कैसे करते हैं। उन्होंने कहा कि आज रामलीला बहुत महंगी होती जा रही है लेकिन हम भाग्यशाली हैं कि जो कलाकार अलग-अलग भूमिकाएं निभाने आते हैं, वे कोई शुल्क नहीं लेते। इनमें से अधिकतर विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले पेशेवर हैं। उनमें से कई हमारी रामलीला में अपनी भूमिका निभाने के लिए विशेष छुट्टी लेते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीनों से, वे जूम पर अपने डायलॉग की प्रैक्टिस कर रहे हैं क्योंकि वे दिल्ली, कोलकाता और लखनऊ आदि जैसे विभिन्न शहरों में स्थित हैं। हम एक भूमिका के लिए दो कलाकारों को तैयार कर रहे हैं क्योंकि अंतिम समय में कोई भी कलाकार बीमार पड़ सकता है। हालांकि, यहां धार्मिक रूप से होने वाली रामलीला के मुख्य पात्रों की पूजा करने की परंपरा है।

पिछले 10 सालों से रावण की भूमिका निभा रहे शंकर लाल ने कहा कि मैं अपना व्यवसाय अपने परिवार के सदस्यों पर छोड़कर हर साल कोलकाता से आता हूं। मुझे लगता है कि जितना अधिक मैं यहां काम करूंगा उतना ही मैं जीवन में प्रगति करूंगा। यहां काम करके मुझे शांति मिली है जो उस पैसे से कहीं अधिक है जो मैंने एक पेशेवर के रूप में कमाया होता।

हनुमान का किरदार निभाने वाले भास्कर बोस ने कहा कि एक समय था जब बिना लाउडस्पीकर के, मिट्टी के दीयों और पेट्रोमैक्स की रोशनी में रामलीला का मंचन किया जाता था।

भाग्यश्री इस साल अयोध्या की रामलीला का बनेंगी हिस्सा

अयोध्या, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री इस साल रामलीला में वेदवती की भूमिका में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने पिछले साल कुछ समय के लिए सीता की भूमिका निभाई थी। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, वेदवती देवी सीता का पिछला जन्म है, जिन्होंने रावण को श्राप दिया था कि वह दूसरे जन्म में उसकी मृत्यु का कारण बनेगी। आयोजकों के मुताबिक, अयोध्या रामलीला के निर्देशक बॉबी मलिक ने कहा कि रामलीला के प्रत्येक एपिसोड का यूट्यूब चैनल, दूरदर्शन और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सीधा प्रसारण किया जाएगा, जबकि दिल्ली और मुंबई के कई वरिष्ठ कलाकार यहां प्रदर्शन करेंगे। मलिक ने यह भी दावा किया कि पिछले साल अयोध्या की इस रामलीला को सोशल मीडिया पर 25 करोड़ से ज्यादा दर्शकों ने देखा था।

11 दिवसीय कार्यक्रम में कई राज्यों से राजनीतिक और बॉलीवुड हस्तियां आएंगी। मलिक ने दावा किया कि इस बार बॉलीवुड निर्माता बोनी कपूर दर्शकों के बीच होंगे। इस बीच, अयोध्या में पारंपरिक रामलीला, जो छह दशकों से अधिक समय से दशहरा के दौरान अयोध्या में एक कैलेंडर इवेंट रहा है, कोविड-19 महामारी के कारण लागू अंतराल के बाद मंच पर लौट आई।

1964 से एक कैलेंडर इवेंट, रामलीला का आखिरी बार मंचन 17 अक्टूबर, 2021 को किया गया था। अयोध्या और हनुमानगढ़ी के महंत संजय दास, दशरथ महल मंदिर के महंत बिंदु गद्दाचार्य, जानकी महल मंदिर के महंत रसिक पीठाधीश्वर, बड़ा भक्त महल मंदिर के महंत अवधेश दास जी महाराज समेत अयोध्या के सांसद, मेयर और विधायक सहित कई राजनीतिक नेता रामलीला देख रहे हैं।

'गांजा शंकर' का टीजर जारी, साई धर्म तेज का दिखा खतरनाक अवतार

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलुगु स्टार साई धर्म तेज के 38वें जन्मदिन पर, उनकी अपकमिंग एक्शन फिल्म 'गांजा शंकर' का एक टीजर जारी किया गया है, जिसमें एक्टर को खतरनाक और खूनी अवतार में दिखाया गया है। फिल्म में लीड रोल निभाने वाला एक्टर रोजमर्रा के टिपिकल फिल्म हीरो की तुलना में एंटी-हीरो की तरह दिख रहे हैं। टीजर की शुरुआत गांजा शंकर की बेटी से होती है, जो उनसे सुपरमैन और स्पाइडरमैन जैसे सुपरहीरो के बारे में पूछती है। बीजीएम भी अपने शुरुआती नोट्स में एवेंजर्स फिल्म की तरह लगता है, हालांकि यह जल्दी ही एक अलग मोड़ ले लेता है।

रिपब्लिक फेम एक्टर अपनी बेटी को एक कहानी सुनाते हैं, क्लिप में एक्टर को सिगार पीते हुए दिखाया गया है, उनका चेहरा पूरी तरह से सामने नहीं आया है।

फिर जैसे ही वह कहानी सुनाते है, चीजें धीरे-धीरे अलग मोड़ लेने लगती हैं। पहले पुलिस अधिकारी उनका पीछा कर रहे होते हैं, और फिर बाद में वह सूर्यास्त के बीच एक पार्क में बेंच पर लेटे होते हैं। आखिरी शॉट में, चित्रलहरी एक्टर क्लीवर पकड़े हुए हैं और स्क्रीन पर खून के छींटे दिखाई दे रही हैं, इससे पहले कि लाशों का ढेर दिखाया जाता है।

फाइनल शॉट में लिखा होता है- जन्मदिन मुबारक हो हमारे मेगा सुप्रीम हीरो 'गांजा शंकर' संपत नंदी द्वारा निर्देशित है, एस नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा निर्मित है, भीम्स सेसिरोलियो द्वारा संगीत दिया गया है। फिल्म वर्तमान में वीएफएक्स और अंतिम शॉट्स के संबंध में पोस्ट-प्रोडक्शन प्रक्रिया से गुजर रही है।

'बॉम्बे वेलवेट' के संगीत पर अमित त्रिवेदी ने कहा कि यह मेरा निजी पसंदीदा है

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बॉक्स-ऑफिस पर असफल साबित हुए बॉम्बे वेलवेट के संगीत एल्बम को लेकर संगीतकार और गायक अमित त्रिवेदी ने कहा कि 2015 की फिल्म 'बॉम्बे वेलवेट' का संगीत मेरा व्यक्तिगत पसंदीदा है और जब उन्हें कोई परिणाम नहीं मिला तो उनका दिल टूट गया।

'बॉम्बे वेलवेट' के संगीत को कम आंके जाने के बारे में बात करते हुए त्रिवेदी ने बताया कि जब मैं इसे बना रहा था तो यह मेरा व्यक्तिगत पसंदीदा था, मुझे याद आया एक दिन मैं अपने आप से बात कर रहा था 'भाई अद्भुत है' यह बहुत अच्छा लगता है लेकिन जो भी हो यह फिल्म का ही हिस्सा है ना। उन्होंने कहा कि फिल्म के हश्र के साथ संगीत के लिए की गई मेहनत भी बर्बाद हो गई। बहुत सारी ऊर्जाएं है, और फिल्में अपनी किस्मत के साथ आती हैं। फिल्म नहीं चली, कुछ नहीं चला, संगीत नहीं चला, सब कुछ बर्बाद हो गया।

त्रिवेदी ने हाल ही में अपना नया एल्बम सॉन्गस ऑफ ट्रांस 2 लॉन्च किया है। उन्होंने कहा कि इससे दुख हुआ। आगे कहा कि यह बहुत बुरा लगा क्योंकि आपने चार साल तक कुछ नया सीखने के लिए काम किया जो आपकी शैली नहीं है। मैं जैज संगीतकार नहीं हूं, लेकिन किया और उसका रिजल्ट नहीं आया। तो दिल तो टूटता है। बॉम्बे वेलवेट अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 2015 की भारतीय पीरियड गैंगस्टर फिल्म है और यह इतिहासकार ज्ञान प्रकाश की किताब मुंबई फेबल्स पर आधारित है। इसमें रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा और करण जौहर, के के मेनन, मनीष चौधरी, विवान शाह और सिद्धार्थ बसु हैं।

बदनाम गलियों से भी निकलती है ऐसी सकारात्मक रोशनी

बेटियों की बनाई 'शगुन की खोइंछादानी' से भरा जाएगा मां दुर्गा का खोईंछा

मुजफ्फरपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कहा जाता है कि कभी-कभी बदनाम गलियों से भी ऐसी सकारात्मक रोशनी निकलती है जो समाज को नया संदेश देती है। ऐसा ही एक संदेश बिहार के मुजफ्फरपुर के चतुर्भुज स्थान से निकाला है जहां की लड़कियां आज शगुन की खोईंछादानी बना रही है, जिससे श्रद्धालु महिलाएं दुर्गा पूजा में मां दुर्गा का खोईंछा भरेंगी। बिहार में बेटी की विदाई के समय खोईंछा देने की परंपरा है। खोईंछा भरने के लिए पान, सुपारी, हल्दी, अक्षत, दूब, मिठाई आदि आंचल में दिए जाते हैं। माना जाता है कि मां दुर्गा का खोईंछा भरने से माता की असीम कृपा होती है, लोग धन-धान्य से संपन्न होते है।

मुजफ्फरपुर की रेड लाइट क्षेत्र की बेटियां ने इस साल खोईंछादानी बनाकर अनूठी पहल की है। गौर करने वाली बात है कि इसकी मांग भी खूब हो रही है। श्रद्धालु

पान, सुपारी, हल्दी, अक्षत, दूब, मिठाई आदि आंचल में देने की खोईंछा की परंपरा

से लेकर पुजारी भी खोईंछादानी खरीद रहे हैं। खोईंछादानी बना रही जैनब बताती हैं कि पहले ऐसी उम्मीद नहीं थी कि इसकी मांग इतनी ज्यादा होगी लेकिन नवरात्र में नारी शक्ति को सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि 500 तक खोईंछादानी बिक चुकी हैं। यहां की बेटियां आसपास के मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं को भी इसे लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं। इन बेटियों को इसके लिए प्रेरित करने वाली और इसी समाज से आने वाली राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सलाहकार नसीमा खातून कहती हैं कि पहले यहां की बेटियां इसे बनाने से झिझक रही थी कि यहां बनाई खोईंछादानी भला लोग क्यों खरीदेंगे। तब खातून ने कहा था कि दुर्गा पूजा में जब यहां की मिट्टी की जरूरत होती है, तो लोग खोईंछादानी क्यों नहीं खरीदेंगे। शबीना बताती हैं कि इसे बनाने में पवित्रता और स्वच्छता का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि 80 रुपए से लेकर 200 रुपए तक की खोईंछादानी यहां उपलब्ध हैं। कई पूजा समितियों द्वारा भी इनके लिए ऑर्डर मिले हैं। नसीमा बताती हैं कि यह एक अच्छी पहल हैं उनका मानना है कि दुर्गा पूजा के बाद भी इसकी मांग कम नहीं होने वाली है, क्योंकि बिहार में बेटियों को खोईंछा देने की परंपरा है जिसके लिए खोईंछादानी की जरूरत होगी।

आईजेएम टोयटा ने मनाया पहली वर्षगांठ

गुरुग्राम, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। IJM Toyota Gurugram अक्टूबर 2022 में अपनी स्थापना के बाद से अपनी पहली वर्षगांठ मना रहा है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर ग्राहकों को 51 कारों की डिलीवरी की घोषणा की गई है। MD अंकुश मारवाह और अध्यक्ष Chairman सी एस मारवाह ने ग्राहकों की संतुष्टि के लिए एक दूरदर्शी लक्ष्य निर्धारित किया है। ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के प्रति उनका अटूट समर्पण IJM Toyota Gurugram की वृद्धि की प्रेरणा रही है। CEO हिमांशु जयसिंघानी ने बिक्री और बिक्री के बाद की सेवा दोनों में ग्राहकों की संतुष्टि से लेकर पारदर्शी प्रतिबद्धताओं और समय पर सेवाओं जैसे प्रत्येक हर मानकों में सफलता हासिल की है।

जयसिंघानी ने कहा कि ग्राहकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे परिचालन के मूल में बनी हुई है। हमारा लक्ष्य न केवल हर Toyota उपभोक्ता की अपेक्षाओं को पूरा करना है बल्कि उससे आगे बढ़ना है। डीलरशिप ने अपनी सेवा क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में पर्याप्त

नवरात्रि के पहले दिन पर किया गया 51 कारों की डिलीवरी

प्रगति की है। हीरो होंडा चौक पर स्थित नव विस्तारित वर्कशॉप अब प्रति दिन 60 कारों तक सेवा देने की क्षमता रखती है।

यह विकास सभी Toyota उपभोक्ताओं के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में IJM Toyota Gurugram की स्थिति को मजबूत करता है। अंकुश मारवाहा ने कहा कि यह पिछला वर्ष हमारी टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण रहा है। हम ग्राहक की संतुष्टि में नए मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

IJM Toyota Gurugram के एक ग्राहक, मनोज कुमार शर्मा ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि मेरी जरूरतों को समझने और एक अनुरूप समाधान प्रदान करने के लिए कर्मचारियों का समर्पण वास्तव में सराहनीय था। IJM Toyota Gurugram ने मेरा विश्वास जीता है, और मैं उनके साथ लंबे समय तक सहयोग की आशा करता हूं।

वैज्ञानिक खोज के लिए नया चैटजीपीटी जैसा एआई टूल लॉन्च

न्यूयॉर्क, 15 अक्टूबर (आईएएनएस)। साइंटिस्ट की इंटरनेशनल टीम ने एक नया रिसर्च कोलैबोरेशन शुरू किया है जो एआई

पॉलीमैथिक एआई टीम में फिजिक्स, एस्ट्रोफिजिक्स, मैथ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और न्यूरोसाइंस के विशेषज्ञ शामिल

टूल बनाने के लिए चैटजीपीटी के पीछे उसी तकनीक का लाभ उठाएगा। चैटजीपीटी शब्दों और वाक्यों पर काम करता है। नई पहल, जिसे पॉलीमैथिक एआई कहा जाता है, वैज्ञानिक क्षेत्रों से न्यूमेरिकल डेटा और फिजिक सिमुलेशन से सीखेगी ताकि वैज्ञानिकों को सुपरजायंट स्टार्स से लेकर पृथ्वी की जलवायु तक हर चीज के मॉडलिंग में सहायता मिल सके।

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में फ्लैटिरॉन इंस्टीट्यूट के सेंटर फॉर कम्प्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स में एक ग्रुप लीडर पॉलीमैथिक एआई प्रमुख

अन्वेषक शर्ली हो ने कहा कि यह पूरी तरह से बदल देगा कि लोग साइंस में एआई और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल कैसे करते हैं। हो ने कहा कि पॉलीमैथिक एआई के पीछे का विचार वैसा ही है जैसे जब आप पहले से ही पांच भाषाएं जानते हों तो एक नई भाषा सीखना आसान हो जाता है।

एक बड़े, पूर्व-प्रशिक्षित मॉडल से शुरुआत करना, जिसे फाउंडेशन मॉडल के रूप में जाना जाता है, स्क्रैच से एक वैज्ञानिक मॉडल बनाने की तुलना में तेज और अधिक सटीक दोनों हो सकता है।

फ्लैटिरॉन इंस्टीट्यूट के सेंटर फॉर कम्प्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स के अतिथि शोधकर्ता, सह-अन्वेषक सियावश गोलकर ने कहा कि पॉलीमैथिक एआई हमें विभिन्न क्षेत्रों के बीच समानताएं और कनेक्शन दिखा सकता है जो छूट गए होंगे। पॉलीमैथिक एआई टीम में फिजिक्स, एस्ट्रोफिजिक्स, मैथ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और न्यूरोसाइंस के विशेषज्ञ शामिल हैं।

पॉलीमैथिक एआई का प्रोजेक्ट भौतिकी और खगोल भौतिकी (और अंततः रसायन विज्ञान और जीनोमिक्स जैसे क्षेत्रों, इसके रचनाकारों का कहना है) में विविध स्रोतों से डेटा का उपयोग करके सीखेगा और उस बहु-विषयक समझ को वैज्ञानिक समस्याओं की एक विस्तृत श्रृंखला में लागू करेगा।

जब सटीकता की बात आती है तो चैटजीपीटी की बड़ी सीमाएं हैं। हो ने कहा, पॉलीमैथिक एआई का प्रोजेक्ट उन कई नुकसानों से बच जाएगा, संख्याओं को वास्तविक संख्याओं के रूप में माना जाए, न कि केवल अक्षरों और विराम चिह्नों के समान स्तर पर वर्णों के रूप में। प्रशिक्षण डेटा वास्तविक वैज्ञानिक डेटासेट का भी उपयोग करेगा जो ब्रह्मांड के अंतर्निहित भौतिकी को पकड़ता है।

हो ने कहा, पारदर्शिता और खुलापन परियोजना का एक बड़ा हिस्सा है। हम सब कुछ सार्वजनिक करना चाहते हैं। हम विज्ञान के लिए एआई का इस तरह से लोकतंत्रीकरण करना चाहते हैं कि, कुछ वर्षों में, हम समुदाय को एक पूर्व-प्रशिक्षित मॉडल प्रदान करने में सक्षम होंगे जो विभिन्न प्रकार की समस्याओं और डोमेन में वैज्ञानिक विश्लेषण को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

एक नए अध्ययन में खुलासा

महिलाएं दिखावे के लिए ताकतवर व शादी के लिए खुशमिजाज पुरुषों को करती हैं पसंद

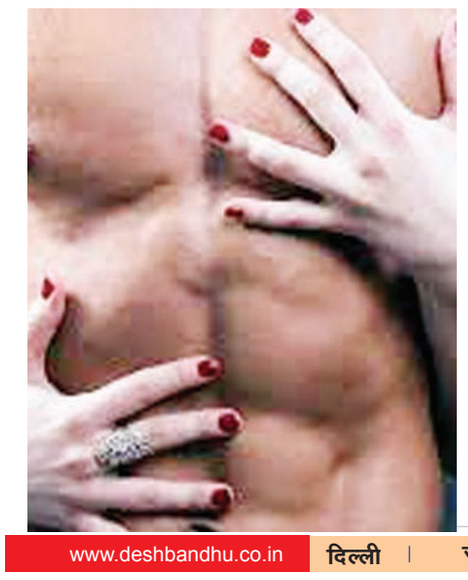

न्यूयॉर्क, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक शोध के अनुसार महिलाएं विशेष रूप से अल्पकालिक संदर्भों में शारीरिक शक्ति वाले पुरुषों को पसंद करती हैं। वहीं जब शादी की बात आती है तो वह खुशमिजाज पुरुषों को चुनती हैं। पर्सनल रिलेशनशिप्स में प्रकाशित निष्कर्षों से पता चला है कि लंबे रिश्तों में सफलता के लिए पार्टनर का ह्यूमर सबसे आकर्षक गुण है। अमेरिका में अर्कांसास विश्वविद्यालय के फुलब्राइट कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज में मनोविज्ञान प्रशिक्षक मिच ब्राउन ने बताया कि हमारा डेटा बताता है कि ताकतवर और खुशमिजाज पुरुषों में से महिलाएं अपनी प्राथमिकताओं के हिसाब से चुनाव करती हैं। हालांकि हम यह दिखाना जारी रखते हैं कि महिलाएं अल्पकालिक रिश्तों में पुरुषों की ताकत और दीर्घकालिक संदर्भों में ह्यूमर को प्राथमिकता देती हैं। यह शोध सामाजिक धारणाओं और पारस्परिक प्राथमिकताओं को आकार देने वाले उद्देश्यों को समझने के दृष्टिकोण पर केंद्रित है। यह दर्शाता है कि कैसे लोग अल्पकालिक और दीर्घकालिक साथियों के लिए प्राथमिकताएं निर्धारित करने में शारीरिक विशेषताओं और व्यवहार को प्राथमिकता देते हैं।

लंबे रिश्तों में सफलता के लिए पार्टनर का ह्यूमर सबसे आकर्षक गुण

अध्ययन के लिए, एक बड़े विश्वविद्यालय में हेट्रोसेक्सुअल और बाइसेक्सुअल के रूप में पहचान करने वाली 394 महिलाओं की प्राथमिकताओं का नमूना लिया गया। 19 वर्ष की औसत आयु के साथ, 251 प्रतिभागियों की पहचान एकल और 143 की भागीदारी वाले के रूप में की गई।

ऐतिहासिक रूप से, प्रजनन सफलता शारीरिक और मनोवैज्ञानिक गुणों वाले साथी की पहचान पर निर्भर रही है जो प्रासंगिक प्रजनन लक्ष्यों को पूरा करते हैं। आदर्श यह है कि ऐसे साथी का चयन किया जाए जो शारीरिक रूप से आकर्षक हो और जिसमें सकारात्मक व्यवहार संबंधी गुण हों। हालांकि, ऐसे साथी को खोजने में मुश्किल के कारण दूसरे पर प्राथमिकता देना आवश्यक हो गया है।

शोधकर्ताओं ने यह निर्धारित करने की कोशिश की है कि महिलाएं अल्पकालिक और दीर्घकालिक संदर्भों में अपने पार्टनर का मूल्यांकन कैसे करती हैं। शोधकर्ताओं को शारीरिक शक्ति और हास्य के बीच कोई परस्पर प्रभाव नहीं मिला। दूसरे शब्दों में, ताकत और ह्यूमर ने महिलाओं की प्राथमिकताओं पर स्वतंत्र रूप से प्रभाव डाला।

कुल मिलाकर ब्राउन ने कहा कि उनके परिणामों से संकेत मिलता है कि पुरुष साथी में महिलाओं की पसंद अलग-अलग होती है।

'कलास्टार' के लिए फिर साथ आए सोनाक्षी सिन्हा, यो यो हनी सिंह

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज 'दहाड़' में नजर आई अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा 9 साल बाद रैपर यो यो हनी सिंह के साथ फिर से जुड़ गई हैं। दोनों ने रविवार को अपना नया ट्रैक 'कलास्टार' रिलीज किया।

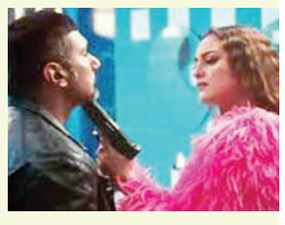

यह गाना सोनाक्षी और यो यो हनी सिंह के पिछले म्यूजिक एल्बम 'देसी कलाकार' का विस्तार है, जो 2014 में रिलीज हुआ था। गाने के म्यूजिक वीडियो में यो यो हनी सिंह और सोनाक्षी के बीच शानदार केमिस्ट्री दिखाई गई है। इस सहयोग के बारे में बात करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने साझा किया कि 9 साल बाद एक बार फिर यो यो हनी सिंह के साथ जुड़ना बेहद खुशी की बात थी। हनी के साथ काम करना हमेशा मजेदार होता है, और इस गाने में जो जीवंतता है वह स्वैग से भरपूर है। उन्होंने आगे कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि यह 'देसी कलाकार' का विस्तार है जिसे प्रशंसकों द्वारा बहुत पसंद किया गया था।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

टाटा मोटर्स	4.76 प्रतिशत
एचसीएल टेक	2.55 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	2.00 प्रतिशत
मारुति	1.62 प्रतिशत
सन फार्मा	1.33 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एक्सिस बैंक	2.33 प्रतिशत
इंफोसिस	2.24 प्रतिशत
एसबीआई	1.71 प्रतिशत
विप्रो	1.43 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	0.85 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	59900
बिटुर	59275
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	30,345
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74,700
वायदा	72,285
चांदी सिक्का लिवाली	825
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	83.143	83.775
पौड स्टर्लिंग	103.09	105.45
यूरो	88.51	88.80
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां) इजरायल और फलिस्तीन के बीच जारी संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

दूसरी तिमाही की अर्निंग से संकेत ले सकते हैं निवेशक

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि निवेशक दूसरी तिमाही की अर्निंग पर बारीकी से नजर रखेंगे, जिसमें ऑटो, वित्त और तेल और गैस जैसे क्षेत्रों से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही की आय पर सकारात्मक उम्मीदों और मध्य पूर्व संघर्ष पर चिंताओं के बावजूद वैश्विक बांड यील्ड में नरमी से भारतीय बाजार में अच्छी शुरूआत हुई है।

हालांकि, अमेरिकी मुद्रास्फीति डेटा के अनुमान से अधिक होने और इसके चलते ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि ने सप्ताह के अंत तक सकारात्मक प्रवृत्ति को थोड़ा कम कर दिया। उन्होंने कहा कि सीपीआई डेटा में उल्लेखनीय गिरावट और प्रभावशाली औद्योगिक उत्पादन जैसे घरेलू कारकों ने उम्मीदें बनाए रखने में मदद की। उन्होंने कहा, आईटी सेक्टर के कमजोर राजस्व और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण बाजार रुझान प्रभावित हुआ। दूसरी ओर, रियल्टी क्षेत्र ने अच्छा प्रदर्शन किया, महत्वपूर्ण परियोजना लॉन्च और त्योहारी सीजन से उत्साहित होकर प्री-सेल में बढ़ोतरी हुई। एमके वेल्थ मैनेजमेंट के शोध प्रमुख जोसेफ थॉमस ने कहा कि अमेरिका में स्थिर खुदरा मुद्रास्फीति, अमेरिका में आगे दरों में बढ़ोतरी की संभावना अभी भी बरकरार है और चल रहे भू-राजनीतिक तनाव ऐसे कारक हैं जो आने वाले समय में बाजार के सेंटीमेंट्स को कमजोर कर सकते हैं। लेकिन एक मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था की वास्तविकता इक्विटी का समर्थन करती है, और इसलिए, किसी भी सुधारात्मक गिरावट में यह महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करती है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि निकट भविष्य में बाजार व्यापक आर्थिक आंकड़ों और जारी दूसरी तिमाही के नतीजों से संकेत लेना जारी रखेगा। एचडीएफसी बैंक सोमवार को नतीजे घोषित करेगा, उसके बाद सप्ताह के दौरान बजाज फाइनेंस, एचयूएल, बजाज ऑटो, विप्रो और आईटीसी आएंगे। कुल मिलाकर, भारतीय बाजार ने कई वैश्विक प्रतिकूलताओं के बावजूद इस सप्ताह 0.5 प्रतिशत की बढ़त के बावजूद लचीलापन दिखाया है। हम उम्मीद करते हैं कि मजबूत आर्थिक आंकड़ों के साथ-साथ अपेक्षित स्वस्थ कॉर्पोरेट आय के कारण बाजार सकारात्मक दायरे में रहेगा।

■ निवेशक दूसरी तिमाही की अर्निंग पर बारीकी से नजर रखेंगे, जिसमें ऑटो, वित्त और तेल और गैस जैसे क्षेत्रों से काफी उम्मीदें हैं:-विनोद नायर जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन ने बच्चों के लिए 50 लाख भोजन जुटाए

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में रनफॉरजीरोहंगर अभियान के तहत मैराथॉन की हर एक किलोमीटर की दौड़ में ज़रूरतमंद बच्चों को एक समय का भोजन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता ने कुल मिलाकर 50 लाख भोजन इकट्ठा किए हैं। मैराथॉन के आज संपन्न दूसरे संस्करण में 35,000 से अधिक धावकों ने भाग लिया। लोगों की रिकॉर्ड भागीदारी रही। पिछले वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक धावाकों ने हाफ मैराथन, ओपन 10हजार मीटर रन, ग्रेट दिल्ली रन, सीनियर सिटिज़न और चैंपियंस विद डिसेबिलिटी रन सहित पांच आयोजनों में भाग लिया। इससे जुटाये गये 50 लाख भोजन आने वाले हफ्तों में वेदांता के लगभग 6,000 नंद घरों के नेटवर्क में परोसा जाएगा। नंद घर, आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्र हैं। 'नंद घर' देश के 14 राज्यों में संचालित होने वाला वेदांता समूह के अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की एक प्रमुख सामाजिक पहल है। रविवार के दिन आयोजित इस मैराथन दौड़ को वेदांता की निदेशक और हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड की अध्यक्ष प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर सुश्री हेब्बर ने कहा, आज हमने जो देखा, वह जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को एकजुट होकर, मनोरंजन के साथ फिटनेस, और उससे भी ज़रूरी, एक उद्देश्य के लिए, उनकी सहभागिता दर्शाता है। हमारे अध्यक्ष अनिल अग्रवाल का सपना है कि भारत के हर बच्चे को पौष्टिक भोजन से युक्त आहार नियमित रूप से उपलब्ध हो और हर बच्चा भरपूर भोजन मिलने के बाद ही सोये। हम रनफॉरजीरोहंगर अभियान के माध्यम से हर भारतीय को शामिल करते हुए एक जन आंदोलन बनाना चाहते हैं। इसी उद्देश्य से यह दौड़ आयोजित की गई है। हम चाहते हैं कि इस देश की हर आंगनवाड़ी एक आधुनिक नंद घर बने। हाल ही में, वेदांता ने अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के माध्यम से मिलेट-आधारित न्यूट्री-बार लॉन्च किया। इसे नंद घरों सहित आंगनवाड़ियों में बच्चों को पूरक पोषण आहार के रूप में दिया जाता है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के धावकों को जीतने पर पदक प्रदान किया गया।

इस त्योहारी सीजन में लें मेड इन यूपी वाइन का स्वाद

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बनी पहली वाइन चालू त्योहारी सीजन के दौरान परोसे जाने की संभावना है। आबकारी विभाग ने मुजफ्फरनगर स्थित एक उद्यमी को वाइनरी का व्यावसायिक संचालन शुरू करने के लिए हरी झंडी दे दी है। इकाई के मालिक ने उत्पादों के ब्रांड नामों को शॉर्टलिस्ट किया है और जल्द ही उन्हें विभाग के साथ पंजीकृत करने जा रहा है।

प्रमोटर मुजफ्फरनगर में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर विंटनरी-कम-रिज़ॉर्ट के पर्यटन आयोजित करने की योजना बना रहा है। स्थानीय फलों से वाइन का उत्पादन करने वाले मनोज गुप्ता ने कहा कि 750 मिलीलीटर और 330 मिलीलीटर वाइन की बोतलें दिवाली से पहले खुदरा दुकानों में आ जाएंगी। शुरुआती चरण में, गुप्ता ने अमरूद आधारित वाइन लॉन्च करने की योजना बनाई है। बाद में वाइन बनाने के लिए पांच और फलों - आम, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, आडू और लीची - का अर्क तैयार किया जाएगा।

गुप्ता ने कहा, 'हम विभिन्न स्वादों की वाइन लॉन्च करने जा रहे हैं और देखेंगे कि कौन सी किस्म सबसे अधिक पसंद की जाती है और उसके अनुसार उत्पादन बढ़ाएंगे।' गुप्ता को एक वर्ष में 60 हजार लीटर वाइन का उत्पादन करने की अनुमति दी गई है। विंटनरी का संचालन महाराष्ट्र के नासिक के आधा दर्जन अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा, जहां कई दशकों से अंगूर आधारित वाइन का उत्पादन किया जाता रहा है।

उत्तर प्रदेश में बनी पहली वाइन चालू त्योहारी सीजन के दौरान परोसे जाने की संभावना

किसानों/बागवानों के लिए आय और अवसरों में सुधार के लिए, उत्तर प्रदेश सरकार ने मार्च 2022 में विंटनरी नियमों को लागू करने के लिए आबकारी नीति में संशोधन किया, जिसके माध्यम से वाणिज्यिक शराब उत्पादन की अनुमति दी गई है। एक प्रमुख प्रोत्साहन की पेशकश करते हुए, राज्य ने स्थानीय रूप से प्राप्त फलों के माध्यम से उत्पादित शराब पर शुल्क नहीं लगाने का फैसला किया है।

आबकारी आयुक्त सेंथिल सी. पांडियन ने कहा कि स्थानीय जिला उत्पाद शुल्क अधिकारी क्वार्ट बोतलों में यंग वाइन के कम से कम दो सैंपल एकत्र करेंगे। बोतलों को बाजार में लॉन्च करने से पहले पीने की क्षमता और वास्तविक अल्कोहल शक्ति के लिए प्रयोगशाला में इसकी जांच कराएंगे। मुजफ्फरनगर जिला आबकारी अधिकारी आर.बी. सिंह ने कहा कि स्थानीय खुदरा विक्रेताओं और बार मालिकों को दुकानों के भीतर ग्राहकों के सामने यूपी निर्मित शराब प्रदर्शित करने के लिए कहा जाएगा। गुप्ता ने कहा कि विंटनरी को 20 कमरों वाले रिसॉर्ट में स्थापित किया गया है, जिसे उत्पादन प्रक्रिया सीखने में रुचि दिखाने वाले आगंतुकों को आरामदायक ठहराव की सुविधा प्रदान करने के लिए सजाया गया है।

उत्पादन के लिए आवश्यक उपकरण, मशीनरी आदि की खरीद पर चार करोड़ रुपये की लागत आयेगी। विभिन्न फलों की किस्मों की 750 मिलीलीटर की बोतल की कीमत 800 रुपए से 1,500 रुपए के बीच होगी। अधिकारियों ने कहा कि इस बीच, बरेली में स्थित एक अन्य वाइन इकाई के भी इस साल के भीतर अपने उत्पाद लॉन्च करने की उम्मीद है।

तिमाही नतीजों पर रहेगी बाजार की नजर

सप्ताहिक समीक्षा

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह करीब आधे प्रतिशत की तेजी में रहे घरेलू शेयर बाजार की नजर अगले सप्ताह वैश्विक रुझान के साथ ही कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों पर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 287.11 अंक अर्थात 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 66282.74 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 97.55 अंक यानी 0.5 प्रतिशत की छलांग लगाकर 19751.05 अंक पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली हुई। इससे बीएसई का मिडकैप 227.96 अंक उछलकर सप्ताहांत पर 32305.62 अंक और स्मॉलकैप 324.25 अंक मजबूत होकर 38184.83 अंक पर पहुंच गया।

बाजार सलाहकार कंपनी जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर के अनुसार, दूसरी तिमाही के परिणाम को लेकर सकारात्मक उम्मीदों और इजरायल-हमास संघर्ष पर चिंताओं के बावजूद वैश्विक बांड यील्ड में नरमी से भारतीय बाजार सुस्त शुरुआत से उबर गया। हालांकि, अमेरिकी में महंगाई की दर उम्मीद से अधिक रहने की वजह से ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि ने सप्ताह के अंत तक सकारात्मक प्रवृत्ति को थोड़ा कम कर दिया। वहीं, स्थानीय स्तर पर सितंबर में खुदरा

महंगाई में आई गिरावट और प्रभावशाली औद्योगिक उत्पादन जैसे घरेलू कारकों ने उम्मीद को बनाए रखने में मदद की। इस बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की आय में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण सीजन की कमजोर शुरुआत ने व्यापक बाजार रुझान को प्रभावित किया। वहीं, दूसरी ओर रियल्टी क्षेत्र ने अच्छा प्रदर्शन किया। महत्वपूर्ण परियोजनाओं की लॉन्चिंग और त्योहारी सीजन की शुरुआत से उत्साहित होकर प्री-सेल्स में बढ़ोतरी हुई।

श्री नायर ने कहा कि अगले सप्ताह कई दिग्गज कंपनियों विशेषकर ऑटो, वित्त और तेल एवं गैस क्षेत्र की कंपनियों के वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी होने वाले हैं। इस पर बाजार की नजर रहेगी। अगले सप्ताह एचडीएफसी बैंक, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, फेडरल बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, नेल्को, बजाज फाइनेंस, विप्रो, बजाज ऑटो, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनीलीवर, आईटीसी, नेस्ले इंडिया, जेएसडब्ल्यू स्टील और इक्रा जैसी दिग्गज कंपनियों के परिणाम आने वाले हैं।

बीते सप्ताह बाजार में तीन दिन गिरावट जबकि दो दिन तेजी का रुख रहा। वैश्विक स्तर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर लगभग हर क्षेत्र में हुयी बिकवाली के कारण सोमवार को सेंसेक्स 483.24 अंक टूटकर 65512.39 अंक और निफ्टी 141.15 अंक उतरकर 19512.35 अंक पर रहा। वहीं, अमेरिकी फेड रिजर्व के बॉन्ड यील्ड में जबरदस्त तेजी को देखते हुए ब्याज की ऊंची दर को उचित ठहराने के संकेत से विश्व बाजार के सकारात्मक संकेत से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत मंगलवार को सेंसेक्स 566.97 अंक की छलांग लगाकर 66079.36 अंक और निफ्टी 177.50 अंक की तेजी लेकर 19689.85 अंक पर पहुंच गया।

इसी तरह अमेरिकी फेड रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक के मिनट्स और महंगाई के आंकड़े जारी होने से पहले विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों चौतरफा लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स 393.69 अंक की छलांग लगाकर 66473.05 अंक और निफ्टी 119.60 अंक की तेजी लेकर 19809.45 अंक हो गया। विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, एसबीआई और एलटी समेत चौदह कंपनियों में हुई बिकवाली से गुरूवार को सेंसेक्स 64.66 अंक उतरकर 66408.39 अंक और निफ्टी 17.35 अंक फिसलकर 19794 अंक पर आ गया।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.2 अरब डॉलर घटकर 584.7 अरब डॉलर पर

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी आने से 06 अक्टूबर को को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार पांचवें

सप्ताह गिरता हुआ 2.2 अरब डॉलर घटकर 584.7 अरब डॉलर रहा गया वहीं इसके पिछले सप्ताह यह 3.8 अरब कम होकर 586.9 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 06 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 70.7 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 519.5 अरब डॉलर रह गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.4 अरब डॉलर की कमी के साथ 42.3 अरब डॉलर पर आ गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 1.5 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 17.9 अरब डॉलर रह गया। इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.9 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 4.9 अरब डॉलर रह गई।

सार संक्षेप

सऊदी अरामको पाकिस्तान में शेल की संपत्तियों के लिए बोली लगाने पर कर रही विचार

कराची। सऊदी अरामको कथित तौर पर पाकिस्तान में शेल पीएलसी की संपत्ति के लिए बोली लगाने की संभावना तलाश रही है। मामले से परिचित सूत्रों का हवाला देते हुए ब्लूमबर्ग ने बताया, 'यह संभावित डील दक्षिण एशियाई देश के ऊर्जा क्षेत्र में सऊदी अरब के पहले उद्यम को चिह्नित कर सकता है।' एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, कहा जा रहा है कि दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको पाकिस्तान में शेल परिसंपत्तियों का मूल्यांकन कर रही है, जिसमें शेल पाकिस्तान लिमिटेड पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज (पीएसएक्स) में सूचीबद्ध है और इसका अनुमानित बाजार मूल्य 123 मिलियन डॉलर है। हालांकि, संभावित लेनदेन का सटीक मूल्य अज्ञात है। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि विचाराधीन संपत्ति का मूल्य लगभग 200 मिलियन डॉलर हो सकता है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, यह घटनाक्रम इस साल जून में शेल पाकिस्तान लिमिटेड (एसपीएल) द्वारा की गई एक पूर्व घोषणा का अनुसरण करता है, जहां मूल कंपनी शेल पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड (एसपीसीओ) ने एसपीएल में अपनी हिस्सेदारी बेचने की इच्छा व्यक्त की थी। शेल का निर्णय शेयरधारकों के लिए रिटर्न बढ़ाने और खराब प्रदर्शन करने वाले व्यवसायों से विनिवेश करने के लिए सीईओ वेल सावन के तहत अपनी व्यापक कॉर्पोरेट रणनीति के अनुरूप है। सऊदी अरामको इन परिसंपत्तियों पर नजर रखने वाली एकमात्र प्लेयर नहीं है। जुलाई में, पाकिस्तान रिफाइनरी लिमिटेड (पीआरएल) और एयर लिंक कम्युनिकेशन (एआईआरलिंक) ने संयुक्त रूप से शेल पाकिस्तान लिमिटेड में बहुमत हिस्सेदारी और नियंत्रण हासिल करने का इरादा व्यक्त किया है।

भारत-पाक क्रिकेट मैच के दौरान स्विगी पर प्रति मिनट 250 बिरयानी का ऑर्डर

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने शनिवार को कहा कि उसे वनडे वर्ल्ड कप ग्रुप मैच में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले के दौरान प्रति मिनट 250 से अधिक बिरयानी के ऑर्डर मिले। मैच शुरू होने के बाद से स्विगी को प्रति मिनट 250 बिरयानी का ऑर्डर दिया गया। कंपनी ने कहा, 'चंडीगढ़ में एक परिवार ने एक बार में 70 बिरयानी का ऑर्डर दिया। ऐसा लगता है कि वे पहले से ही जश्न मना रहे थे।' इसके अलावा मैच के दौरान भारतीयों ने 1 लाख से ज्यादा कोल्ड ड्रिंक का ऑर्डर भी दिया। स्विगी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज ब्लू लेज़ (चिप्स) और ग्रीन लेज़ की क्रमशः 10,916 और 8,504 पैकेट्स का ऑर्डर दिया गया। निःसंदेह ब्लू यहां भी जीत रहा है।' कंपनी ने आगे कहा, '3,509 कंडोम का ऑर्डर दिया गया, कुछ खिलाड़ी आज मैदान से बाहर खेल रहे हैं।' भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 1,00,000 से अधिक प्रशंसकों के सामने बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पाकिस्तान को सिर्फ 191 रन पर आउट कर दिया और फिर आसानी से सात विकेट से जीत हासिल की।

खाद्य तेल और दाल-दलहन सस्ता

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर मांग फिसलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही दाल-दलहन के भाव गिर गए वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का नवंबर वायदा सप्ताहांत पर 140 रिंगिट उबलकर 3705 रिंगिट प्रति टन हो गया। वहीं, नवंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.12 सेंट की गिरावट लेकर 54.48 सेंट प्रति पौंड रह गया।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 73 रुपए, मूंगफली तेल 146 रुपए, सूरजमुखी तेल 220 रुपए, सोया रिफाइंड 146 रुपए, पाम ऑयल 67 रुपए और वनस्पति तेल 67 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हो गया।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 12967 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20000 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 12454 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 11209 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 8466 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 10333 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

एयर इंडिया के वरिष्ठ पायलटों और प्रबंधन के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश का विमानन क्षेत्र लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है, महामारी के तूफान का दिलेरी से सामना करने वाले पायलटों के लिए एक आशाजनक परिदृश्य है। हालाँकि, सतह के नीचे, सब कुछ गुलाबी नहीं है - पायलटों और एयरलाइन प्रबंधन के बीच संबंध तेजी से तनावपूर्ण होते जा रहे हैं, खासकर एयर इंडिया के भीतर, जिसके स्वामित्व में लगभग दो साल पहले बदलाव हुआ था।

जब से टाटा संस ने एयर इंडिया का अधिग्रहण किया है, एयरलाइन के पायलटों और नए प्रबंधन के बीच संबंधों में खटास अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह कोई रहस्य नहीं है कि वरिष्ठ पायलटों को अपने पेशे की अनूठी प्रकृति को देखते हुए, अक्सर उन संगठनों के भीतर अपनेपन की भावना तलाशने के लिए संघर्ष करना पड़ता है जिनमें वे सेवा करते हैं। एयर इंडिया के वरिष्ठ पायलट अपनी शिकायतों के बारे में मुखर रहे हैं, अक्सर व्हाट्सएप जैसे प्लेटफार्मों पर अपनी चिंताओं को साझा करते हैं। अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि पायलटों और चालक दल के सदस्यों की यह स्थिति इन महत्वपूर्ण कर्मचारियों को अलग-थलग करने के उद्देश्य से जानबूझकर अपनाई गई रणनीति है। हालाँकि, एयरलाइन के अंदरूनी सूत्रों का आरोप है कि वरिष्ठ पायलटों को उनकी उच्च-रैंकिंग भूमिकाओं से हटा दिया गया, जिसमें संचालन प्रमुख जैसे पद भी शामिल थे, जिसके बाद प्रबंधन के साथ टकराव शुरू हो गया।

■ देश का विमानन क्षेत्र लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है, महामारी के तूफान का दिलेरी से सामना करने वाले पायलटों के लिए एक आशाजनक परिदृश्य है

टाटा प्रबंधन ने सेवा की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन संगठन के भीतर गंभीर मुद्दों के समाधान की तत्काल आवश्यकता प्रतीत होती है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि टाटा को नियंत्रण लेने के तुरंत बाद पुरानी प्रबंधन टीम को हटाकर एक नई टीम को नियुक्त करना चाहिए था। काम करने के अपने मौजूदा तरीकों के साथ बरकरार प्रबंधन को एक अस्थिर प्रभाव के रूप में देखा जाता है, जो एयरलाइन के भीतर अंदरूनी कलह को बढ़ावा देता रहता है।

एयर इंडिया लंबे समय से विभिन्न गुटों के अस्तित्व से पीड़ित है, जो अक्सर एयरलाइन की भलाई की बजाय स्व-हित से प्रेरित होते हैं। पुराने प्रबंधन को बरकरार रखने से अनजाने में ये विभाजन कायम हो गए हैं, जिससे विभिन्न कर्मचारी समूहों और प्रबंधन के बीच प्रतिकूल संबंध बढ़ गए हैं। दशकों के अनुभव वाले कई अंदरूनी सूत्रों का तर्क है कि निजीकरण के बाद से आंतरिक तानाबाना खराब हो गया है। उत्पाद, वित्तीय प्रदर्शन या कार्य वातावरण में सुधार के मामले में कुछ खास दिखाने लायक नहीं है। पूर्व पायलट शक्ति लुंबा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'एयर इंडिया में बस इतना हुआ है कि एक प्रवासी सीईओ और एक प्रवासी सुरक्षा निदेशक मिला है, जिनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है। टाटा ने आईएएस बाबू की जगह टीएएस बाबू को रख लिया है।

खेल जगत

ब्राजील ने विश्वकप क्वालिफाइंग के लिए एड्रिएल्सन को टीम में किया शामिल

रियो डी जनेरियो, 15 अक्टूबर (एजेंसियां) ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने अनकैप्ड बोटाफोगो के डिफेंडर एड्रिएल्सन को उरुग्वे के खिलाफ फीफा विश्वकप क्वालिफाइंग मुकाबले के लिए ब्राजील की टीम में शामिल किया है। सीबीएफ ने शनिवार को यहां बताया कि एड्रिएल्सन (25) को फ्लुमिनेंस सेंटर-बैक मार्सिलियो मोटा की जगह टीम में शामिल किया गया है। शनिवार को प्रशिक्षण सत्र के दौरान मार्सिलियो मोटा के बाएं घुटने में मोच आ गई थी। जुलाई 2022 में स्पोर्ट रेसिफ़ से मुफ्त ट्रांसफ़र पर क्लब में शामिल होने के बाद से एड्रिएल्सन ने बोटाफ़ोगो के लिए 65 शुरुआत की हैं। उरुग्वे और ब्राजील मंगलवार को उरुग्वे की राजधानी मोंटेवीडियो में एस्टाडियो सेंटेनारियो में मुकाबला करेंगे। ब्राजील वर्तमान में 10-टीम दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में तीन मैचों में सात अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि उरुग्वे तीन अंकों के साथ चौथे स्थान पर है।

रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत में कई रिकॉर्ड बनाए

अहमदाबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कप्तान रोहित शर्मा ने 2023 क्रिकेट विश्व कप मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर भारत की 7 विकेट की शानदार जीत में अर्धशतक जमाया और इस प्रक्रिया ने कुछ नए रिकॉर्ड बनाए, जिससे वनडे क्रिकेट में सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के रूप में उनकी प्रतिष्ठा और बढ़ गई। ।

रोहित शर्मा ने शनिवार को 63 गेंदों में छह चौकों और छह छक्कों की मदद से 86 रनों की पारी खेली और इस तरह विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सातवें स्थान पर आ गए। उन्होंने एक बल्लेबाज के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्कों का अपना रिकॉर्ड भी बढ़ाया। वह क्रिकेट विश्व कप के मौजूदा संस्करण में 200 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। शर्मा ने अब तक तीन मैचों में 217 रन बनाए हैं और वह पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान (248) और न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे (229) के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

शनिवार की पारी से विश्व कप के 20 मैचों की 20 पारियों में रोहित का कुल स्कोर 1195 हो गया और उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1186 रन बनाए हैं। इस सूची में शीर्ष पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 45 मैचों की 44 पारियों में 2278 रन बनाए हैं। विश्व कप में 20 या उससे अधिक मैच खेलने वाले बल्लेबाजों में रोहित शर्मा का औसत अब सबसे ज्यादा है। भारत के कप्तान का औसत 66.38 है। समग्र औसत सूची में, तेंदुलकर 56.95 के साथ शीर्ष पर हैं, उनके बाद श्रीलंका के कुमार संगकारा 56.74 (1532 रन) हैं।

इस प्रक्रिया में, रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में 300 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए और सीडब्ल्यूसी 2023 में 200 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने। विश्व कप में अब तक 7 अर्धशतक से अधिक स्कोर के साथ उनके पास संयुक्त रूप से सर्वाधिक 50+ स्कोर है।

सिराज ने पाकिस्तान के खिलाफ पहला विकेट लेने का श्रेय रोहित, विराट के सुझावों को दिया

अहमदाबाद। चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ भारत की 7 विकेट की जोरदार जीत के दौरान सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक और कप्तान बाबर आजम के विकेट अहम साबित हुए। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, जिन्होंने इन दोनों बल्लेबाजों को वापस भेजा, ने खुलासा किया है कि उनके द्वारा लिए गए पहले विकेट में कप्तान रोहित शर्मा और वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली की भूमिका थी, जिससे उन्हें बाबर का महत्वपूर्ण विकेट हासिल करने का आत्मविश्वास मिला । इससे पाकिस्तान की पारी के पतन की शुरुआत हुई। उन्होंने 2-50 के आंकड़े के साथ मैच समाप्त किया। सिराज ने शफीक को एक ऐसी गेंद पर पगबाधा आउट किया जो ऊपर की ओर थी और उसे सामने फंसाने के लिए नीची रखी गई थी। सिराज ने शनिवार को मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अब्दुल्ला शफीक का विकेट एक योजना थी क्योंकि मैंने रोहित भाई से बात की थी - मैंने पहले भी उन्हें बाउंसर फेंकी थी लेकिन वह बीच में फंस गए थे। फिर मैंने रोहित से कुछ देर बात की और वहां कुछ समय बिताया। उन्होंने सोचा कि मैं फिर से बाउंसर फेंकने जा रहा हूं। वह बैकफुट पर था और मैंने गेंद को ऊपर पिच किया और मुझे अच्छी सफलता मिली। सिराज को गेंद देने से पहले रोहित शर्मा और विराट कोहली ने चर्चा की, जिन्होंने भारत के लिए पहला विकेट लिया।

सिराज ने कहा कि उन दोनों से मिले सुझावों और प्रोत्साहन से न सिर्फ उन्हें बल्कि पूरी टीम को फायदा हो रहा है। सिराज ने कहा, मैं क्या कह सकता हूं? आपको एक वरिष्ठ खिलाड़ी से जो भी बात (जानकारी) मिलती है, उससे पूरी टीम को मदद मिलती है; यह सिर्फ एक खिलाड़ी के लिए नहीं बल्कि पूरी टीम के लिए होती है। क्योंकि जब टीम जीतती है, तो सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, पूरी टीम जीतती है। इसलिए, अगर हर कोई अपना अनुभव साझा करता है, तो यह टीम के लिए मददगार है। हैदराबाद के 29 वर्षीय तेज गेंदबाज को विश्व कप में अफगानिस्तान (0-76) और ऑस्ट्रेलिया (1-26) के खिलाफ पिछले दो मैचों में ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन सिराज ने कहा कि उन्होंने अपना आत्मविश्वास नहीं खोया। सिराज ने कहा, जब हम ऑफिस जाते हैं तो आपके पास भी एक दिन की छुट्टी होती है - हर बार एक जैसा प्रदर्शन नहीं हो सकता, ग्राफ हमेशा नीचे आता है। इसलिए, मैं खुद से सोचता हूं कि मैं एक मैच के कारण बुरा गेंदबाज नहीं हूं। मैंने हमेशा अपना आत्मविश्वास ऊंचा रखा कि मेरी गेंदबाजी अच्छी है और मुझे नंबर एक गेंदबाज बनना चाहिए। यह आत्मविश्वास मुझे गेंदबाजी में मदद करता है और अगर मैं एक मैच हार जाता हूं तो मैं बुरा गेंदबाज नहीं बन सकता। मैंने ऐसा करने के लिए खुद को तैयार किया है। मुझे परिणाम मिल गया है। सिराज, जिन्होंने क्रॉस-सीम गेंदबाजी करके अपने विकेट हासिल किए, ने कहा कि उन्होंने तीसरे ओवर से ऐसा करने का फैसला किया क्योंकि उन्हें अतिरिक्त उछाल मिलने की उम्मीद थी। मैंने तीसरे ओवर से शुरुआत की। क्योंकि अंत में, रिवर्स की संभावना हो सकती थी। क्योंकि जब मैं सीम को पार कर रहा था, तो यह बल्ले पर आसानी से आ रही थी। बल्लेबाज संघर्ष नहीं कर रहा था। गेंद आसानी से आ रही थी।

उसने कहा, तो, मैंने सोचा, इस विकेट में बहुत अधिक क्रॉस-सीम है क्योंकि यह कम हो सकता है, कभी-कभी आपको अतिरिक्त उछाल मिलता है, इसलिए आपको उछाल मिलता है और यदि आपको विकेट मिलता है, तो यह बहुत अच्छा है और आपने परिणाम देखा है।

इन विकेटों को पढ़ना भी मुश्किल है : पैट कमिंस

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने स्वीकार किया कि उन्हें विभिन्न भारतीय स्थानों की पिचों को पढ़ने और यह तय करने में कठिनाई हुई कि क्या करना है। चेन्नई की स्पिन-अनुकूल पिच पर भारत से और लखनऊ की उछाल भरी पिच पर दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के अभियान पर काले बादल मंडरा रहे हैं।

यह एक पेचीदा मामला है, यहां तक कि टी-20 की तुलना में वनडे क्रिकेट में आधा से अधिक खेल दिन के उजाले में और आधा रात में खेला जाता है। इसलिए, यह टी20 क्रिकेट से थोड़ा अलग है। कमिंस ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, इन विकेटों को पढ़ना भी कठिन लगता है। जैसे कभी-कभी वे भयानक दिखते हैं और वे खूबसूरती से खेलते हैं और इसके विपरीत। कभी-कभी वे सपाट दिखते हैं और स्पिन भी लेते हैं। तो, यह कठिन है। आपको बस कभी-कभी तुरंत अनुकूलन करना होता है।

उन्होंने कहा कि पिचों को पढ़ने में कठिनाई के बावजूद, वे मैच-दर-मैच आधार पर पिचों का आकलन करना जारी रखेंगे। आपको अभी भी स्थितियों का आकलन करना है। भारत एक बड़ा देश है. इसलिए, चेन्नई, उत्तरी दिल्ली या उसके जैसे किसी स्थान से बहुत दूर है। तो, इसमें बड़े अंतर हैं, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, यह एक संपूर्ण कला नहीं है, एक संपूर्ण विज्ञान नहीं है। आप जो भी करें, अधिकांश मैच 50-50 की तरह के होते हैं, चाहे आप पहले बल्लेबाजी करें या पहले गेंदबाजी करें, विजेता ऐतिहासिक होता है। इसलिए, आप जो भी करें, आपको उसे अच्छे से करना होगा। दो हार के बाद ड्रेसिंग रूम के मूड के बारे में पूछे जाने पर कमिंस ने स्वीकार किया कि यह आदर्श नहीं है और टीम में लोग सुधार करने के लिए उत्सुक हैं। यह बिल्कुल भी आदर्श नहीं है। मुझे लगता है कि पिछले मैच के बाद हर कोई थोड़ा सपाट था, लेकिन पिछले कुछ दिन वास्तव में अच्छे रहे हैं। हर किसी ने अपनी आस्तीन चढ़ा ली है और काम पर लगकर सुधार करने की कोशिश करना चाहते हैं। तो, शिविर में माहौल शानदार रहा है। हर कोई महान है. हर कोई इसे पलटने के लिए बेताब है।

बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी उपविजेता रही, एटीपी फाइनल्स टीम में पदार्पण करेंगे

शंघाई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई पुरुष युगल जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन शंघाई मास्टर्स में स्पेन के मार्सेल ग्रेनोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस से रविवार को यहां फाइनल में 7-5, 2-6, 7- 10 से हारकर उपविजेता रहे। इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को ग्रैनोलर्स और जेबालोस से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दोनों टीमें पहले सेट में अपनी-अपनी सर्विस बचाने में सफल रहीं, इससे पहले रोहन और एबडेन 12वें गेम में निर्णायक ब्रेक प्वाइंट हासिल कर बढ़त लेने में सफल रहे।

लेकिन स्पेनिश-अर्जेंटीना जोड़ी का आत्मविश्वास तेजी से बढ़ा और उन्होंने जल्द ही दूसरे सेट में 4-0 की बढ़त ले ली, लेकिन दूसरा सेट 6-2 से जीतकर बराबरी कर ली। मैच टाईब्रेक में वे अधिक प्रभावशाली जोड़ी थे, उनके तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत सुनिश्चित हुई। यह बोपन्ना का साल का तीसरा एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था। 43 वर्षीय भारतीय ने इस साल की शुरुआत में इंडियन वेल्स मास्टर्स खिताब जीतने के लिए एबडेन के साथ साझेदारी की थी। इस जीत ने बोपन्ना को टेनिस इतिहास का सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स चैंपियन भी बना दिया।

दोनों ने दोहा में ट्रॉफी भी उठाई। बोपन्ना और एबडेन यूएस ओपन के एक प्रमुख फाइनल और मैड्रिड में एक और मास्टर्स 1000 फाइनल में भी पहुंचे। हालाँकि, एक टीम के रूप में अपने पहले सीज़न में, बोपन्ना और एबडेन एटीपी फाइनल्स में प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने शंघाई मास्टर्स के फाइनल में पहुंचकर सीज़न फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। एटीपी फाइनल्स में बोपन्ना की यह चौथी उपस्थिति और 2015 के बाद उनकी पहली उपस्थिति होगी। उनकी सभी चार योग्यताएं अलग-अलग भागीदारों के साथ आई हैं।

ट्रैविस हेड को नेट्स में बल्लेबाजी के बाद ऑस्ट्रेलिया के मैचों में खेलने की उम्मीद

एडिलेड, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। चोटिल बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने कहा कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान बाएं हाथ में फ्रैक्चर के बाद नेट्स पर बल्लेबाजी करने से उन्हें मौजूदा 2023 पुरुष वनडे विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के मैचों में खेलने की उम्मीद है।

पिछले सप्ताह शुक्रवार को हेड के बाएं हाथ से सुरक्षात्मक पट्टी हटा दी गई थी और तब से एडिलेड में अपने आवास पर अभ्यास नेट में उन्हें कई थ्रो-डाउन का सामना करना पड़ा है। फिलहाल, हेड के विश्व कप में भाग लेने की शुरुआती उम्मीद 25 अक्टूबर को नई दिल्ली में नीदरलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का मैच खेलना है। यह अच्छी तरह से हो रहा है, और शायद हमारी उम्मीद से बेहतर है। जब हमने सर्जरी नहीं कराने का फैसला किया, जिसका मतलब 10 सप्ताह की रिकवरी थी, तो हमें बताया गया कि स्प्लिंट के साथ कम से कम छह सप्ताह लगेंगे। उस योजना के अनुसार, नीदरलैंड का मैच प्रभाव से सिर्फ छह सप्ताह से कम समय में होगा जो कि काफी आक्रामक तारीख है, इसलिए उस समय सीमा को पूरा करने के लिए यहां से सब कुछ पूरी तरह से आगे बढ़ना होगा। लेकिन हम सिर्फ यह देखेंगे कि यह अगले कुछ दिनों में कैसे आगे बढ़ता है और मैं सप्ताह के अंत में लड़कों के साथ वहां जुड़ने की संभावना से उत्साहित हूं। क्रिकेट.कॉम.एयू ने हेड के हवाले से कहा, मुझे यह भी यकीन नहीं था कि जब स्प्लिंट उतरा तो मैं बल्लेबाजी कर पाऊंगा, लेकिन थोड़ी सी कठोरता के अलावा, पिछले चार हफ्तों से मैं इसका उपयोग करने में सक्षम नहीं था, मैं गेंदों को हिट करने में सक्षम था और उचित रेंज के शॉट्स खेलें।

गुरबाज और इब्राहिम की बेहतरीन साझेदारी, इंग्लैंड को 285 रन का लक्ष्य

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने सलामी बल्लेबाज रहमानउल्लाह गुरबाज 57 गेंदों में 80 रन और इब्राहिम 28 रनों की पहले विकेट के लिए बेहतरीन 114 रनों की साझेदारी बदौलत रविवार को आईसीसी विश्वकप के 13वें एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड को 285 रन का लक्ष्य दिया है। इंग्लैंड ने आज यहां टॉस जीतकर अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। सलामी बल्लेबाज गुरबाज और इब्राहिम जादरान की जोड़ी ने अफगानिस्तान को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। गुरबाज एक छोर आक्रामक तो दूसरी ओर इब्राहिम ने संभलकर बल्लेबाजी की। इस जोड़ी ने शुरुआती 10 ओवर में 79 रन बनाए। अफगानिस्तान को पहला झटका 17वें ओवर में 114 रन के स्कोर पर उस समय लगा धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी कर रहे इब्राहिम 48 गेंदों में 28 रन बनाकर राशीद की गेंद पर जो रूट को कैच थमा बैठे। गुरबाज ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपने एकदिवसीय करियर का तीसरा अर्धशतक बनाया। उन्होंने आठ चौके और चार छक्कों की मदद से 57 गेंदों में 80 रन बनाए। उन्हें बटल की गेंद पर डी जे विली ने रन आउट किया। इस पारी के दौरान गुरबाज ने एशिया में एकदिवसीय मैचों में अपने एक हजार रन भी पूरे कर लिए। इसके बाद अफगानिस्तान मध्यक्रम लड़खड़ा गया। 19वें ओवर में रहमत शाह तीन रन को रशीद ने बटलर के हाथों कैच आउट करा दिया। चौथे विकेट के रूप में हशमतउल्लाह शहीदी 14 रन जो रूट का शिकार बने। अज़मतउल्लाह ओमरज़ई 19 रन को लिविंगस्टन को वोक्स ने कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये इकराम अलीखिल 58 रन ने अफगानिस्तान की पारी को संभाला। उन्हें टॉप्ले की गेंद पर कुरेन ने कैच आउट किया। मुश्किल समय में इकराम और राशिद खान ने 43 रन की उम्दा साझेदारी करते हुए टीम को अच्छे स्कोर की ओर अग्रसर कर दिया। राशिद 22 गेंदों में 23 रन बनाये। निचले क्रम में मुजीब उर रहमान ने 16 गेंदों में 28 रन का अहम योगदान दिया। उन्हें वुड की गेंद पर जो रूट ने आउट किया। अफगानिस्तान की पूरी टीम 49.5 ओवर में 284 रन बनाकर आउट हो गयी। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद 42 देकर तीन विकेट लिये। इसके अलावा मार्क वुड ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। वहीं रिस टॉप्ले, लियम लिविंगस्टन और जो रूट को एक-एक विकेट मिला।

अगर आप जीत नहीं सकते, तो कम से कम संघर्ष करें : रमीज राजा

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर और पूर्व पीसीबी प्रमुख रमीज राजा ने भारत के खिलाफ 7 विकेट की करारी हार के बाद 2023 विश्व कप के बहुप्रतीक्षित मैच में मौके पर खरा नहीं उतरने और भारत को कड़ी टक्कर नहीं देने के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। पाकिस्तान भारत को एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य देने की राह पर था, जब उसने 155-2 का स्कोर बना लिया था, लेकिन इसके बाद उसने 13 ओवर में सिर्फ 36 रन पर शेष आठ विकेट खो दिए, जिससे शनिवार को उसकी टीम 191 रन पर ऑल आउट हो गई। यह पुरुष वनडे विश्व कप में खेलने के इतिहास में पाकिस्तान के आखिरी आठ विकेटों में सबसे खराब गिरावट थी। जवाब में, भारत के कप्तान रोहित शर्मा (86) ने नेतृत्व किया और मेजबान टीम ने पाकिस्तान के आक्रमण को खारिज करते हुए लगभग 20 ओवर शेष रहते जोरदार जीत हासिल की। आईसीसी रिव्यू पॉडकास्ट के नवीनतम एपिसोड में बोलते हुए, राजा ने अपनी पूर्व टीम के आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 अभियान के लिए हार का क्या मतलब हो सकता है, इस पर चिंता व्यक्त करते हुए पाकिस्तान की आलोचना की। रमिज़ ने आईसीसी रिव्यू पॉडकास्ट के नवीनतम एपिसोड में कहा, इससे पाकिस्तान को नुकसान होना चाहिए क्योंकि वे प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम नहीं थे। जब आप भारत के खिलाफ खेल रहे होते हैं तो जाहिर तौर पर यह ऐसा माहौल होता है जहां 99 प्रतिशत भारतीय प्रशंसक और भीड़ होती है, आप जाहिर तौर पर अभिभूत होते हैं। मैं यह सब समझता हूं।

राजा ने कहा, लेकिन बाबर आजम ने चार या पांच साल तक इस टीम का नेतृत्व किया है, इसलिए आपको मौके पर खरा उतरना होगा। यदि आप जीत नहीं सकते, तो कम से कम प्रतिस्पर्धा करें। पाकिस्तान ऐसा करने में सक्षम नहीं था। विश्व कप अभियान के शुरुआती दो मैचों में नीदरलैंड और श्रीलंका पर जीत दर्ज करने के बाद पाकिस्तान शनिवार के मैच में भारत के साथ होने वाले अहम मुकाबले के लिए तैयार हो गया। लेकिन शनिवार की हार यह दर्शाती है कि पाकिस्तान क्रिकेट विश्व कप के अपने सभी आठ मुकाबलों में अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ जीत हासिल करने में असमर्थ रहा है, जिसका इतिहास 1992 में टूर्नामेंट में उनके शुरुआती संघर्ष से जुड़ा है। 61 वर्षीय खिलाड़ी का मानना है कि भारत के खिलाफ खराब रिकॉर्ड के कारण पाकिस्तान पर दबाव है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि अगर वे टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण चरणों में फिर से भिड़ेंगे तो बदलाव आएगा। यह एक वास्तविकता है और पाकिस्तान को इसके बारे में कुछ करना होगा, उन्हें भारत के खिलाफ चोकर्स नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह कोई बड़ा टैग नहीं है। किसी तरह यह एक मानसिक अवरोध है, यह एक कौशल अवरोध भी है। पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप प्रतियोगिताओं में अपनी उपस्थिति बनाए रखने का श्रेय भारत को जाता है, यह भारत के लिए भी आसान मैच नहीं था क्योंकि इसमें भावनाएं शामिल हैं, उम्मीदें शामिल हैं। तो फिर आपको जीतना ही होगा क्योंकि यह इतने सालों से हो रहा है कि इससे आप पर थोड़ा अतिरिक्त दबाव आ सकता है। लेकिन उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से संभाला है।

पूर्व क्रिकेटर ने यह भी बताया कि पाकिस्तान को भारत से मिली करारी हार से सीखने के लिए क्या करने की जरूरत है और फिर अपना ध्यान तुरंत अपने बचे हुए मैचों पर केंद्रित करना चाहिए। यह उन्हें चोट पहुंचाने वाला है। यह डराने वाला है, यह पीटने वाला है और वे तीनों विभागों में पिछड़ गए हैं और मात खा गए हैं। बाबर आजम और वरिष्ठ खिलाड़ियों को कुछ युवा बच्चों के साथ एकजुट होना होगा और उन्हें आगे बढ़ाना होगाऔर उत्तर ढूंढना होगा। उन्होंने आगे कहा, उन्हें उन टीम बैठकों में पूरी तरह से ईमानदार रहना होगा। मेरा मानना है कि पाकिस्तान को यहीं से शुरुआत करने की जरूरत है। ड्राइंग बोर्ड पर कहा जा रहा है कि हमारी स्पिन संघर्ष कर रही है, हमें 50 या 49 रन बनाकर आउट नहीं होना चाहिए और टेलेंडर्स क्या कर रहे थे? तीन मैचों में तीन जीत के साथ, भारत तालिका में शीर्ष पर है, जबकि पाकिस्तान, दो शुरुआती जीत के साथ, चौथे स्थान पर है, क्योंकि सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए उनकी नज़र शीर्ष चार में पहुंचने पर है।

सार संक्षेप

यूरो 2024 क्वालिफाइंग में इटली ने माल्टा को हराया

रोम। इटली ने यूईएफए यूरो 2024 क्वालिफाइंग में डोमेनिको बेरार्डी के दो गोल की बदौलत माल्टा को 4-0 से हरा दिया है। शनिवार को खेले गये इस मुकाबले में इटली की टीम शुरू से ही आक्रामक रही। गत चैंपियन के बोनावेंटुरा ने आखिरकार 23वें मिनट में गतिरोध को तोड़ते हुए गोल कर दिया और यह उनका पहले अंतरराष्ट्रीय गोल था। बेरार्डी ने ब्रेक से पहले निकोलो बारेला के साथ मिलकर गोल करते हुए बढ़त दोगुना कर दिया। ब्रेक के बाद इटली ने अपना दबदबा जारी रखा और बेरार्डी ने 64वें मिनट में तीसरा गोल किया। इससे पहले कि स्थानापन्न डेविड फ्रैटेसी ने अंतिम मिनटों में गोल कर दिया। माल्टा की टीम पूरे मैच में संघर्ष करती देखी गई। इस जीत के साथ ही इटली को 10 अंकों के साथ ग्रुप सी में अपना दूसरा स्थान पर है। इटली की यह लगातार दूसरी जीत है।

डेनियल एबियनो ने पुरुष वर्ग और अयाना ने महिला वर्ग की दौड़ जीती

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में रविवार सुबह खेल और फिटनेस के लिए आयोजित की गई 'वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन' को केन्या के स्टार धावक डेनियल एबेन्यो ने पुरुष वर्ग और इथियोपिया की अल्माज अयाना ने महिला वर्ग की एलीट दौड़ जीत ली। आज सुबह यहां केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने हरी झंडी और दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने फायर कर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से 'वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन' को रवाना किया। केन्या के एबेन्यो ने पुरुष वर्ग में 59 मिनट और 27 सेकंड में दौड़ पूरी की। वही महिला वर्ग में इथियोपिया की अयाना ने एक घंटे सात मिनट और 59 सेकंड में दौड़ पूरी करके युगांडा की स्टेला चेसांग (1.08.28) और केन्या की वियोला चेपनजेनो (1.09.09) को पछाड़ते हुए जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ियों में अभिषेक पाल (1.04.08) और कविता यादव (1.17.42) ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। पुरुष वर्ग में कार्तिक दूसरे और सावन ने तीसरे स्थान रहे। मैट्रो और अन्य साधनों से बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे लोगों में हाफ मैराथन को लेकर काफी उत्साह देखा गया। मैराथन हजारों की संख्या में हर उम्र के लोगों ने भाग लिया। आज सुबह तीन तरह की मैराथन स्पर्धाएं आयोजित की जा रही है। जिनमें हाफ मैराथन एमेच्योर, 10 किलोमीटर रूट और हाफ मैराथन एलीट शामिल हैं। प्रतिभागियों के लिए 42.195 किमी की मैराथन को सात घंटे 18 मिनट में, 25 किमी की दौड़ को चार घंटे 11 मिनट में, 21.097 किमी की हाफ मैराथन तीन घंटे 30 मिनट और 10 किमी की दौड़ को 95 मिनट निर्धारित किये गये थे।